



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 12, 1981 (अग्राहायण 21, 1903)

No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 12, 1981 (AGRAHAYANA 21, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 18 दिसम्बर 1981

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. ए-32012/1/81-प्रशा.-1—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 25 अगस्त, 1981 के अनुक्रम में अध्या, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के स्थायी वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्री के. आर. पी. नायर को 19-11-81 से 18-2-82 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (भाषाएं) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

पी. एस. राणा
अनुभाग अधिकारी
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. ए-12024/2/80-प्रशा.-1—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 9-9-1981 के अनुक्रम में आई. आर. एस. (सी. एण्ड सी. ई-1970) के अधिकारी श्रीमती प्रेम बी. पी. सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 1-11-1981 से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उपसचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

1—366GI/81

(13655)

सं. ए-19013/2/81-प्रशा.-1—श्री आर. नटराजन, आई. ए. एण्ड ए. एस. को राष्ट्रपति द्वारा 16 दिसम्बर, 1981 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के रूप में सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य. रा. गांधी
अवर सचिव (प्रशा.)
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. 2 के. आर. सी. टी. 15—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री सुजीत बैनर्जी, आई. ए. एस. (यू. पी.-1972) को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक 12 अक्टूबर, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से उप-सचिव नियुक्त करते हैं।

सं. 2 के. आर. सी. टी. 15—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री एम. के. जल्सी, आई. आर. एस. (सी. एवं सी. ई.-1966) को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक 14

अक्टूबर, 1981 (अपराह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से विभागीय आंच आयुक्त नियुक्त करने होंगे।

कृष्ण लाल मल्होत्रा
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. ए-19027/3/81-प्रशा.-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद सं. श्री एस. के. दास गुप्ता, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (फोटो) को दिनांक 20-10-1981 से दिनांक 31-12-1981 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए केन्द्रीय न्याय-वैज्ञानिक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (फोटो) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19035/3/81-प्रशा.-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षण, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद सं. श्री आर. पी. अग्रोहा, कार्यालय अधीक्षक विधि प्रभाग जो दिनांक 2-11-1981 से 45 दिन की अर्जित छुट्टी पर चले गए हैं, की छुट्टी रिक्ति में श्री टी. सुदर्शन राव, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय को दिनांक 2-11-1981 से दिनांक 16-12-1981 तक 45 दिन की अवधि के लिए पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

की. ला. ग़ोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. ओ-वो-1593/81-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री एन. बी. भट, कर्णाटक संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महा-निरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री भट ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप महानिरीक्षक, इम्फाल (मनिपुर) के पद का कार्यभार दि. 19 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से सम्भाला है।

सं. ओ. दो. 1609/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) जी. चेन्नाकन्नु को 2-11-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं. ओ. दो. 1610/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डाक्टर एस. सी. भास्कर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी. डी. ओ. ग्रेड-11 (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 5-11-1981 के पूर्वाह्न से डाक्टर परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं. ओ. दो. 1611/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी डाक्टर ई. जी. गोपीकृष्ण को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी. डी. ओ. ग्रेड-11 (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 9-11-1981

के पूर्वाह्न से डाक्टर परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं. 10/28/81-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक महापंजीकार (मानचित्र) के पद पर कार्यरत डा. बी. के. राय को उसी कार्यालय में तारीख 26 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, पदोन्नति द्वारा, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर उप महापंजीकार (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा. राय का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति डा. राय को उप-महापंजीकार (मानचित्र) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सम्बन्धित पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द की जा सकती है।

दिनांक 20 नवम्बर 1981

सं. 11/26/81-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़ में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री जे. आर. वशिष्ठ को उसी कार्यालय में तारीख 19-10-81 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशालय हरियाणा, चण्डीगढ़ में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री जे. एन. सूरी को भी उसी कार्यालय में तारीख 19 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से श्री जे. आर. वशिष्ठ के स्थान पर एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्ति सम्बन्धित अधिकारी को सम्बन्धित पदों पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सम्बन्धित पदों पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

4. सर्वश्री वशिष्ठ और सूरी का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

सं. 11/38/81-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री एम. जी. मोहरील को उसी कार्यालय में तारीख 22 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अनधिक अवधि के लिए जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम

हो, पदान्ति द्वारा, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री मोहरिल का मुख्यालय भोपाल में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री मोहरिल को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सम्बन्धित पद पर उनकी सेवाएँ उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द की जा सकती है।

दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. 11/42/80-प्रशा.-1—इस कार्यालय की तारीख 30 जून, 1980 की समसंख्यांक अधिसूचना के अन्तर्गत में राष्ट्र-पति, गृह मंत्रालय के के. स. आ. में ग्रेड 'ए' के अधिकारी श्री प्रेम नारायणी को जनगणना कार्य निदेशालय महाराष्ट्र, बंबई में तारीख 30 जून, 1982 तक की और अर्वाध के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अर्वाध पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर, स्थानान्तरण द्वारा, तदर्थ आधार पर, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नारायणी का मुख्यालय बम्बई में होगा।

सं. 11/74/80-प्रशा.-1—राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के सेवा निवृत्त अधिकारी और केरल, त्रिबेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में पुनर्नियोजन पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री पी. गोपाल कृष्णन नायर की सेवाएँ तारीख 30 सितम्बर, 1981 के अपराह्न से समाप्त करते हैं।

पी. पद्मनाभ
भारत के महापञ्जीकार

वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

नासिक रोड, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. 177-अ/4—महाप्रबंधक चलाथ पत्र मद्रणालय नासिक रोड एतद्वारा श्री व्ही. एन. झाडबुके निरीक्षक निर्माण चलाथ पत्र मद्रणालय को उप नियंत्रक अधिकारी पद पर चलाथ पत्र मद्रणालय में पूर्ण रूप से तदर्थ आधार पर 2 नवम्बर 1981 (पूर्वाह्न) से 4-12-81 तक नियुक्त करते हैं।

स. द. हडगंजी
महा प्रबंधक
चलाथ पत्र मद्रणालय

दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. प्रशा०-II/2606/81-1—वाधक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा :—

| क्र० सं० | नाम, रॉस्टर संख्या सहित | ग्रेड | तारीख जिससे पेंशन स्थापना को अन्तरित किया गया | संगठन |
|----------|---------------------------------|---------------------|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| सर्वश्री | | | | |
| 1. | ए० वी० मुन्वेरश्वरन, पी०/160 | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे। |

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग
महालेखाकार का कार्यालय-I, आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद-500476, दिनांक 20 नवम्बर 1981

सं० प्रशा०I/8-132/81-82/348—महालेखाकार, आन्ध्र-प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के निम्न-लिखित सदस्यों को महालेखाकार, आन्ध्रप्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000 इ० बि० -40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के आगे बताई गई तारीख से जब तक आगे आदेश न दिये जाए नियुक्त किये जाते हैं :—

| नाम | भारग्रहण की तारीख |
|--------------------|---|
| सर्वश्री | |
| 1. एम० सुब्बाराय-1 | 22-10-81 पूर्वाह्न |
| 2. ए० अफ्लननरसिंहम | बाह्य सेवा पर चक्का हाइडल प्रोजेक्ट, भूटान। |
| 3. बि० रामकृष्णराव | 22-10-81 अपराह्न |
| 4. सि० राममूर्ति | 22-10-81 पूर्वाह्न |

यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में निर्णित पड़े याचिकाओं के अधीन है।

ग० हरिहरन,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं० प्रशा./1/1799/5/जिन्द-1—श्री एस.एस. राखन, आई.डी.ए.एस. द्वारा दिनांक 15-4-82 को 58 वर्ष की आयु (उनकी जन्म-तिथि 15-4-1924 होने के कारण) प्राप्त कर लेने पर उन्हें दिनांक 30-4-1982 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा और तदनुसार वे मौलिक नियमावली के नियम 56(ए.) की शर्तों के अनुसार दिनांक 30-4-1982 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के सख्याबल पर नहीं रहेंगे।

आर. के. माधुर
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----|------------------------------------|-------------------------|-----------|---|
| | सर्वश्री | | | |
| 2. | बी० आर० राधाकृष्णन ओ०/264 | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे । |
| 3. | डी० एस० गोकेले, ओ०/213 | —यथोपरि— | 31-7-1981 | —यथोपरि— |
| 4. | एम० के० दबीर, पी०/176 | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुना । |
| 5. | पी० रंगराजन, पी०/54 | —यथोपरि— | 31-7-1981 | —यथोपरि— |
| 6. | रघुवीर सिंह, ओ०/अभी आर्बटित नही | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ । |
| 7. | कृष्ण लाल नागपाल, पी०/83 | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून । |
| 8. | जय प्रकाश, ओ०/अभी आर्बटित नही | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | —यथोपरि— |
| 9. | गणेश दास सेठी, पी०/277 | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ । |
| 10. | किशोरी लाल जैन, पी०/181 | —यथोपरि— | 31-7-1981 | —यथोपरि— |
| 11. | गुरुबचन सिंह जोहर, पी०/545 | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | रक्षा लेखा संयुक्त-नियंत्रक (निधि) मेरठ । |
| 12. | अजित कुमार राय, ओ०/145 | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता । |
| 13. | एम० कन्द स्वामी, पी०/369 | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-7-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, भद्रास । |
| 14. | अमर सिंह, पी०/249 | —यथोपरि— | 31-7-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद । |
| 15. | ए० के० बनर्जी, पी०/250 | —यथोपरि— | 31-7-1981 | —यथोपरि— |
| 16. | जगदीश राय खन्ना, पी०/290 | —यथोपरि— | 30-9-1981 | —यथोपरि— |
| 17. | टी० आर० नरसिम्हन, पी०/15 | —यथोपरि— | 31-8-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे । |
| 18. | बी० एस० कुलकर्णी, ओ०/47 | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-8-1981 | —यथोपरि— |
| 19. | डी० डी० कवि, पी०/309 | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-8-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे । |
| 20. | बी० मुखर्जनियन पी०/370 | —यथोपरि— | 31-8-1981 | —यथोपरि— |
| 21. | बी० एस० कोहली, पी०/214 | —यथोपरि— | 31-8-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून । |
| 22. | पूरण राम प्रकाश, ओ०/410 | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-8-1981 | —यथोपरि— |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----|---|-------------------------|-----------|--|
| 23. | ए० एस० नागराजन, ओ०/41 | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-8-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास |
| 24. | सी० वैक्टा सुब्बाया, पी०/50 | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-8-1981 | —यथोपरि— |
| 25. | ए० ए० के० गौरी, ओ०/अभी आर्बटित नहीं। | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 31-8-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ छावनी |
| 26. | राम नाथ, पी०/210 | स्थायी लेखा अधिकारी | 31-8-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई। |
| 27. | वी० पी० मुर्कर पी०/380 | —यथोपरि— | 31-8-1981 | —यथोपरि— |
| 28. | एम० सी० कमलपुरकर, पी०/175 | —यथोपरि— | 30-9-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे। |
| 29. | डी० रामा पति, पी०/90 | स्थायी लेखा अधिकारी | 30-9-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिण कमान, पुणे |
| 30. | एम० जी० वातार, ओ०/अभी आर्बटित नहीं। | स्थानापन्न लेखा अधिकारी | 30-9-1981 | रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना। |
| 31. | पी० जी० वेशमुख, पी०/195 | स्थायी लेखा अधिकारी | 30-9-1981 | —यथोपरि— |
| 32. | धर्म लाल भाटिया, पी०/235 | —यथोपरि— | 30-9-1981 | लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता। |
| 33. | वी० एस० वैद्य, पी०/470 | —यथोपरि— | 30-9-1981 | —यथोपरि— |
| 34. | बीरेन्द्र नाथ चक्रवर्ती, पी०/162 | —यथोपरि— | 30-9-1981 | —यथोपरि— |

रक्षा लेखा महा नियंत्रक खेद के साथ निम्नलिखित लेखा अधिकारी की मृत्यु अधिसूचित करते हैं:—

| क्र० सं० | नाम रोस्टर संख्या सहित | ग्रेड | मृत्यु की तारीख | विभाग के संख्या बल से हटाने की तारीख | संगठन |
|----------|------------------------------------|---------------------|-----------------|--------------------------------------|-----------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | श्री एस० के० चक्रवर्ती, पी०/220 | स्थायी लेखा अधिकारी | 25-5-81 | 26-5-81 (पूर्वाह्न) | लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता |

ए० के० घोष,

रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (परियोजना)

रक्षा मंत्रालय

श्रम मंत्रालय

भारतीय आर्डर्नैन्स फैक्टरियां सेवा

श्रम ब्यूरो

आर्डर्नैन्स फैक्टरी बोर्ड

शिमला-171004, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

कलकत्ता-16, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. 43/81/जी.—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री बी. आई. बालाकृष्णन् स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक मौलिक एवं स्थायी फोरमैन दिनांक 31-7-81 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी. कं. मेहता
सहायक महानिदेशक
आर्डर्नैन्स फैक्टरियां

सं. 23/3/81-सी. पी. आई.—अक्टूबर, 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) सितम्बर, 1981 के स्तर से 4 अंक बढ़ कर 460 (चार सौ साठ) रहा। अक्टूबर, 1981 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1960=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 559 (पांच सौ उन्सठ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
निर्देशक

वणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1981

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं. 6/1014/73-प्रशा. राज./6326—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री जे. पी. रुस्तगी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात को 31 अक्टूबर, 1981 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

ए. एन. कौल

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

कृत मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

मार्किंग विनियमन

बम्बई-20, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. 5(2)/81-सी. एल. बी.-1।—कृत्रिम रेशम वस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962, के खण्ड 9 के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड 4 (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निर्दिष्ट करता हूँ कि जनवरी, 1982 के पहले दिन से नीचे विहित पद्धति के अनुसार कृत्रिम रेशम के सूत तथा वस्त्र के उत्पादकों द्वारा निम्नोक्त मार्किंग किए जायेंगे :—

एक :—यह अधिसूचना, निम्नोक्त को छोड़कर कृत्रिम रेशम के वस्त्रों की सभी श्रेणियों पर लागू होगी :—

- (अ) हूँक, काप, कोन, चीज, बीम तथा बंडल के रूप में कृत्रिम रेशम के सूत के पैकेज जो वजन में 500 ग्राम से ज्यादा नहीं हैं।
- (आ) कृत्रिम रेशम के वस्त्र जिनकी लम्बाई 50 सें.मी. से ज्यादा नहीं है।
- (इ) उत्पादक द्वारा सीधे केन्द्रीय सरकार को बचे गए कृत्रिम रेशम का सूत या कृत्रिम रेशम के वस्त्र।
- (ई) भारत के बाहर निर्यातित कृत्रिम रेशम का सूत या कृत्रिम रेशम के वस्त्र।
- (उ) हाथ से कता हुआ कृत्रिम रेशम का सूत।
- (ऊ) हस्तकर्यों पर उत्पादित कृत्रिम रेशम के वस्त्र।
- (ए) विधियन के लिए विधियक को बचा हुआ कृत्रिम रेशम का वस्त्र।
- (एँ) टैप, रोप तथा निबाड़।

(दा) :—500 ग्राम से ज्यादा हूँक, काप, कोन, चीज या बंडल के रूप में कृत्रिम रेशम के सूत के हर पैकेज पर ठीक तरह से छिपकाए हुए कागजी लेबलों पर निम्नोक्त मार्किंग किए जायेंगे।

(1) कृत्रिम रेशम का सूत (कता हुआ)

(अ) उत्पादक का नाम तथा पता।

(आ) पैकिंग का माह तथा वर्ष।

(इ) पैकेज में कृत्रिम रेशम के सूत का किलोग्राम में शुद्ध भार।

(ई) सूत का नम्बर (अंग्रेजी काउन्ट)।

(उ) "ली ब्रैकिंग स्ट्रेंथ" इन शब्दों के बाद पाउन्ड में मजबूती (स्ट्रेंथ) दर्शाते हुए अंक।

(ऊ) कते हुए सूत की वशा में, "कृत्रिम रेशम का कता हुआ सूत" ये शब्द और उसके बाद सूत के कल भार के अनुसार विभिन्न तरह के रेशों का भार प्रतिशत में जैसा कि नीचे लिखे उदाहरण में दिया है :—

(एक) कृत्रिम रेशम का कता हुआ सूत—

पालिएस्टर — 100%

(दो) संमिश्र सूत की वशा में, शब्द, "संमिश्र कृत्रिम रेशम का कता हुआ सूत" और उसके बाद उसका प्रजाति नाम और सही प्रतिशत घटते हुए क्रम में, उदाहरणार्थ "संमिश्र कृत्रिम रेशम का कता हुआ सूत"

पालिएस्टर — 40%

पालिनासिक — 38%

विस्कोज — 22%

(2) कृत्रिम रेशम के सूत (फिलामेंट)

(अ) उत्पादक का नाम तथा पता।

(आ) पैकिंग का माह तथा वर्ष।

(इ) पैकेज में कृत्रिम रेशम के सूत का शुद्ध भार किलोग्राम में।

(ई) "फिलामेंट सूत" ये शब्द तथा "पालिएस्टर", "विस्कोज", "पालिनासिक", "नाइलॉन", या "एक्रायलिक" जैसे प्रजाति नामों के साथ सूत का डेनियर फिलामेंट की संख्या तथा प्रति मीटर ट्विस्ट की संख्या उदाहरणार्थ "पालिएस्टर फिलामेंट यार्न 40/12/600"।

(उ) शब्द "टेनसिटी" के आगे ग्राम में प्रति डेनियर टेनसिटी अंको में।

सूचना:—कोनपर सूत की वशा में मार्किंग का लेबिल कोन के भीतर छिपकाया जाएगा तथा बीमपर सूत की वशा में विहित मार्किंग का लेबिल मजबूती से बीम से बांधा जाएगा।

(3) कृत्रिम रेशम के वस्त्र

कृत्रिम रेशम के वस्त्र अगर प्लेट के रूप में पैक हुए हों तो हर टुकड़े के फस—प्लेट पर तथा रोल के रूप में पैक हुए हों तो बट्टों के सामने के किनारे पर, निम्नोक्त मार्किंग किए जायेंगे। अगर मार्किंग वाला भाग ग्राहक को अन्त में नहीं बचा जाता तो उक्त मार्किंग कृत्रिम रेशम के कपड़े के टुकड़ों के दोनों किनारों पर किये जायेंगे।

(अ) उत्पादक का नाम तथा पता।

(आ) पैकिंग का माह तथा वर्ष।

(इ) सामान्य रूप से परिचित नाम उदाहरणार्थ "साड़ी", "शर्टिंग", या "सूटिंग" इत्यादि।

(इं) मीटर में लम्बाई तथा में. सी. में चौड़ाई।

(उ) “से बना हुआ” इन शब्दों के साथ “कता हुआ× कता हुआ” “फिलामेंट×फिलामेंट” या “कता हुआ×फिलामेंट सूत” जैसा भी हो शब्द होंगे।

(ऊ) कृत्रिम रेशम के वस्त्र के दोनों ताना तथा बाना के कुल सूत में प्रत्येक जातीय घटकों के वजन के प्रतिशत के रूप में ठीक मिश्रण जैसे नीचे दर्शाया गया है: ---

(1) पॉलिएस्टर---100% ।

(2) संमिश्र वस्त्रों की दशा में शब्द, “संमिश्र कृत्रिम रेशम के वस्त्र” और उसके बाद प्रत्येक घटक का प्रजाति नाम और उसका सही प्रतिशत घटते हुए क्रम में, उदाहरणार्थ ।

“संमिश्र कृत्रिम रेशम के वस्त्र”

पॉलिएस्टर---40%

पॉलीनामिक---38%

विस्कोज---22%

4. (1) मार्किंग के हेतु सिर्फ प्रजाति नाम उदाहरणार्थ पॉलिएस्टर विस्कोज, नायलॉन, पॉलिप्रोपिलिन, एक्रायलिक, इत्यादि जैसा भी हो का मार्किंग जैसा उपरोक्त पैरा दो (1) (ऊ), दो (2) (इं) तथा तीन (उ) में उदाहरण दर्शाया गया है के अनुसार होगा। सेल्यूलोजिक, पॉलीअमाइड, पॉली क्लोफाईन, पॉलीयूरथम, डैक्रान इत्यादि किसी अन्य शब्द का उपयोग नहीं होगा। उक्त पैराग्राफों में उल्लिखित के अलावा कोई भी सूत्राव वशानेवाला या सूचनात्मक मिश्रण के प्रतिशत का मार्किंग नहीं किया जाएगा ।

(2) उपरोक्त पैरा दो और तीन में निर्दिष्ट लम्बाई, चौड़ाई काउंट/डेनियर या वजन आदि का प्रत्येक मार्किंग, ट्रेड और मर्चन्डाइज मार्क अक्ट, 1958 (1958 का 43) समय-समय पर संशोधित की धारा 95 के अंतर्गत जारी की गई अधिसूचना में दी गई संबंधित परिवर्तनों की सीमाओं से बाध्य होगी ।

(5) मार्किंग, अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में या हिन्दी में देवनागरी लिपि में तथा प्रयोग की गई संख्याएं आंतर्राष्ट्रीय अंकों में की जाएंगी तथा अक्षर और आंकड़े कृत्रिम रेशम के सूत की दशा में आधे सेंटी-मीटर, तथा कृत्रिम रेशम के वस्त्र की दशा में एक से. सी. से कम ऊंचे नहीं होंगे।

मुंरेश कुमार, अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग का कार्यालय)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. ए-19018/528/81-प्रशा. (राज)--राष्ट्रपतिजी, श्री आनन्द कुमार को दिनांक 17 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्न)

में अगले आवेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (वेद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सी. सी. राय
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं. ए-17011/187/81-प्र.6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने स्थायी भंडार परीक्षक (एम्प्लॉय) तथा निदेशक पूर्ति तथा निपटान, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी श्री जे. पी. शर्मा को दिनांक 15-9-1981 के पूर्वाह्न में तथा आगामी आदेशों तक जमशेदपुर निरीक्षणालय के अन्तर्गत उप निरीक्षण निदेशक भिलाई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) के रूप में नियुक्त किया है ।

एल. एल. कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं. प्र. 1/1(737)--राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक निदेशकों (पूर्ति) (ग्रेड-11) को दिनांक 3-11-1981 के पूर्वाह्न में छ मास की अवधि अथवा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित अधिकारियों के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप “ए” के ग्रेड 111) में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड 1) के रूप में नियुक्त करते हैं ।

1. श्री एम. सी. शर्मा
2. श्री मनमोहन पाल सिंह
3. श्री एस. के. बन्धू
4. श्री डी. के. त्यागी
5. श्री डी. एस. एन. मूर्ती
6. श्री क्यू. सी. रस्तोगी

उपरोक्त अधिकारियों ने सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-11) का पद भार छोड़ दिया और दिनांक 3-11-81 (पूर्वाह्न) में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक ग्रेड-1 के पद का पद भार ग्रहण कर लिया ।

मोहन लाल कपूर,
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1981

सं० ए०-31013/4/79-प्र०-6—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-III की धातु-रसायन शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रसायन शाखा) के रूप में स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

| क्र० सं० | नाम | वर्तमान पद | स्थायी होने की तारीख | अभ्युक्तियां |
|-----------------|---------------------|--|----------------------|---|
| सर्वश्री | | | | |
| 1. | श्री० बी० खन्ना | सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रसायन) उ० नि० म०, नई दिल्ली | 1-4-1973 | श्री बी० बी० बनर्जी के स्थान पर जो उप निदेशक निरीक्षण (धातु-रसायन) के रूप में स्थायी हुए। |
| 2. | एच० अनन्तपद्मनाभुलू | उप निदेशक (धातु-रसायन) जमशेदपुर जो 31-7-80 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए | 5-2-1979 | श्री एम० एन० दत्ता गुप्ता (सेवा निवृत्त) के स्थान पर। |
| 3. | एम० पी० चौधरी | उप निदेशक निरीक्षण (धातु-रसायन) बर्नपुर | 10-6-1979 | श्री के० एल० मूर्ति (सेवा निवृत्त) के स्थान पर |

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1981

सं. 7444बी/ए-19012 (1-एम. सी. यू.)/80-19-ए-- श्री महेश चन्द्र उपाध्याय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-व. रॉ.-35-880-40-1000-व. रॉ.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश तक 13 अगस्त, 1981 के पूर्वान्वित से नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 7457बी/ए-19012(बी. एन. बी.)/80/19ए.--- श्री बी. एन. भारतीया को प्रशासनिक अधिकारों के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-व. रॉ.-35-880-40-1000-व. रॉ.-40-1200 रु. के न्यूनतम वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28-9-1981 के पूर्वान्वित से नियुक्त किया जा रहा है।

जे. स्वामी नाथ, महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं. ए. 19011(23)/78-स्था.ए.---अफगानिस्तान सरकार के साथ खनन विशेषज्ञ के पद पर पतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात् 10-11-80 से 14-11-80 तक कार्य-

ग्रहण अवधि का उपयोग कर, श्री ओ. पी. सच्चदेव, 14-11-80 को भारत वापस आ गये हैं। उन्होंने दिनांक 15-11-80 से 29-9-1981 तक अर्जित अवकाश एवं अर्ध वेतन अवकाश लिया है और दिनांक 30-9-81 के पूर्वान्वित से क्षेत्रीय खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो, बहेरादून का पद भार ग्रहण कर लिया है।

एम. वी. अली, कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-11, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं. 14/12/81-स्मा.--मैं, कृष्ण मूरारी श्रीवास्तव, निदेशक (स्मारक) प्राचीन संस्मारक और पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष नियम, 1959 के नियम 6 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देता हूँ कि कूतव के पुरातत्वीय क्षेत्र, महरौली, दिल्ली राज्य, में अवस्थित केन्द्र द्वारा संरक्षित संस्मारक, अर्थात् कूतबद्वीप की मीनार तत्काल से प्रभावी अगले आदेश तक आम जनता के लिए बन्द रखा जाएगा।

कृष्ण मूरारी श्रीवास्तव,
निदेशक (स्मारक)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. 14/11/81-स्मा.--मैं जगतपति जोशी, निदेशक (अन्वेषण) प्राचीन स्मारक और पुरातत्वीय स्थल एवं नियमावली, 1959 के नियम के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए

यह निदेश जारी करता हूँ कि चैत्य गिरि, बिहार के वार्षिक-कोटिख के अवसर पर सांची, जिला रायसीना (मध्य प्रदेश) के बौद्ध स्मारकों में 29-11-81 और 30-11-81 तक प्रवेश शुल्क नहीं लिया जाये।

जगतपति जोशी,
निदेशक (अन्वेषण)
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. 2/44/60-एम-बो---महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री एच. एस. बतीशे, लेखाकार आकाशवाणी, औरंगाबाद 6-11-81 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी जलसांव के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करने हैं।

दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं. 3/128/60-एस-बो---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जवाहर सिंह प्रशासनिक अधिकारी, विदेश सेवा प्रभाग आकाशवाणी, नई दिल्ली 29-10-1981 (पूर्वाह्न) से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करने हैं।

एस. वी. शेषाद्री, उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. ए. 12024/7/80-प्रशासन-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. शरण कुमार आलोक को 20 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली के अधीन दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. ए. 35014/1/81 (सी. आर. आह.)/प्रशासन-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में श्री के. आर. आहजा, डेस्क अधिकारी को 26 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति आधार पर केन्द्रीय अनुसंधान, कसौली में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त कर दिया है।

टी. सी. जैन,
उप निदेशक प्रशासन (सं. एवं प.)

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. ए. 19011/7/79-स्टोर-1---सरकारी चिकित्सा सामग्री डिपो, मद्रास में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे उप सहायक महानिदेशक (एम. एम.) श्री सी. विटोबा, सेवा निवर्तन की आयु के हो जाने पर 31 अक्टूबर, 1981 अपराह्न में सेवा से रिटायर हो गए हैं।

शिव दयाल,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

2-366GI/81

सिंचाई मंत्रालय

महा प्रबंधक का कार्यालय
फरक्का बांध परियोजना

फरक्का, दिनांक 20 नवम्बर 1981

सं. ई./पी. एफ.-11/257/1169(6)--फरक्का बांध परियोजना, सिंचाई मंत्रालय, भारत सरकार के फरक्का बांध परियोजना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में श्री हरिण चन्द्र राय को उप प्रधानाचार्य बतैनमान 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 14-8-81 से अगले आदेश तक के लिए नियुक्त किया गया है।

आर. बी. रन्धी बेसन
महा प्रबंधक, फरक्का बांध
परियोजना; फरक्का

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं. ए. 19025/48/80-प्र. त.---इस निदेशालय के अधीन निम्नलिखित सहायक विपणन अधिकारियों (वर्ग-1) की तदर्थ नियुक्ति को 31-12-1981 तक या जब तक नियमित आधार पर भरे जाते हैं, दोनों में जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

1. श्री बाई. जे. पीटर
2. श्री टी. एस. जौनी
3. श्री एन. के. मिश्र
4. श्री पी. सत्यनारायण
5. श्री ए. के. दास
6. श्री एच. सी. वत्सल
7. श्री ए. एस. शर्मा
8. श्री ए. आर. मित्रा

सं. ए. 19023/10/81-प्र. त.---इस निदेशालय के अधीन उक्त में विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर श्री ई. एस. पालूज, की तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 29-10-81 (अपराह्न) तक बढ़ाया गया है।

सं. ए. 19023/14/81-प्र. त.---संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री वी. पी. सिंह, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन उक्त में दिनांक 30-10-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री सिंह ने राजकोट में दिनांक 29-10-81 के अपराह्न में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. ए. 19025/49/78-प्र. त.---विपणन अधिकारी के पद से प्रत्यावर्तित होने के उपरान्त श्री ई. एस. पालूज ने इस

निदेशालय के अधीन उनका में दिनांक 30-10-81 (पूर्वाह्न) से सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

बी. एल. मनहार,
निदेशक प्रशासन
कृषि विपणन सलाहकार

भारतीय वन सर्वेक्षण

बेहरादून-248001, दिनांक 20 नवम्बर 1981

सं. क्रमांक 4-4/81-प्रशासन—श्री के. के. वर जो कि भारत के नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक के कैंडर के लेखापरीक्षा अधिकारी हैं, को 17 नवम्बर, 1981 की पूर्वाह्न से भारतीय वन सर्वेक्षण, बेहरादून में इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3-11/81-प्रशासन दिनांक 24 अक्टूबर, 1981 में दर्शाई गई प्रतिनियुक्ति की शर्तों के आधार पर आगामी आदेशों तक सहायक निदेशक (लेखा) नियुक्त किया जाता है।

ए. बी. चौधरी, निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400 085, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

सं. पीए/79(11)79 आर 111—भारी पानी परियोजना, बम्बई से स्थानांतरित किये जाने पर, श्री के. आर. बालसुब्रमण्यम्, सहायक कार्मिक अधिकारी ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी का पदभार 15 अक्टूबर, 1981 पूर्वाह्न को संभाल लिया।

ए. शान्ताकुमारा मेनोन, उपस्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 22 अक्टूबर 1981

सं. वि. प्र. इ. प्र./3(262)/78-प्रशासन/16442—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा इस प्रभाग के स्थायी अवर श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न प्रवर्ण श्रेणी लिपिक श्री एच. एच. शाह को अक्टूबर 14, 1981 के पूर्वाह्न से नवम्बर 21, 1981 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री टी. एस. असवाल के स्थान पर की जा रही है जो छूट्टी पर गए हैं।

व. वि. धत्ते, प्रशासन अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 21 नवम्बर 1981

क्र. न. ए. वि. प./प्रशा/1(162)/81/एस/14873—श्री पी. राधाकृष्णन, वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस.

बी., नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, ने अपने त्यागपत्र पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के उपरान्त, दिनांक 26-10-81 के अपराह्न में परियोजना में ग्रेड एस. बी. के. पद का कार्यभार छोड़ दिया।

आर. के. वाली, प्रशासन अधिकारी-111

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 20 नवम्बर 1981

सं. क्र. भ. नि./21/1(2)/78-स्थापना/22778—क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री अश्वनी कुमार मधुसूदन परेलकर स्थायी क्रय सहायक को स्थानापन्न अस्थायी सहायक क्रय अधिकारी के पद पर रु. 650-30-740-35-810 व. रो. 35-880-40-1000 व. रो. 40-1200 के वेतन-क्रम में दिनांक 9-6-1981 (पूर्वा.) से दिनांक 16-11-81 (पूर्वा.) तक तदर्थ नियुक्त किया है।

के. पी. जोसेफ, प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिश्र

(हैदराबाद, 500 762, दिनांक 19 नवम्बर 1981)

सं. ना ई स/का प्र भ/1603/5681—नाभिकीय ईंधन समिश्र के उप मुख्य कार्यपालक (प्र) श्री एस. रामानुजम, वैज्ञानिक सहायक (सी) का नाभिकीय ईंधन समिश्र में स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रेणी (एस. बी.) के पद पर, रु. 710/- प्रति मास के प्रारंभिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-व. रोक-35-880-40-1000-व. रोक-40-1200 के वेतनमान में, अस्थाई तौर पर दिनांक 1-8-1981 से अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

जी. जी. कुलकर्णी, प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाकलम 603102, दिनांक नवम्बर, 1981

सं० एम०ए०पी०पी०/18(119)/81 भर्ती—मुख्य परियोजना अभियन्ता मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, इस परियोजना के निम्नलिखित अधिकारियों को इसी परियोजना में अस्थाई रूप से उनके नाम के आगे उल्लेखित पदक्रमों पर दिनांक 1 अगस्त 1981 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

| क्रम सं० | नाम | वर्तमान पद | नियुक्ति पद |
|-----------|---------------|----------------------|--------------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| सर्वश्री/ | | | |
| 1. | बी० रवीन्द्रन | वैज्ञानिक सहायक "सी" | वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता "एस० बी०" |
| 2. | एस० उमापति | " | " |
| 3. | जी० मेय्यपन | " | " |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|------------------|---|---|---|
| 4. डी०ए० लारेन्स | " | " | " |
| 5. श्री० राघवन | " | " | " |
| 6. एच० इब्राहिम | " | " | " |
| 7. एन० कन्नन् | " | " | " |

आर० पी० हरन,
प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक नवम्बर 1981

सं. प.ख.प्र-1/1/81-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री निदर्ष कुमार पुन्ज परमाणु खनिज प्रभाग में 30 अक्टूबर, 1981 के पूर्वान्ह से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस. बी.' नियुक्त करते हैं।

एम. एस. राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, 19 नवम्बर 1981

सं. 05012/भ. स्था. प./6230—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री कौथंडइल थोमस थोमस, स्थायी धरणी श्रेणी - निपिक, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) को, उसी कार्यालय में अस्थायी तौर पर तदर्थ प्रधार पर 14 अक्टूबर, 1981 (पूर्वा.) सं 13 नवम्बर, 1981 (अपरा.) तक के लिए श्रीमती के. पी. कल्याणी कूट्टी, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी-111 नियुक्त की गई है, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर. सी. कोटिअनकर, प्रशासन अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

इसरो : शार केन्द्र

का. और सा. प्र. प्रभाग

श्री हरिकोटा-524124, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. एस. सी. एफ./का. और सा. प्र./स्था/1.72—शार केन्द्र के निदेशक ने श्री हरिकोटा में श्री पी. आनंदकृष्णन को इंजीनियर एस. बी. के पद पर नियुक्ति करने के लिए अपनी प्रसन्नता प्रकट की है। ये तारीख 1 अक्टूबर 1981 पूर्वान्ह से स्थानापन्न क्षमता के रूप में सेवा करेंगे।

आर. गोपालरत्नम, प्रधान, का. और सा. प्र.
कृते निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं० ए० 32013/5/80-ई०ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई

तारीख से अन्य आदेश होने तक वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है :—

| क्रमसं० | नाम | सैनाती स्टेशन | पदोन्नति की तारीख |
|------------------------|-----------------------------------|---------------|-------------------|
| सर्वश्री | | | |
| 1. श्री एन०एन० नायर | . मद्रास | 19-12-80 | |
| 2. श्री के०पी०बी० मेनन | . मद्रास | 19-12-80 | |
| 3. श्री एस० सी० जोशी | . सहायक निदेशक (वि०मा०-वि०) योजना | 18-12-80 | |
| 4. श्री ए० कृष्णमूर्ति | . बम्बई | 22-12-80 | |
| 5. श्री वी० के० रंजन | . कलकत्ता | 7-12-80 | |
| 6. श्री डी०बी०के० राव | . बम्बई | 6-2-81 | |
| 7. श्री ए० एफ० टिंगा | . कलकत्ता | 30-5-81 | |
| 8. श्री० पी० के० हलदार | . रांची | 10-8-81 | |
| 9. श्री एल० के० ठाकुर | . श्रीनगर | 14-10-81 | |

दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं० ए० 32013/10/80-ई०ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों की वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 31-12-81 तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इसमें से जो भी पहले हों, जारी रखने की मंजूरी दी है :—

| क्रम सं० | नाम | स्टेशन |
|----------------------|---------------------------|--------|
| 1 | | 2 |
| सर्वश्री :— | | |
| 1. एस० माहालिंगम | . मद्रास | |
| 2. एम० एन० के० मेनन | . मद्रास | |
| 3. ए० सी० जान | . कलकत्ता | |
| 4. आर० कृष्णामूर्ति | . कुम्भीग्राम | |
| 5. एम० ए० पाल | . नागपुर | |
| 6. श्री० पी० द्वीगरा | . बंगलूर | |
| 7. एस० पी० खोसला | . सहायक निदेशक (मुख्यालय) | |
| 8. के० एस० प्रसाद | . कलकत्ता | |
| 9. एन० डी० घोष | . कलकत्ता | |
| 10. रवि तनरा | . दिल्ली | |
| 11. सी० आर० राव | . भुवनेश्वर | |
| 12. आर० एस० भागवत | . कलकत्ता | |

| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
|------------------------|---|---|-----------------------|--|---|
| 13. कुन्दन लाल | औरंगाबाद | | 23. एस० के० बनर्जी | वाराणसी | |
| 14. के० सी० मिश्रा | नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद | | 24. आर० कोदंडरमन | त्रिची | |
| 15. जे० बी० के० नायर | बम्बई | | 25. के० के० सक्सेना | दिल्ली | |
| 16. डी० डी० सरदाना | दिल्ली | | 26. ए० एम० थॉमस | बम्बई | |
| 17. के० एन० वेंकटचलैया | बम्बई | | 27. एस० ए० राम | इम्फाल | |
| 18. एस० सी० शेखरी | दिल्ली | | 28. डी० सी० खरब | सहायक निदेशक, वैमानिक सूचना सेवा (मुख्यालय) | |
| 19. डी० रामानुजम् | मद्रास | | 29. के० बी० के० खन्ना | भोपाल | |
| 20. ए० टी० वरगीस | कोयम्बटूर | | 30. डी० एन० धवन | बम्बई | |
| 21. के० बी० एस० राव | हैदराबाद | | | | |
| 22. एन० पी० शर्मा | बम्बई | | | | |

सुधाकर गुप्ता,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं० ए० 32014/1/81-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने वी गई तारीख से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

| क्र० सं० | नाम | वर्तमान तैनाती स्टेशन | जिस स्टेशन पर तैनात किया गया | कार्यभार संभालने की तारीख |
|----------------|----------------------|--|--|---------------------------|
| सर्वेधी | | | | |
| 1. | के० गणपति | वै० सं० स्टेशन, मद्रास | वै० सं० स्टेशन, मद्रास | 1-10-81 (पूर्वाह्न) |
| 2. | एस० गोपालन | वै० सं० स्टेशन, मद्रास | वै० सं० स्टेशन, मद्रास | 1-10-81 (पूर्वाह्न) |
| 3. | जे० सी० डी० सिलभा | वै० सं० स्टेशन, मद्रास | वै० सं० स्टेशन, मद्रास | 2-10-81 (पूर्वाह्न) |
| 4. | टी० एस० कृष्णामूर्ति | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | 30-9-81 (पूर्वाह्न) |
| 5. | एस० एम० कुलकर्णी | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | 30-9-81 (पूर्वाह्न) |
| 6. | जे० आर० वेशमुख | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | 30-9-81 (पूर्वाह्न) |
| 7. | आर० के० मदान | वै० सं० स्टेशन, नागपुर | वै० सं० स्टेशन, नागपुर | 30-9-81 (पूर्वाह्न) |
| 8. | एम० एल० वर्मा | वै० सं० स्टेशन, सफदरजंग | वै० सं० स्टेशन, सफदरजंग | 30-9-81 (पूर्वाह्न) |
| 9. | रनजीत सिंह | वै० सं० स्टेशन सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली | वै० सं० स्टेशन सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली | 30-9-81 (पूर्वाह्न) |
| 10. | एस० वरदाराजूलू | वै० सं० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली | वै० सं० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली | 30-9-81 (पूर्वाह्न) |

सं० ए० 38013/1/81-ई० सी०—निदेशक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय के श्री विक्टर चन्द्रन, सहायक संचार अधिकारी व निधर्तन आयु

प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-9-81 (अपरान्ह) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं० ए० 32014/1/81-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तीन संचार सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने वी गई तारीख से और दिए गए स्टेशन पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है :—

| क्र० सं० | नाम | वर्तमान तैनाती स्टेशन | नया तैनाती स्टेशन | कार्य ग्रहण करने की तारीख |
|----------------|------------------|------------------------|--------------------------|---------------------------|
| सर्वेधी | | | | |
| 1. | ए० पेरिया स्वामी | वै० सं० स्टेशन, बंगलौर | वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद | 16-10-81 (पूर्वाह्न) |
| 2. | यू० पी० विश्वनाथ | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | वै० सं० स्टेशन, बम्बई | 30-9-81 (पूर्वाह्न) |
| 3. | के० एस० मूर्ति | वै० सं० स्टेशन, नागपुर | वै० सं० स्टेशन, नागपुर | 30-9-81 (पूर्वाह्न) |

सं० ए० 32014/5/80-ई०सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को, जो इस समय सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर तथार्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर दिनांक 1-10-81 से नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हीं स्टेशनों पर तैनात किया है :—

| क्रम सं० | नाम | तैनाती स्टेशन |
|-----------------------|------------------------------|---------------|
| 1 | | 2 |
| सर्व श्री | | |
| 1. श्री० के० मुखर्जी | वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी | |
| 2. के० बी० रामचन्द्रन | वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर | |
| 3. जोगिन्दर सिंह मान | वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ | |

| 1 | 2 |
|--------------------------|---------------------------------|
| 4. पी० एस० दलवी | वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई |
| 5. सुरिन्दरजीत सिंह कांग | वैमानिक संचार स्टेशन, पालम |
| 6. टी० के० दास गुप्ता | वैमानिक संचार स्टेशन, अग्रतला |
| 7. के० के० इचूपनानी | वैमानिक संचार स्टेशन, अग्रतला |
| 8. जे० एस० सहगल | वैमानिक संचार स्टेशन, पालम |
| 9. एस० के० विश्वास | वैमानिक संचार स्टेशन, मोहनबाड़ी |

सं० ए० 38015/13/81-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के श्री के० एस० गोपालन, संचार अधिकारी को मूल नियम 56(क) के उपबन्धों के अधीन 30-9-81 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की है।

दिनांक, 21 नवम्बर 1981

सं० ए० 32014/4/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और दिए गए स्टेशन पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है :—

| क्र० सं० | नाम | वर्तमान तैनाती स्टेशन | नया तैनाती स्टेशन | कार्य ग्रहण करने की तारीख |
|--------------------------|-----|-------------------------------|------------------------------|---------------------------|
| सर्वश्री | | | | |
| 1. आर० एस० नागर | | वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली | वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली | 12-10-81 (पूर्वाह्न) |
| 2. जे० डी० विकटर, जयसिंह | | वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास | 29-10-81 (पूर्वाह्न) |

सं० ए० 38013/1/81-ई०सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन से निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31-10-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

| क्रम सं० | नाम और पदनाम | तैनाती स्टेशन |
|---|--------------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. श्री एम० राघवन, संचार अधिकारी | | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास |
| 2. श्री जगदीश सिंह, सहायक संचार अधिकारी | | वैमानिक संचार स्टेशन, सफवरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली |

प्रेम चन्द्र,
सहायक निदेशक प्रशा०

वन अनुसंधान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं० 16/374/81-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, महाराष्ट्र वन विभाग के रजि आफिसर श्री एन० बी० कलकर्णी को दिनांक 14 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक केन्द्रीय वन राजिक महाविद्यालय, चन्द्रपुर में प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर सहर्ष सहायक शिक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं० 16/1/65-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, ने श्री भारत सिंह बिष्ट, अनुसंधान सहायक, प्रथम वर्ग (वरण ग्रेड) वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय को दिनांक 28 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उसी संस्थान में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी (तदर्थ) नियुक्त करते हैं।

रजत कुमार
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

कार्यालय समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क

पटना, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं० 11(7) 2 स्था०/79/11669—संघ लोक सेवा आयोग के अनुशंसा पर इस कार्यालय के पत्र संख्या 11(3)-119-स्था/79/4377-79 दिनांक 9-7-80, 11(3) 119-स्था०/79/6771, दिनांक 27-9-80 एवं 11(3) 119-स्था०/79/8037, दिनांक 31-10-80 के द्वारा निम्नलिखित उम्मीदवारों को वेतनमान रु० 650-30-740-35-810 द०रो०-35-880-40-1000 द०-रो०-40-1200/पर अधो-क्षक, समूह (ख) (एक्सपर्ट) के अस्थायी पद पर नियुक्ति की गई थी, जो अपने नाम के सामने दिखाये गये स्थान पर तिथि और समयानुसार अधीक्षक समूह 'ख' (एक्सपर्ट), केन्द्रीय उत्पाद के पद पर कार्यभार ग्रहण किये :—

| क्रम सं० | नाम | पदस्थापना का स्थान | पदग्रहण करने की तिथि |
|--|---------------------------------|-------------------------------------|----------------------|
| 1 | 2 | 3 | |
| सर्वश्री | | | |
| 1. | डी० के० सिन्हा | केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल जमशेदपुर । | 23-7-80 (अपराह्न) |
| 2. | स्वतंत्र कुमार | केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल, गया । | 5-3-80 (पूर्वाह्न) |
| 3. | कमलेश प्रसाद मिश्रा | केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल, पटना | 18-7-80 (पूर्वाह्न) |
| 4. | सुरेन्द्र कुमार माधव राव सोनुने | केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल, रांची | 15-10-80 (पूर्वाह्न) |
| 5. | सी० बी० सुब्रामन्यम | केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल जमशेदपुर | 5-11-80 (पूर्वाह्न) |
| कृ० कु० श्रीवास्तव सहायक समाहर्ता (मुख्यालय) | | | |

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

मदुरई, दिनांक 5 नवम्बर 1981

सं० 3/81—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित का लिय अधीक्षकों की नियुक्ति अगले आवेश होने तक रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द०रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी (ग्रुप 'बी') के रूप में की गई है । प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया गया

स्थान एवं तारीख उनके नाम के सामने दिये गये अनुसार है ।

| क्रम सं० | अधिकारी का नाम | नियुक्त स्थान | कार्यभार ग्रहण की गई तारीख |
|--------------|----------------|------------------|----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| सर्व श्री :— | | | |
| 1. | के० नंबिराज | मदुरई प्रभाग-1. | 23-9-81 |
| 2. | एम० राजारामन | मुख्यालय, मदुरई, | 24-4-81 |

सं. 4/81—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों की नियुक्ति अगले आवेश होने तक 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से अधीक्षक ग्रुप 'बी' के रूप में की गई है। अधीक्षकों के रूप में कार्यभार ग्रहण किये गये स्थान एवं तारीख उनके नाम के सामने दिये गये अनुसार है।

| क्रम सं. | अधिकारी का नाम | नियुक्त स्थान | कार्यभार ग्रहण की गई तारीख |
|----------|----------------------|-------------------------------|----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| सर्वश्री | | | |
| 1. | के. के. वेंकटाचलपति, | मुख्यालय, मदुरई— | 30-1-81 |
| 2. | एम. सी. आरवेयसामी, | शंकरनकोइल रेंज— | 22-1-81 |
| 3. | एम. कास्तान, | अरियलूर रेंज— | 20-1-81 |
| 4. | एस. पोन्नसामी, | निवारक बल, मदुरई प्रभाग II— | 21-1-81 |
| 5. | के. कल्याण, | मुख्यालय, मदुरई— | 19-1-81 |
| 6. | एस. शम्भुगम, | टूटिकोरिन रेंज— | 4-2-81 |
| 7. | के. रंगसामी, | रामनाथपुरम— | 27-1-81 (अप.) |
| 8. | डी. बालसुंदरम, | शिवकाशी रेंज II— | 6-3-81 |
| 9. | जी. गुरुसामी, | तिरुचेंदूर रेंज— | 16-3-81 |
| 10. | वी. गोपालन, | तिरुल्लंगल रेंज I— | 26-3-81 |
| 11. | के. एम. पांडियन, | मुख्यालय, मदुरई— | 11-2-81 |
| 12. | आर. विक्टर धर्मराज, | सीमा शुल्क सर्किल, रामेश्वरम— | 29-7-81 |
| 13. | एस. महालिंगम, | सीमा शुल्क सर्किल, रामेश्वरम— | 29-7-81 |
| 14. | एस. जे. फ्रांकलिन, | मुख्यालय, मदुरई— | 20-7-81 |
| 15. | ए. हसन बेग, | दिंडीगल— | 29-7-81 |
| 16. | आर. रामसामी, | रामनाथपुरम— | 27-7-81 (अप.) |
| 17. | एस. पिरमनायगम, | सी. श. निवारक, टूटिकोरिन— | 30-7-81 |
| 18. | आर. अलगियसिंगम, | एट्टयपुरम रेंज— | 30-7-81 |
| 19. | पि. चेल्लसामी, | मुख्यालय, मदुरई— | 20-7-81 (अप.) |
| 20. | पि. एस. मन्नारसामी, | तेनी रेंज— | 30-7-81 |
| 21. | आर. नरसिंहन II, | रामनाथपुरम— | 12-10-81 |

आर. जयरामन
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं. 2-एस. एच. (1)/81—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर नौवहन महानिदेशक श्री तारसेम कुमार की तारीख 31 मार्च, 1981 (पूर्वदिन) से अगले आदेशों तक, अस्थायी तौर पर, जल परिवहन विभाग, मद्रास में डेक यान्त्री कल्याण अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस. एम. ओचाणी
नौवहन वरिष्ठ उप महानिदेशक

बम्बई-400038, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. 25-ए डी एम एन (1)/81—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एम. वी. ओसामनी को तारीख 12 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) से अगले आदेश तक, अस्थायी तौर पर, नौवहन महानिदेशालय, बम्बई में नौवहन सहायक महानिदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

स. क. माधुर
नौवहन उपमहानिदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी ला बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आर. एल. ओबोराय एण्ड कं.
लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

सं. 2881—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आर. एल. ओबोराय एण्ड कं., प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ह. अपठनय
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और केईरा इनवेस्टमेंट प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. 560/2181—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर केईरा इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और असेस धनाद जेनीकीट प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. 560/2085—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि, मेमर्स धनाद जेनीकीट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

व्ही. वाय. राने
सहायक प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हरियाणा प्लास्टिक्स लिमिटेड
के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. एच-7023—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हरियाणा प्लास्टिक्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी. वी. सक्सेना
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा।

• कम्पनी अधिनियम, 1956 और क्विक कैरियर्स प्रा. लि. के
विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. 1454 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर क्विक कैरियर्स प्रा. लि. का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आन्ध्र ला टाइम्स प्रा. लि.
के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. 533/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्र ला टाइम्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री लक्ष्मी गणेश जगन्नाथ फैक्ट्री (खंडसारी) प्रा. लि. के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. 846/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री लक्ष्मी गणेश जगन्नाथ फैक्ट्री (खंडसारी) प्राइवेट लिमिटेड का नाम अम्ब-रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वि. एस. राजू,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और "अरविन्द साल्फेक्स प्राइवेट लिमिटेड" के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 20 नवम्बर 1981

सं. 127/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर "अरविन्द साल्फेक्स प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी. कोटेश्वर राव
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पांडिचेरी

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7546--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2005 है एवं जो बाजार लाल कंआ में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि भयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

3-366GI/81

1. श्री बिलावर सिंह शुपुत्र श्री काशमीर चन्द, निवासी-
922, स्ट्रीट चाह, श्रोन फ्रांस खाना, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती पदमा कपूर, पत्नी नरिन्दर नाथ, निवासी
सी-1, दाया नन्द कालोनी, लाजपत नगर, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

से.नं. 2005, बाजार लाल कंआ, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सडुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, "एच" ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4352—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो टीकरी कलां दिल्ली में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च 1981

को प्रयोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मांहर कौर पत्नी धरमा, ग्राम-टीकरी कलां
दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

2. मैं. हुकम सिंह एण्ड क. ग्राम-टीकरी कलां
दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।
उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-टीकरी कलां दिल्ली क्षेत्रफल-48 बिघे और
11 बिघे,

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

'अर्जन रंज', 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4374--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

जिसका सं. 19, ब्लॉक नं. 60 है एवं जो अशोक नगर तीहार्-2
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य प्राप्तिवर्गों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री चुनीलाल सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी-60/
19, तीहार्-2 अशोक नगर, नई दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

2. श्रीमती जगजीत कौर अरोड़ा पत्नी श्री दलजीत सिंह
निवासी-ईए-117/2, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 19, ब्लॉक नं. 60, स्थापित अशोक नगर, ग्राम-
तिहार्-2, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4362--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और
जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो ग्राम पीयारा गढ़ी में स्थित
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च, 1981 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पाँच प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अधित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री महेश्वर कुमार जैन सुपुत्र श्री सोहन लाल जैन,
निवासी-1-73, किर्ती नगर, दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

2. मैं तेज प्लास्टिक्स, ई-16/668-69, बापानगर,
टंक रोड, दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 375, वर्ग गज, लाल डोरा, ग्राम-पीयारा गढ़ी;
खसरा नं. 487, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
मोहर :

प्रमुख आर्. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 निं. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/7542—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी सं. 3664-65/3903 है एवं जो सरदा नन्द मार्ग में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च 1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीलावती निवासी-2113, मस्जीद-खजूर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री महावीर प्रसाद जैन, एण्ड बुदर्श, निवासी-40/
6, न्यू राहुतक रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 3664-65/3903, गली शातारा, सरदानन्द मार्ग,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7596--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और
जिसकी सं. 95 है एवं जो ग्राम धीर पुर निरंकारी कालोनी में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पड़ा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विमला कोहली, पत्नी श्री गुरवयाल सिंह
कोहली निवासी-95, निरंकारी कालोनी, दिल्ली।
(अन्तरक)

1. श्री पवन कुमार गुप्ता, श्री तिलक राम गुप्ता 156,
गुजरानवाला टाउन, पार्ट-1, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 95, एरीया 416, वर्ग गञ, ग्राम-धीरपुर निरंकारी
कालोनी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-भार-2/3-81/4350—ब्लॉक में, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं. कृषि भूमि है एवं जो मसूदा बाद नजफगढ़ में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात्त :—

1. श्री राजीन्द्र सिंह और श्रीमती सतवन्त कौर बी-4/8, बसंत विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल गम्भीर, और श्री सुभास गम्भीर, 88-ए, (एम.आई.जी.) डीडीए फ्लैट, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बीघे और 16 बिघे, ससरा नं. 96, भनि (3-16), और 97 मीन (1-0, मसूदानाद, नजफगढ़, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एम्-आर-1/3-81/7637—चूकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं. म्युनिसीपल नं. 287, वाड नं. 8 है एवं जो अजमेरी गेट दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी की दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कक्षित नहीं किया गया है।—

- (6) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुवर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जेतीन्दर कुमार गुप्ता सुपुत्र एल. डा. विलायती राम गुप्ता, निवासी-53, पंचकुइयां रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विष्णु कुमार भगवान सरूप सुपुत्र फूल शंभू अग्रवाल निवासी-2667, बारादरी, बानीमारा, दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसीपल नं. 287 वाड नं. 8, अजमेरी गेट, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरप्रस्टेड
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्यूजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7636—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी सं. डी-50 है एवं जो बाली नगर कालोनी, दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

मोहर :

4-366G/81

1. कुमारी राजकुमारी पुत्री श्री सैम दास, निवासी-474, गली बाहर वाली, दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एस. के. गुप्ता सुपुत्र एल. जुगल किशोर, 12/4, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषितधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. डी-50, बाली नगर कालोनी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संवर्ध 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7632—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी सं. 13/721 से 723 (पुराना) है एवं जो 1995 से 1997 (नई) शिवाजी रोड, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सन्त चोत एण्ड ट्रेडिंग प्रा. लि. रजि. ऑफिस 880
इस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार सुबुत्र एल. काशी राम, डी-1, डी.
एम. मल्का गंज, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रो. नं. 13/721 से 723 (पुरानी) और 1995 से 1997 (नई) शिवाजी रोड, शीश महल, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर1/3-
81/7622--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

जिसकी संख्या 9/19 है एवं जो साउथ पटेल नगर, नई
दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने
प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी
गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राम धारी मल सपुत्र शिव चन्द राय, निवासी
183, डी. डी. ए. फ्लैट, रणजीत नगर, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जे. सी. बंशल सपुत्र हरदेव सहाय एण्ड
अदर्स, निवासी 183, डी. डी. ए. फ्लैट,
रणजीत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 8/19, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीक्यूशन-2/एस-आर-2/3-81/7602--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी संख्या 4633, 19-ए, दरिया गंज है एवं जो दरिया गंज अंसारी रोड, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै. एस. चन्द एण्ड कं., राम नगर, नई दिल्ली
आइरेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री श्याम लाल गुप्ता, निवासी 16-बी/4, असम अली रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश कुमार बत्रा सुपुत्र श्री दिवान चन्द बत्रा निवासी इ-487, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-49।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 4633, 19-ए, दरिया गंज, अंसारी रोड, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

सील :

प्रकृष घाई. टी. इन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. सं. आ. आ./एव-बीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/7601---चूकि मैं, विमल वशिष्ठ,

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 19-ए है एवं जो अंसारी रोड, दरिया गंज दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मै. एस. चन्द एण्ड कं. लि., डाइरेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री श्याम लाल गुप्ता राम नगर, नई दिल्ली। (हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री शिव दयाल अग्रवाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री मोहन लाल, निवासी 4-सी, अंसारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली। (हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम मंजिल 647 वर्ग गज, का बिल्डिंग म्युनिसीपल नं. 4633, खसरा नं. 63, स्थापित 19-ए, अंसारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
सील :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्व्प्रस्थस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/7585---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या शाप नं. 76 है एवं जो इन्द्रा मार्केट, एस/मंडी, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वृद्धि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री राम प्रकाश खना, सुपुत्र श्री राम भोज मल निवासी 19/5, मोती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री महेंद्र कुमार सुपुत्र श्री रती लाल पटेल, शशि कांत, सुरेश भाई, इन्द्रा वदनभाई, नवनीत भाई, विपिन चन्द्र, सुपुत्र श्री छागन लाल पटेल, निवासी 30, नन्द किशोर बिल्डींग, मेन बाजार, एस/मंडी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं. 76, इन्द्रा मार्केट, एस/मंडी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

सोहर :

प्रकरण आई० टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजिशन-2/एस-आर-2/3-81/7562---चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 2202, इलाका नं. 8 है एवं जो बाजार सीता राम दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी सत्य वती सुप्री पं. राज जय नारायण, पत्नी स्वर्गीय श्री हजारी शेर सिंह, निवासी 2208/13, पाट नं. 2, बाजार सीताराम, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पत्र श्री कांती प्रसाद, निवासी 2191, कुचा अकिल खां बाजार सीता राम, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अग्रिम या उत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अग्रिम बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रो. नं. 2202, इलाका नं. 8, बाजार सीताराम, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
सील

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्व्प्रस्थस्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संवेर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/7487—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 5413 है एवं जो नंबरो, कसाबपुरा रोड, सदर बाजार में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है ओ पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री चूनी लाल सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी 7050, गली मसजीद बानी, बूरेवाला बाग, पुल बंगस दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा रानी पत्नी श्री राममोहन, निवासी 2-सी, रामनगर, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 5413, कसाबपुरा रोड, सदर बाजार, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन-2/एस-आर1/3-
81/7477---यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन नक़्क़ा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

जिसकी संख्या प्लॉट नं. 43, ब्लॉक 'इ' है एवं जो मानसरोवर
गाडन, बसई दारापुर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने
प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी
गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तिओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

5-366GI/81

(1) श्रीमती इन्दिरा अरोड़ा पत्नी श्री चमन लाल अरोड़ा
द्वारा जेनरल अटानी श्री बाई. पी. एन. एल-4,
कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्दर पाल सिंह सपूत एस. गुरचरन सिंह,
निवासी जे-5/165, राजौरी गार्डन, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 43, ब्लॉक 'इ' एरिया 300 वर्ग गज, मान-
सरोवर गाडन, बसई दारापुर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4357---चूंकि मुझे, विमल वशिष्ठ,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैजिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम बपराँला, दिल्ली
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय
में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई हैको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—(1) श्री गोरधारी सुपूत्र श्री हाथी, ग्राम बपराँला,
दिल्ली, जेनरल अटर्नी श्री थकरीया सुपूत्र
श्री निहाल, निवासी बपराँला, दिल्ली।

हस्तांतरणकर्ता

(2) श्री राजीन्दर सिंह सुपूत्र श्री रीजल सिंह, निवासी
बपराँला, दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 27 बिघे और 8 बिघे, ग्राम बपराँला, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्लीतारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन्. एल्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4355---यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैजिसकी संख्या 6/1, खसरा नं. 34/12-1 है एवं जो शामपूर
ब्लॉक-ए, पार्ट-1 में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने
प्रकट प्रतिफल (अपारट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी
गई हैको पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-(1) श्री राम जी दास सपुत्र श्री टहेल सिंह भट्टानी,
मदन लाल सपुत्र श्री चमन लाल, निवासी 1465,
पारा मोहला इलाका नं. 3, रोहतक (हरियाणा)।
(अन्तरक)(2) श्रीमती विद्यावती पत्नी श्री छोटे लाल, श्रीमती
सोभा जैन, पत्नी श्री मोहन लाल, निवासी 123,
विरनगर, जैन कालोनी, जी. टी. रोड, विल्ली
करनाल, दिल्ली।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 6/1, ब्लॉक-1, पार्ट-1, खसरा नं. 34/12-
19, ग्राम शामपूर, विल्ली।विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्लीदिनांक : 6-11-1981
मोहर :-

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4347—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या खसरा नं. 326, 10 विषवा है एवं जो ग्राम साहिबाबाद, दौलतपुर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के भिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्मे भवन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिलेल सिंह सुपूत्र श्री हीरा सिंह निवासी ग्राम और पो. साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री अशिश गुप्ता बेंनिफिट ट्रस्ट, 950 कून्ना पासी राम, बाजार सीता राम दिल्ली
ट्रस्टी श्री राम गोपाल गुप्ता ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 10 विषवा, भाग खसरा नं. 326, ग्राम-साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981
माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4345—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो साहिबाबाद दौलतपुर, में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वीलेल सिंह पुत्र श्री हिरा सिंह निवासी ग्राम
पो. साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री कपील खन्डेलवाल बैनीफिट ट्रस्ट, 950 कृष्ण
पाती राम बाजार सीता राम, दिल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के कार्य-
वाहिमा करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 विश्वे, खसरा नं. 326, ग्राम-साहिबाबाद,
दौलत, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

माहुर ३

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संख्या 3 नि. स. आ. आ./एकजीजीशन-2/एस-आर-1 3-
81/7629—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी संख्या 7786 है, एवं जो बाराहिन्दू राव में स्थित
है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वाँ) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी की दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक
मार्च 81

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, ऐसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री अमरनाथ खेमका सुपुत्र स्वर्गीय श्री आत्मा राम
खेमका, निवासी-4428, गणेश बाजार, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमला जैन पत्नी श्री भागवत प्रसाद जैन,
निवासी-गली जैन मंदिर, पहारी धीरज, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो मंजीली मकान पार्स 7786, प्राइवेट नं. 43, 44, 46,
47, 48 जी. एफ. 1-ए, 2-ए, 4-ए, 5-ए, 6-ए, एफ.
एफ., स्थापित-बमलेयान रोड, बाराहिन्दू राव, वार्ड नं. 14,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/4316--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 8, रोड नं. 68 है, एवं जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्रीमती पुष्प लता हुन्डा विधवा पत्नी श्री सोम नाथ हुन्डा निवासी-258, जोशी रोड, कंगल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री नव निहाल सिंह साहनी सुपुत्र एस. अवतार सिंह साहनी निवासी-ए-88, विशाल-इनक्लेव, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 8, रोड नं. 68, एरिया 279.55 वर्ग गज पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/4319--चौक में, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डब्ल्यू-जेड-603, प्लॉट नं. 21 है, एवं जो
खसरा नं. 602, ग्राम-तीहार, में स्थित है, जिसका अधिक
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण
अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री सीरी राम, सुपुत्र लाला मोहन मल निवासी-20
बी/91-बी, तिलक नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरकों)

(2) श्रीमती मुरजीत कौर लम्बा, पत्नी एल. अमृत सिंह
लम्बा, क-36, फतेह नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डब्ल्यू-जेड-603, प्लॉट नं. 21, खसरा नं. 602, स्थापित
फतेह नगर, ग्राम-तीहार, नई दिल्ली, 150 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट

अर्जन रज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एम-आर-2/
3-81/3-81/4328---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और ज़मकी संख्या 41/41 है, एवं जो पंजाबी बाग, में स्थित
है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक
मार्च 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

(1) मैं नानकसर आश्रम, सीयाहर, जिला-लुधियाना,
(पंजाब), द्वारा ट्रस्टी श्री हरनेक सिंह सूप्य श्री
सौदागर सिंह

(अन्तरक)

(2) मैं ओ. पी. जीन्दल चंरीटबल ट्रस्ट हिसार (हरी-
याणा)- रतन कुमार जीन्दल मण्डू श्री ओ. पी.
जीन्दल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 41/41, पंजाबी बाग, दिल्ली ग्राम-सादीपुर,
2222-22 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों कीर्तित है:—

6-366GI/81

तारीख : 18-11-1981
सीहर

प्रारूप धारा 43-टी-एन-एस-—

आयकर अधिनियम 1961 (1961) का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीक्यूशन-2/एम-आर-1/3-81/7532—चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्होंने उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रयोग में अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सारा सम्पत्ति विवहा उद्दिष्ट बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 2238 है, एवं जो शोरा कोठी, एम/मंडी, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वाँ) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (प्रत्यक्ष) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थितियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती विद्या वन्ती विधवा पत्नी मूलख राज 2238 शोरा कोठी, एम/मंडी, दिल्ली (अन्तरक)
(2) श्रीमती राज बाला चमनलाल गुप्ता और अदर्श 29/3, शक्ति नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 2238, शोरा कोठी, एम/मंडी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीक्यूशन-2/एस-आर-13-
81/7499—चूंकि मैं, विमल वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2662 वाड-6 है, एवं जो बारादरीशेर
अफखान, बलीमारन, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

(अपरेट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है जो
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंजूर इलाही सूपुत्र एल. शंख मंहर इलाही हकीम
जहान पत्नी मंजूर इलाही, निवासी 2446, बारादरी
बलीमारन, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार जैन सूपुत्र जगदीश प्रसाद जैन,
निवासी 1734, नई दस्ती नया बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्रा. नं. 2662, वाड नं. 6, बारादरीशेर अफखान खान,
बलीमारन, दिल्ली।

विमल वाशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-11-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन्. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ 3। नं. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7489--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 105 है, एवं जो बनारसी दास स्टेट तिमार पुर, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981

(अपार्ट कम्मीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है जो कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुशिल कुमारी बागा, पत्नी श्री सीताराम बागा, निवासी-105, बनारसी दास इस्टेट, तिमार पुर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला वर्मा विधवा पत्नी श्री सतदेव वर्मा, निवासी-105, बनारसी दास इस्टेट, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 105, बनारसी दास इस्टेट तिमार पुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-11-1981

सील :

प्रारूप आई. टी. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजिशन-2/एस-आर-2/
3-81/4287---चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संस्था कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-मौजा मिरजापुर,
पालम, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16वाँ) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक मार्च 81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री हाशियार सिंह सुपुत्र भरतु निवामी-पालम, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै. जी. एम. बिल्डर्स एण्ड एसोसिएट्स, सी-50,
एन. डी. एम. इ.-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि किला नं. 19 और 22, ग्राम-मौजा मिरजापुर,
पालम, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-11-1981
मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7525—चूकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एच-51 है, एवं जो नवर्न सीटी स्कीम, रूप
नगर, दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली
कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उबारने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अवस्थितियों, निम्नलिखित अर्थात:—

(1) श्रीमती सुमन सैहगल पत्नी को. एन. सैहगल एण्ड
आदर्श, निवासी-23-ए, रिंग रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला खन्ना पत्नी मदन लाल खन्ना, निवासी
4/53, रूप नगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाठ्य:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अव्यहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 51, नवर्न सीटी स्कीम, रूप नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एम-आर-1/3-
81/7480—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी संख्या आई-30-ए है, एवं जो किर्ती नगर, में
स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंगलन अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक
मार्च 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रसारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
रहो करी या उसने बचो में मुविधा के लिए;
घोर/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने
में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) श्रीमती कमलावन्ती पत्नी रोशन लाल रावल निवासी-
1-30ए, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै. इन्डिया ऑवरसीज एक्सपोर्ट्स, 19 अमृत कौर
मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1-30ए, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एम-आर-1/3-81/7520—यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 19 है, एवं जो ग्रीन हाउस, रोशनारा, एक्स. स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण मेलन अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81 को इतने प्रकट प्रतिफल (आपर्ट इन्सीडेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती सुरदा जी. अरनेजा, पत्नी एल. गोविन्द राम, एच-21, महारानी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती देवी, पत्नी सत्य नारायण, एण्ड अदर्स, 19/4, शक्ति नगर, ग्रीन हाउस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 4, ब्लॉक नं. 19, ग्रीन हाउस, रोशनारा एक्स, स्कीम, एम/मंडी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीक्यूशन-2/एम-आर-1/3-
81/7502—यतः, मुक्त, विमल वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 27 रोड-10 है, एवं जो पंजाबी
बाग, नई दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण
मंलग्न अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81
को हस्तान्तरण प्रकट प्रतिफल (अपारेंट इन्वीडेशन) पर हस्तान्तरित कर
दी गई है

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अग्रगण्य की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करने के अन्तरक के बाविर में कमी
करने या उससे बचने में बुद्धि का प्रयोग और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बुद्धि का
प्रयोग;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—
7-366GI/81

(1) श्रीमती गुरुबचन और छाबड़ा पत्नी बी. एस.
छाबड़ा, निवासी-ए-48-ए./1, नागयणा विहार,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कपूर चन्द गर्ग सुपुत्र एल. श्री शम्भू दयाल गर्ग,
निवासी-15/26, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 27, रोड नं. 10, पंजाबी बाग, ग्राम-बसई
द्वारा पुर, नई दिल्ली।

विमल वाशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ/एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-81/4304--यनः, मूँ, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, एवं जो ग्राम-सिंघौला में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंलग्न अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81 को इतने प्रकट प्रतिफल (अणरेंट कन्सी-अरेशन पर हस्तारित कर दी गई है जो

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मांस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

(1) श्री राम चन्दर सुपुत्र अबेंय राम एण्ड अदर्स, निवासी-ग्राम-सिंघौला, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरबचन सिंह सुपुत्र मेहर सिंह, निवासी-डी-90, अशोक विहार फस-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-सिंघौला, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एम-आर-1/3-81/7631--यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 7786 है, एवं जो चमेलीयन रोड, बारा हिन्दू राव में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च 81, को इतने प्रकट प्रतिफल (अपानेट कन्सीडरेशन पर हस्तान्तरण कर दी गई है

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री अमर नाथ खेमका सुपुत्र श्री आत्माराम खेमका, 4428, गनेश बाजार, कलाथ मार्केट, फतेहपुरी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्त लाल सुपुत्र बीशम्बर दयाल गुप्ता, निवासी 8756, मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं. 7786, चमेलीयन रोड, बाराहिन्दू राव, वार्ड नं. 14, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीक्यूशन-2/एस-आर-1/
3-81/1789—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 2813, है एवं जो वाड-6, गली पीपल महा-
देव, हाँज काजी, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधिन, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 296-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती लता रानी, पत्नी शशि कुमार सिंह
निवासी-2813, पीपल महादेव हाँज काजी,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला सक्सेना, पत्नी निरंजन स्वरूप
सक्सेना, निवासी-2813, पीपल महादेव, हाँज
काजी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा
गया है।

अनुसूची

नं. 2813, वाड नं. 6, गली पीपल महादेव, हाँज काजी,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, नई दिल्ली।

तारीख : 6-11-81
माहुर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी दया राम गुप्ता सी-6/20, राणा प्रताप बाग, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री ओ. पी. दत्ता सुपुत्र गौबिन्द सहाय वता एण्ड अदर्स मकान नं. 18, रोड नं. 13, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके प्राप्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंशादित करता है।

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1981

उक्त प्राप्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7598—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी संख्या सी-6/20, है एवं जो राणा प्रताप बाग, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधिन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय से दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमी आर हो वाचन, उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

महसूची

मकान नं. सी-6/20, राणा प्रताप बाग, दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7576—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एच-55, है एवं जो राजांरी गाडन, बसह
दारापर में स्थित अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरजीत सिंह कलसी सुपुत्र बीर सिंह कलसी,
निवासी-सी-जे-6/147, राजांरी गाडन, नई
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जीतरंजन कथुरीया सुपुत्र एस. पी. कथुरीया,
निवासी एच-55, राजांरी गाडन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. एच-55, राजांरी गाडन, ग्राम-बसह दारापर,
दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जीप्पी लाल जैन मकान नं. 142, फेस-1, अशोक विहार, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुभाष चन्द जैन एण्ड अवर्स निवासी-4614, पटौरी पीरज दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, 'एच' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. सं. आ. आ./एक्वीजिशन-2/एस-आर-1/3-81/7482—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 127 है एवं जो ब्लोक 'सी' विर नगर, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 127, ब्लोक 'सी'-विर नगर, दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

सिल :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती देवेका रानी पत्नी श्री ओ. पी. वर्मा निवासी-
121 पुरानी गुप्ता कालोनी, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना(2) श्री सी. एस. पनवार सुपुत्र रघुबीर सिंह निवासी-
इ-6, सी. सी. कालोनी, दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

मंदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7569--चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 121 है एवं जो पुरानी गुप्ता कालोनी में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 121, पुरानी गुप्ता कालोनी, दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7488--चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5671 है एवं जो चन्द्रावल एस/मंडी, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

के लिए;

(1) श्री तेज भान सुपुत्र राम, पंजाब बस्ती एस, मंडी, दिल्ली

(अन्तरक,

(2) श्रीमती रानी बजाज पत्नी सतपाल बजाज, निवासी-वाड नं. 12, मकान नं. 5671, चन्द्रावल एस/मंडी, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं. 5671, वाड नं. 12, चन्द्रावल एस/मंडी, दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7581—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 9 ब्लॉक 'ई' है एवं जो भारोला, आदर्श नगर कालोनी में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती शिला बन्ती रघुकुल भूषण निवासी-सी-1/150, लाजपत नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री वेद प्रकाश और पवन कुमार सुपुत्र राम अवतार, निवासी सी-79-ए, कमला नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 9, ब्लॉक 'ई', ग्राम भारोला, आदर्श नगर, कालोनी दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981

माहुर :

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7516—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5836 है एवं जो बस्ती हरफूल सिंह सदर
थाना रोड में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री चमन लाल पंडीत सपुत्र एल. श्री हर प्रसाद,
पंडीत, निवासी-3205/2, काजी वारा अम्बाला
सोटी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन देवी गुप्ता पत्नी मै धासी राम निवासी
निवासी 5663/20, बस्ती हरफूल सिंह, थाना
रोड, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 5836, बस्ती हरफूल सिंह सदर थाना रोड,
दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. /एक्जीजीशन-2/एस-आर-2/
3-81/4298—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो मसूदाबाद नजफगढ़,
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16
वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री अन्थोनी देशाँजा सुपुत्र पेटर् देशाँजा, ए-39
चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली
(अन्तरक)
- (2) श्री टी. एस. बागा एस. करतार सिंह बागा,
9/6522, बवे नगर करोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-मसूदाबाद, नजफगढ़, दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, "एच" ब्लॉक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टेट,
नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजिशन-2/एस-आर-2/3-81/4297—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संस्था कृषि है एवं जो मसूदाबाद, नजफगढ़, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती वेशनीका वेशाजा पत्नी अन्धानी देशाजा 'ए'-39, चित्तरजन पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जी. एस. सागु सुपुत्र शाम सिंह निवासी-सी-4 ए/63-बी, जनकपुरी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-मसूदाबाद, नजफगढ़, नई दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती गयारसी देवी पत्नी निहाल चन्द एण्ड अदर्स
1820-ए, भागीरथ प्लेस, दिल्ली
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी ईश्वर नाथ एण्ड अदर्स
निवासी-2111, धोवी बारा किनारी बाजार, दिल्ली
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टेट,
नई दिल्ली

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7519—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 1680 है एवं जो कुचा जाट मल, में स्थित
है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया, की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

1680, कुचा जाट मल, दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

अतः शत्रु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निररीक्षण)

अर्जन रंज-2, 'एच' ब्लॉक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टेट,
नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7605—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 408 से 410 है एवं जो कुचा बृजनाथ चान्दनी चौक में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गोपाल राय सूपत्र श्रीमती मिरो बाई, निवासी-1913, पटवान का रास्ता, चावरा रास्ता जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री हाशीयार सिंह सूपत्र जवाला प्रसाद एण्ड अदर्स निवासी 41/16, अशाक नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 408 से 410, कुचा बृजनाथ चान्दनी चौक, दिल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निररीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रज-2, "एच" ब्लोक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टेट,
 नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-
 81/7630—चुकि मै, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
 इसके

पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी संख्या 7786, है एवं जो चमेलीयन रोड, बाराहिन्दू
 राव, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंलग्न
 अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
 कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
 के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
 बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाष्मिक
 रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तविकों को,
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
 नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
 निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री अमर नाथ खोसका सुपुत्र स्वर्गीय श्री आत्मा राम
 खोसका, 4428, गणेश बाजार, क्लॉथ मार्केट,
 फतेहपुरी दिल्ली-6,
 (अन्तरक)

(2) मै. कमल होंसीयरी (इन्डस्ट्री) 5-कमल कटी भब-
 नल कालोनी, मोडल टाउन, दिल्ली
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
 कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा प्रशिक्षणार्थी के पाप लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

दो मंजीली मकान नं. 7786, प्राइवेट नं. 55 से 59, और
 ग्राउन्ड फ्लोर 125, ग्राउन्ड फ्लोर-13-ए, 14-ए, 15-ए,-
 16-ए, -17-ए, प्रथम मंजी, चमेलीयन रोड, बाराहिन्दू राव,
 दिल्ली-6

विमल वशिष्ठ
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-11-1981
 मोहर

प्रूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7620--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैजिसकी संख्या बी-483 है एवं जो मजलीस पार्क में स्थित है
जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न सूची में दिया गया, की
पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन
पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक
मार्च 81को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य;
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बांटा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
9 -366GI/11(1) श्री हरजान राय पूरी सूपत्र बदरी नाथ पूरी बी-
483, मंजलीस पार्क, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जग रानी पत्नी शाम लाल एण्ड अदर्स,
निवासी ई-13, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. बी-483, मजलीस पार्क, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-81

कोहूर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक विकास भवन इन्द्रप्रस्थ स्टेटे,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन-2/एस-आर-1/3
81/7627—श्री. म. विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

जिसकी संख्या प्लॉट नं. 2 है एवं जो पंजाबी बाग में स्थित है,
जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया,
की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन
पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक
मार्च 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) का अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम निवास खोशला एण्ड सन्स एच. यू. एफ.
आई/260, डीडीए फ्लेट, नारायणा, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती गोयल, 20/4, पुराना मार्केट
वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 2, रोड नं. 33, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-81
मोहर :

प्रमुख भाग: डी. एन. एस. -----

(1) श्री सुनील माहन्, डी-316, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अनूप कुमार अग्रवाल, निवासी 2003, कर्ता लखू सिंह दिल्ली एण्ड अवर्स।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7509—यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 2115 से 2117 है एवं जो चाह इन्दरा, एच. सी. सेन रो में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम के 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहा था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसीपल नं. 2115 से 2117, चाह इन्दरा, एच. सी. सेन रोड, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7625—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

जिसकी संख्या जीबीक्यू-15/20 है एवं जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती एलीयस नानकी देवी, श्रीमती नानकी बाई विधवा पत्नी श्री लेख राज निवासी-15/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वा मित्रा सुपुत्र श्री मूलख राज बहेल और अवर्स, निवासी-15/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जी.बी.क्यू. 15/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती राज रानी पत्नी हर नारायण खना, निवासी-820 नई सड़क, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुरिन्दर नारायण खना, अरविन्द नारायण खना सुपुत्र हरनारायण खना निवासी-820, नई सड़क, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ सं. नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-31/7643--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी संख्या 840 से 844 है एवं जो महेश दास, वार्ड नं. 5, नई सड़क में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 840 से 844 कटरा महेश दास, वार्ड नं. 5, नई सड़क, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेटे
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन-1/एस-आर/3-81/
2994—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) (जिसके बाद
उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269-बी) के अंतर्गत
सक्षम प्राधिकारी होने के नाते कारणवश यह विश्वास करता हूँ कि
25000/- के उचित बाजार मूल्य से अधिक की अचल संपत्ति
जिसकी संख्या एच-31 है एवं जो एन.डी.एस.ई.-1, में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 के 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च 1981

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्याम चरण काला कर्ता (श्याम चरण काला) एच.
यू.एफ. 3-इम्प्रोवमेंट ट्रस्ट फ्लेट्स, हवेलोक रोड,
लखनऊ 1।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत सिंह, एच-31, एन.डी.एस.ई.-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति में अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है तथा उनका वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
किया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. एच-31, एन.डी.एस.ई.-1, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981
माहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संवर्ध 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-
81/3002—चौक में, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिस्की सं. बी-10 है एवं जो कालिन्दी कालोनी में स्थित
है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मै. आर. सी. सूद एण्ड कं. प्रा. लि. इरोज
सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्स. नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती शशि प्रभा सी/ओ मै. किशोरी लाल एण्ड
सन्स क्लोथ मर्चेन्ट, नई सड़क दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/16, हिस्से प्लॉट नं. बी-10, कालिन्दी कालोनी, नई
दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेटे

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्सीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3024—चूँकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-1/54 है एवं जो मालवीय नगर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अतिरिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किमा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) डा. राज कुमार डांगेरा, सपूत्र श्री ठाकुर दास डांगेरा, इ-469, गेटर कैलाश-11, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार सूद सपूत्र स्वर्गीय श्री सुल दयाल सूद, नं. 11, लॉवर बाजार, शिमला (हिमाचल प्रदेश)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तथा भवन संख्या बी-1/54 मालवीय नगर नई दिल्ली का 1/3 भाग।

आर. बी. एल. अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्जीक्यूशन-1/एस-आर-3/3-81/3004—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या बी-63 है एवं जो निजामुद्दीन वेस्ट में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10 —366GI/81

(1) मै. बबशी राम विजय कुमार सेठ, 649 कटरा हर्दयाल, चादनी चौक दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अमन राय, मिस शिल्पीका राव, और दीपीका राव, सपुत्री श्री शक्ति राय, निवासी 14-एफ सेंट्रल रिंग कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. जी/63, क्षेत्रफल 198 वर्ग गज, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बी. एल. भला, निवासी-47 कैलाश अपार्टमेंट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस. अमक सिंह वालीया एस. त्रीलोचन सिंह सी-2, राजाजी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेड नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्सीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2941—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी में, फ्लैट नं. 47, ब्लॉक 'सी' है एवं जो कैलाश अपार्टमेंट, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पवर्कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवर्कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपॉजिट में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पवर्कत संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के दृष्टान्त में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पवर्कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/50, अविभाजित हिस्से का भूमि फ्लैट नं. 47, ब्लॉक-सी, कैलाश अपार्टमेंट लाला लाजपत राय रोड, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन-1/एस-वार-3/
3-81/3019—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या पी-39 है एवं जो साउथ एक्सटेंशन में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथिष्ठ में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मूल राज आनन्द सुपूत्र श्री रुलवू राम,
जी-63, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री अशोक साहनी सुपूत्र श्री ओ. पी. साहनी,
एफ-39, एन. डी. एस. ई.-2, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

*3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. डी, क्षेत्रफल-1007 वर्ग फिट, प्लॉट नं. पी-39,
683.3 वर्ग गज, साउथ एक्सटेंशन नं. 2, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981
सीन :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एवजीजीशन-1/एस-आर-3/
3-81/2949 चूक में, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इतने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी संख्या औ-11/45 है एवं जो लाजपत नगर में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री दिवान सिंह और मोहित्वर सिंह सुपूत्र श्री परमा
नन्द, ए-3/251, जनकपुरी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती राम पियारी पत्नी श्री विष्णु दास धधवा,
2/9, नेहरू नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

नं. ओ.-11/45, एरीया 20 वर्ग गज, लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981
सील :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/
4-81/131—चूकि मै, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या एस-61 है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2 में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अध्यात्:—

(1) श्रीमती निना मलहोत्रा पत्नी श्री राज मलहोत्रा, जी. पी. ए. श्री राम मलहोत्रा, निवासी 5/1988, नवधरा किनारी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आदित्य पंडीत सपुत्र श्री सी. एस. पंडीत, निवासी एफ-32, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. एस-61, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
एरिया 300 वर्ग गज।आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम अधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, नई दिल्लीदिनांक : 12-11-1981
सील :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्वर्स्ट स्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2961—चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी संख्या ए-1/145 है तथा जो लाजपत नगर में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए एअन्तरिती की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री बृज लाल, निवासी क्वाटर नं. ए-1/145, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सुरेन्द्र सिंह मेठी, निवासी ए-1/145, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्वाटर नं. ए-1/145, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 18-11-1981
सील :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एवजीजीशन-1/एस-आर-3/
3-81/3026---चूँकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

जिसकी संख्या जी-56 है तथा जो ग्रीन पार्क में स्थित
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री धनी राम सपूत्र श्री जोहरी मल, निवासी एन-
12, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती उमा गुप्ता पत्नी एम. के गुप्ता, निवासी
1818, झुना मंडी, पटारगंज, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम मंजी प्रो. नं. जी-56, एरीया 180 वर्ग गज, ग्रीन
पार्क, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 18-11-1981
सील :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-ब (1) के अधीन पूरना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-
3/3-81/2051—चूँकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

जिसकी संख्या आई-1/73 है एवं जो लाजपत नगर, में स्थित
है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न संलग्न अनुसूची में
दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
का से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति प्राप्ति में
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब के अन्तरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री जगदीश कुशार और प्रेम प्रकाश, निवासी
1657, प्रताप गेट, कैटल, हरियाणा। (अन्तरक)
2. श्री सुरक्षा बत्रा, निवासी-आई-1/73, लाजपत
नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
3. श्रीमती लाजवन्ती चावला निवासी-बी-2/100,
सफदरजंग इनकोव, नई दिल्ली।
(वे व्यक्ति जिनका संपत्ति पर कब्जा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. आई-1/173, लाजपत नगर, नई दिल्ली,
एरिया 100 वर्ग गज।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-11-1981
मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, "एन" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीयन 1/एस-आर-
3/3-81/2952—श्री. म. आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो बिजवाशन, नई दिल्ली में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का बं)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक मार्च, 1981

तो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि वयापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—
1—366GI/81

1. निहाल सिंह, रोहतास सिंह, ओम प्रकाश सूपूत्र
श्री अर्जुन सिंह और श्रीमती कमला देवी विधवा
पत्नी श्री छोटे राम निवासी-ग्राम-बिजवाशन, मंहे-
रौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राधे श्याम बंशीवाल सूपूत्र श्री सोहन लाल बंशी-
वाल बृज भूशन घनेश्याम दा और अदर्श, निवासी-
6/46, पंजीबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 16 बिघे और 18 बिघे, म्युनिसीपल
नं. 27, किला नं. 17/1(2-3), सड़क 16/2(3-16),
गरब-24/2(2-8), शेक और म्युनिसीपल नं. 54, किला नं.
4(4-16), 7(4-10), ग्राम-बिजवाशन, मंहेरौली, नई
दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश संख्या 3 नि. स. आ. आ./एकजीडीशन 1/एस-3/3-81/3043--चूकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी संख्या जी-56, है एवं जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री धनीराम सुपुत्र श्री जोहरी मल, एन-12, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. उमा गुप्ता पत्नी एस. के. गुप्ता, निवासी-1818, चूना मंड़ी, पहाड़ गंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बरसाती फ्लोर 2.1/2 मंजी, प्लॉट नं. 56, ब्लॉक 'जी', ग्रीन पार्क नई दिल्ली, एरिया-180 वर्ग गज ।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस.आर.-3/3-81/3034—चूंकि मै. आर. बी. एल. अग्रवाल, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी सं. के-15/102, है एवं जो ग्रीन पार्क, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) में दिनांक मार्च, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. श्री मनिन्दर सिंह सी/ओ. मै. पाल एण्ड एसोसी-एट्स, 12-रीगल बिल्डिंग, पालीयमेट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. हेमलता गायल सी/ओ. श्री हेम चन्द जैन, नियर स्टेट बैंक आफ इन्डिया, बराबत (यू.पी.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लॉट नं. 102, बिल्डिंग के-15 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, नई दिल्ली

तारीख 18-11-1981
मोहता

प्ररूप नमूना. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 3 नि. सं. आ. आ./एकजीजीशन 1/एस.आर.-
3/3-81/3035—बूकिंग में, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी संख्या के-15/101, है एवं जो ग्रीन पार्क में
के अधीन पंजीकारण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
में दिनांक मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. मतिन्दर सिंह सी/ओ. में. पाल एण्ड एसोसीएट्स,
12-रीगल बिल्डिंग, पालीग्राम स्ट्रीट, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामवती, निवासी, के-15/101, ग्रीन
पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 101, बिल्डिंग के-15, ग्रीन पार्क, एक्स. नई
दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारीख 18-11-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ. आ./एकीकरण 1/एस-आर-3/3-81/3032---चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

जिसकी संख्या के-15/202, है एवं जो ग्रीन पार्क में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मनिनन्दर सिंह सी/ओ. मै. पाल एण्ड एसोसिएट्स 12-रीगल बिल्डिंग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. रंजना हुन्डा, ए-1/बी, रीवन्यू ऑफिस, प्लेट मायापुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 202, बिल्डिंग-के-15, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-1, नई दिल्ली

तारीख : 18-11-1981
मोहर :

प्राकृतिक आर्थिक डी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि., नई दिल्ली

नई दिल्ली-120002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. सं. आ. आ./अक्वीजीशन।/एस-आर-3—
चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या के-15/301, है एवं जो ग्रीन पार्क, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे कम मात्रा में है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मनिन्दर सिंह सी/आं में पाल एण्ड एसोसिएट्स 12-रिंगल बिल्डिंग, पालीयमेट स्ट्रीट नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री सतीश अरोड़ा, पी-17, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची -

फ्लैट नं. 301, बिल्डिंग-के-15, ग्रीन पार्क, एक्स. नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि., नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 31-10-1981
मोहर

शारुप धार्म. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 न(1) के अधीन सूचना

धारण सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-120002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. म. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3-3-
81/30033—चूक में, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट नं. 201, के-15, है एवं जो ग्रीन
पार्क, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के रूप के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिफल से निकल है और अन्तरण (अन्तरणों)
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नया या नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1967 (1967 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मनिंदर सिंह सी/ओ मै पाल एण्ड एसोसीएट्स
12-रोगल विल्डिंग, पालीग्रामेंट स्ट्रीट, नई
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्दर शर्मा, के-15/201, ग्रीन पार्क
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 201, विल्डिंग नं. के-15, ग्रीन पार्क, नई
दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, नई दिल्ली

तारीख : 18-11-1981
माह :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन।/एस.-आर.-3/3-81/3037-- चूँकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 302, के-15, है एवं जो ग्रीन पार्क, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वाँ) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनिन्दर सिंह सी/ओ मैं पाल एण्ड एसोसीएट्स 12-रिंग्स बिल्डींग, पालीग्रामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजीनी मसी सी-732, सरोजीनी नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 302, के-15, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नई दिल्ली

तारीख : 18-11-1981

सोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निवेदन नं. रेफ नं. पी. आर. नं. 1444 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 2557/ए. है तथा जो बाधपांडी भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-1981

को जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यत विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टेय से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12-366GI/81

(1) तारदेअली मुल्ला अब्दुलानी, 2 श्री तारदेअली खान-भाई, 3 श्री तारदेअली इस्मारेजजी, 4 श्री भरमदेअली काबरभाई

(अन्तरक)

(2) श्री सपनीभाई श्रीकम्भाई पटेल, श्री धरमशीभाई श्रीकमभाई पटेल, श्री श्रीकमभाई गोसाभाई पटेल 2757/ए बाधपांडी, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राथेयः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मिलवियत जो भावनगर में स्थित है जिसका प्लॉट नं. 2557/ए, जिसका कुल क्षेत्रफल 1300 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीलाता नं. 636/25-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-81
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निवेदन नं. र.एफ.नं. पी. आर. नं. 1445 अर्जन रज-23-1/
81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 34-जी-5 प्लॉट नं. ए-9 है तथा
जो आमनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-3-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गोकुलदास लालजी, श्री नरेन्द्र गोपालदास
राजानी प्रेन मीकीट, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश बाबूलाल 4, पटेल कानोनी,
जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्रेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो जामनगर में स्थित है जिसका सर्वे नं. 34-
जी-5, प्लॉट नं. ए/9, जिसका कुल क्षेत्रफल 362.23 वर्ग
याड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-
खाता नं. 656/5-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-81
माहुर :

प्रश्न माई.टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निवेदन नं. रेफ. नं. पी.आर.नं. 1446 अर्जन रेंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं. 35 गांव मिरजापुर, है तथा जो भूज-मांडवी रोड पर स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जाँस्तीयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्री पटेल धनजी पाल जी भुडिया सुखपर नया बांस, तालुका-भुज, कच्छ (अन्तरक)

(2) मधुसूदन लक्ष्मीदास भद्र गांव-बीटीपारी, तालुका-अवसा, कच्छ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यमान है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 8 एकड़ है, जिसका सर्वे नं. 35 चंकी जो मिरजापुर, भुज-मांडवी रोड पर स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भुज रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीबाता नं. 597/10-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1447 अर्जन रज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एम. सी. नं. 1216/113(2) से 1216/113(10) है तथा जो घनश्याम नगर, भुज में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णितः—

1. श्री पटेल लालजी ह्रीराजी गांध-केड़की, तालूका भुज। (अन्तरक)
2. (1) श्री सोनारा दाउदअली सीदीक
(2) श्रीमती मीनाबाई दाउदअली सीदीक सोनारा, गांव-कोठारा, तालूका-अवडासा, कच्छ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मालकता जो घनश्यामनगर भुज में स्थित है जिसका सर्वे नं. 12/6/133(2) से 12/6/113(10) "कोशई भुवन" नाम से मशहूर है, जिसका कुल क्षेत्रफल 278.70 वर्गमीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भुज रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 518/7-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख 7-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

रेफ. नं. पी. आर. नं. 1448 अर्जन रज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 482, 489, 495, 496, 503 पैकी है तथा जो उपलेटा जीला-शेजकोर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविकता के रूप में किया जाना किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री वेवसी भोजा चंद्रवाडीया की ओर से पुत्र श्री आडीर रामा देवसी चंद्रवाडीया, उपलेटा (सीराष्ट्र) (अन्तरक)

(2) श्री सरकार पटेल को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड प्रमुख-श्री रतीलाल जीवाभाई पडारीया उपलेटा, (सीराष्ट्र)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मीलकत जो उपलेटा शहर में स्थित है, जिसका सर्वे नं. 482, 489, 495, 496 503 पैकी खूली जमीन जिसका पूर्ण वरणन उपलेटा रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 463/81 दिनांक 7-3-1981 में किया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-81

माहूर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

रफ. नं. पी. आर. नं. 1449 अर्जन रज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. मकान मीलकत, है तथा जो गांव - गढडा, (स्वामीनारायण) में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोटाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्हित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रयोग कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उन्नी बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) श्री साधर भानभाई नजामाई नवी लाईन, गढडा (स्वामीनारायण), जीला-भावनगर।

(अन्तरक)

- (2) श्री गोपीनाथजी देवमंदीर ट्रस्ट, स्वामीनारायण मंदीर गढडा (स्वामीनारायण)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सहटीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मीलकत जो गांव गढडा (स्वामीनारायण) में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 215 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूरण वर्णन बोटाड रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 76/81 दिनांक 9-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-81
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

रेफ. नं. पी. आर. नं. 1450 अर्जन रज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. मकान मीलकत है, तथा जो गांधी - गडडा (स्वामीनारायण) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोटोद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-3-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री साचर मंगलुभाई भानभाई नवी लाइन, गडडा (स्वामीनारायण) जीला - भावनगर (अन्तरक)
- (2) श्री गोपीनाथजी दंबमंदीर ट्रस्ट स्वामीनारायण मंदीर गडडा, स्वामीनारायण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मीलकत जो गडडा में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 173.1 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण दायित्व बोटोद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीवत नं. 77/81 दिनांक 9-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

रेफ. नं. पी. आर. नं. 1451 अर्जन रेंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. मकान मीलकत है, तथा जो गडडा (स्वामी-नारायण) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोटाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्रायः किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री खापर रामफुभाई भानभाई नवी लाइन गडडा (स्वामीनारायण), जीला - भावनगर (अन्तरक)
- (2) श्री गोपीनाथजी देवमंदीर ट्रस्ट स्वामीनारायण मंदीर गडडा, (स्वामीनारायण) जीला - भावनगर (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मीलकत जो गडडा में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 380.3 वर्ग याड है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन बोटाड रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 78/81 दिनांक 9-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-81
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

रेफ. नं. पी. आर. नं. 1452 अर्जन रज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. मकान मीलकत है, तथा जो गठडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोटाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-3-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्वयण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती राजबानबेन भानभाई नवी लाइन, गठडा (स्वामीनारायण), जीला - भावनगर (अन्तरक)
- (2) श्री गोपीनाथजी बवेमंदीर ट्रस्ट स्वामीनारायण मंदीर, गठडा (स्वामीनारायण), जीला-भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मीलकत जो गठडा (स्वामीनारायण) में स्थित है तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 147 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूरण वरणन बोटाड रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 79/81 दिनांक 9-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-81
मोहर :

प्रारूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. पी. गार. नं. 1453 अर्जन रज 23-1/81-82—उत्तः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 3, एफ. पी. 543, सब प्लॉट
नं. 2 और 3 है तथा जो मादलपुर, अहमदाबाद में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विनिर्दिष्ट भी वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया
था या भिन्न जन्तु चार्ज था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर सूचित है:--

1. (1) श्री हेमन्त कान्तीलाल पटेल 'नीलधरा' ओलीस-
बीज, अहमदाबाद।
- (2) श्री महेशचंद्र के. पटेल,
- (3) श्री गिरीशचंद्र के. पटेल,
- (4) श्री रमेशचंद्र के. पटेल,
- (5) श्री सुरेशचंद्र के. पटेल,

नीलधरा,
ओलीसबीज
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री महाराना प्रताप सेन्टर ऑनर्स एंजोसियोशन, संक्रे-
टरी-श्री रामभाई मातमभाई, गोपालक, सोमायटी,
वाइज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के रूप
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका फुल क्षेत्रफल 507, 507, 507 और
507 वर्ग गज है जिसका टी. पी. एस. 3, एफ. पी. नं.
543 सब प्लॉट नं. 2 और 3, तथा जो छठावड, मादलपुर
अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विनिर्दिष्ट नं. 817, 818 मार्च 1981, 807 और
8, 811 और 812, 813, और 814, और 799 और
800/11-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

सोहर :

प्रारूप आदेश. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1454 अर्जन रंज 23-1/81-82—उक्त: मरुते, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 1130 से 1153 जमालपुर है तथा
जो दानापीठ, गोल लीमडाके नजदीक, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
31-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मरुते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत, पूर्ण दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. अहमदाबाद साहूरे दानापीठ जूना पदवीका महाजनका
बहीपट्टदार श्री रामणलाल जमनादाम, फतहपुर, नवा
विकास गृह के सामने, धूमकेतू रोड, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. मोनार पील्डर्स की ओर से भागीदार श्री शैलेशभाई
नृयेन्द्रभाई, अंधेरी, बोंम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जो दानापीठ अहमदाबाद में स्थित है, जिसका सर्वे नं.
1130 से 1153, जमालपुर तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीपत्र नं. 3264/31-3-1981 में दिया गया
है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981
साहूरे :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1455 अर्जन रज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 495, टी. पी. एस. 3 सेल प्लॉट है तथा जो नं. 1, मीठाखली, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-3-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्पत्ति रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार नं. 1, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री जय भद्र गोरधनदास गज्जर, नेहरु ब्रीज के नजदीक, गज्जर बंगला, ओलिसब्रीज, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. जय मंगल हाउस ओनर्स एसोसियेशन, की ओर से सेक्रेटरी-श्री विश्वप्रसाद नारनदास सोनी, फुलवाड़ी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका एफ. पी. नं. 495, टी. पी. एस. 3, सेल प्लॉट नं. 1, जिसका कुल क्षेत्रफल 904-61 वर्गमीटर है तथा जो मीठाखली अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री नं. 2911/23-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981
मोहर :

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1456 अर्जन रोज 23-1/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 86-बी-3 एफ. पी. नं. 90, पैकी
सब है तथा जो प्लॉट नं. 3, दरीयापूर, काजीपूर, अहमदाबाद
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति ॥—

1. श्री भानुप्रसाद गोविंदलाल पटेल, पटेल सेनेटोरियम,
गिरधरनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. रूसीका एपार्टमेंट ओनर्स एसोसियेशन, की ओर से
प्रमुख—श्री हसमुखलाल रणछोडलाल महेता, 1,
ताराकुंज सोसायटी। रेलवे क्रोसींग के सामने, नवा
वाडज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1046 वर्ग याड है जिसका सर्वे
नं. 86/बी/3, एफ. पी. नं. 90 पैकी सब प्लॉट नं. 3 तथा
जो दरीयापूर-काजीपूर, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका
पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 2941/23-3-
1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.---

1. श्री प्रबाध मणीलाल मीठाखली, अहमदाबाद।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1457 अर्जन रज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 53-1, 2 पैकी टी. पी. एस्. 20, एफ. पी. नं. है तथा जो 60, सब प्लॉट नं. 3, चंगीसपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दायता पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को अन्तर्गत भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. लक्ष्मी एपाटेमेंट्स को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड की ओर से प्रभाकर-श्री रणछोडभाई छगनलाल पटेल 9, पान्धमर्णा सोसायटी, भाटगाजीवा, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 53-1, 2 पैकी टी. पी. एस्. 20, एफ. पी. नं. 60, सब प्लॉट नं. 3, जिसका कुल क्षेत्रफल 620 वर्ग यार्ड है तथा जो चंगीसपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता प्रिकोड नं. 3143/30-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981
सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1458 अर्जन रज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मिल्कत मकान, स्टेशन रोड, है। तथा जो धांगवा जिला-पठवान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धांगवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-356GI/81

1. श्री बुरजोरजी नवरोजजी पालीया और अन्य माछली-पीठ, वाडीया स्ट्रीट, सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रतनशी हीरजी,
(2) श्रीमती देवकीबेन रतनशी,
(3) लीलावतीबेन गोपालभाई,
(4) रतनबेन दयाराम, गांव-सैयरा, जिला -(कच्छ)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अहमदाबाद

मकान, जो स्टेशन रोड, धांगवा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1432 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन धांगधेर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 440/16-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1459 अर्जन रज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 4679, 4780 है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. (1) श्रीमती सरस्वतीबेन कान्ताराव संभोसीराव कोली की विधवा पत्नी नारायण भवन, पी कांटा, अहमदाबाद।
- (2) चंदा परमेश्वरी वी. राव. 8-45, पत्राकर कालोनी, नारायणपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अहमद हुसैन मोहमद हुसैन मनसूरी और अन्य, धानकोर नाका, अहमदाबाद।
- (2) कापड्डीया टेक्सटाइल्स - प्रोप्राइटर ए. एम. मनसूरी ट्रस्ट, ट्रस्टी-श्री यूसूफ अहमद हुसैन मनसूरी और अन्य धानकोर नाका, अहमदाबाद।
- (3) सुफीयाबेन, जाफरहुसैन हुसैनभाई मनसूरी की पत्नी और अन्य धानकोर नाका, ढालगरवाड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका सर्वे नं. 4679 और 4680, कालपुर-3 प्लॉट नं. 5 और 6 पैकी जिसका कुल क्षेत्रफल 412.2 312, वर्ग गज और 140 वर्ग मीटर और 130 वर्ग मीटर है तथा जो रिलीफ रोड, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत सं. 3109, 3119 और 3112/27-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख: 9-11-1981
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1225/एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोद नं. 1747, तुरावा मोहला है। तथा जो सयिदपुरा, सूणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

14-366GI/81

(1) श्री नागेश दारा काण्डीया, कूलमुक्तयार, उक्तवाध नैशीर लेशिन, मेरीयकेतन, 6/9, मण्ड मेरी रोड, बानन्द्रा, बंबे।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद लतीफ अब्दुल सयार, वाउजी शेर, सूतार पुलिया, सूतार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं. 1747, तुरावा मोहोला, सयिदपुरा, सूतार यथाविधि तारीख 23-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1226/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. नोंद नं. 1818-1819, वाड नं. 9 है तथा जो लाल गेट, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिमियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्रीमती दीनाबेन कावसजी लसकरी, 4-एफ, इन्दिराणी एपार्टमेंट, बाढीया सट्टीट, नानपुरा, सुरत।

(अन्तरक)

(2) श्री लावजीभाई वयाभाई पटेल, 9-बी, रंनग अवधून सोसटी, बाराछा रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोब नं. 1818-1819, वाड नं. 9, लाल-गेट, सुरत यथाविधि तारीख 16-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1227/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोंद नं. 2794, 2795, 2796, वाड नं. 6 है तथा जो लाल दरवाजा, सुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री वीमलाबेन मानूभाई देशाई, दीवाली भाग, अतवा लेनस, सुरत।

(1) रीता मुकुल देशाई, दीवाली भाग, अतवा लेनस, सुरत।

(2) भकती अरविन्द भाई देशाई, महादेवनगर सोसायटी, साग्रामपुरा, सुरत।

(अन्तरक)

(2) श्री युनुस अहमद गोवाला, कलकत्तासागर :—

(1) अब्दुलसय्याद ईसर्गियल गोवाला, मंगलीसारा, पटनी कोलोणी, सुरत।

(2) फातमा ईसर्गियल, पटनी कोलोणी के सामने, मंगलीसारा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं. 2794, 2797, 2796, वाड नं. 6, लाल दरवाजा, सुरत यथाविधि तारीख 18-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

सोहर :

प्रारूप धारा-टी.एन.ए.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1228/एकवी/23-11/81-82-उतः मूके, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. नोद नं. 3404, वाड नं. 4 है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्--

1. (1) हीरालाल लल्लू भाई सोपारीवाला,
- (2) जयश्रीबेन, शशीकान्त लल्लू भाई की विधवा,
- (3) जीनेन्द्रा शशीकान्त,
- (4) चनुशे शशीकान्त,
- (5) नीलेश शशीकान्त,
- (6) वेंवीका शशीकान्त,
- (7) पृथपाबेन, नटवरलाल लल्लूभाई की विधवा,
- (8) एम. नटवरलाल,
- (9) संभाष नटवरलाल,
- (10) सतीश नटवरलाल, जामभा बाजार, हाथी फलिया सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री हासीमभाई साहब अबेवाली साहब वालीउल्ला, बंगमपुरा, हट्टोली कासमजी सट्टीट, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वाड नं. 4, नोद नं. 3404, यथाविधि तारीख 17-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1229/एकवी/23-11/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं. अतवा गेट विस्तार, नोद नं. 910 प्लॉट नं. 12 है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-3-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारंश, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती प्रेमीलाबेन धनसुखलाल गजूर का कूलयुक्त-तयार :--
(1) डा. मधुबेन धनसुखलाल,
(2) हारेश धनसुखलाल गजूर, गंजूर बेंगलो, अतवा लयिनस, सुरत और श्रीमती लक्ष्मी-बेन धनसुखलाल गजूर, गंजूर बेंगलो, अतवा लयिनस, सुरत।

(अन्तरक)

2. प्रमोद और सचिव, अलकेश एपार्टमेंट को. ओ. हा. सोसायिटी, बसनालाल चन्दलाल शाह, दीपमंगल एसकेयिद, अतवा गेट, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकर जो नोद नं. 910, प्लॉट नं. 12, 11 और वाड नं. 1, अतवा गेट, सुरत यथाविधि तारीख 27-3-1981 में रजिस्ट्रेशन नं. 2019 और 2020 पर रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एस.—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1230/एक्वी/23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. 910, प्लॉट नं. 5, 6, वार्ड नं. 1,
अतवा गेट है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाखण्ड
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 27-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का परमदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधमार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा. मदनबेन धनसुखलाल गोजर, गोजर बेंगलो,
अतवा लेनस, सूरत, डा. लेनाबेन, धनसुखलाल गोजर
गोजर बेंगलो, अतवा लयिनस, सूरत।

(अन्तरक)

2. प्रमुख और सचिव, सिधाचल एपार्टमेंट्स को. ओ.
हा. सोसायिटी :

(1) श्रीमती वसनभाबेन जयनमीलाल शाह, दीप-
मंगल सोसायिटी, अतवा लयिनस, सूरत।

(2) छोटालाल नगोनदास शाह, गोपीपुरा, काजी
मादन, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां कराई गईं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिस-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोषितवाक्यरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोड नं. 910, प्लॉट नं. 5, 6, वार्ड नं. 1,
अतवा गेट, सूरत यथाविधि सूरत तारीख 27-6-1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1231/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस्. नं. 379, अश्वीन कुमार नवागाम है तथा जो एफ. पी. नं. 60 जमिन, सुरत में स्थित है (और इसमें उपादध्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नाराणभाई, परशोतम भाई पटेल खेद और कर्त और मनेजर, एच. य. एफ., टी. बी. हॉस्पिटल कार्पेनड रोड, अश्वीन कुमार, सुरत, किशोर कुमार नारायणभाई पटेल, टी. बी. हॉस्पिटल कार्पेनड रोड, अश्वीन कुमार, सुरत, मूकेश चन्द्रा, नाराणभाई पटेल।

(अन्तरक)

- (2) प्रमूह नाराणभाई ताकोवीस, महदारपुरा, तोथा-शेरी, सुरत, सचिव—आवलील अमृतलाल, कमीटी मॅम्बर हणीभाई दालजी भाई, लालदबीजा, मोतीशेरी, सुरत, सर्वोदया स्थल इन्डसट्रीयल को-ओ-सर्वीस सोसायटी लिमिटेड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एम्. नं. 379 टि. पि. एस्. अश्वीन कुमार, नवागाम, एफ. पी. नं. 60, यथाविधि तारीख 31-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1232/एक्वी/23-11/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. वार्ड नं. 14, प्लॉट नं. 3, एस. नं. 32, है तथा जो एफ. पी. नं. 194 कटाद्रा, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-3-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री अब्दुल गेफार साधीक खत्री, 114, दूसरा माले, आली ठयर स्ट्रीट, यथाकरती, बंबे-3।
(अन्तरक)
- (2) श्री ब्रह्मभाई किशोरीम पटेल, मकान नं. 41, बि. नं. 609, शास्त्रीनगर, कटाद्रा, सुरत।
(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हो, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिलकत जो कटाद्रा, वार्ड नं. 14, प्लॉट नं. 3, एस. नं. 32, एफ. पी. नं. 194, यथाविधि तारीख 7-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1233/एकवी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. नं. 63/1, टी-8, प्लॉट नं. 4-सी, है। तथा जो उमरा, सुरत में स्थित है (और इससे उपायुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

15-366GI/81

1. श्री चुनीलाल नाथभाई कनसारा, 21, विजयवाडा, चौर बाजार, बम्बे-400002, अपना मुख्यालय श्री हीरालाल मुलगांधी कानगाया, 21, विजयवाडा, चौर बाजार, बम्बे-400002।

(अन्तरक)

2. (1) श्री किरन कुमार कान्तीलाल जवेरी, प्रकाश सोसायटी, अथवा लाईनस सुरत।

(2) श्रीमती रेशमीबेन महेशचन्द्रा वकील, अनवा लाईनस वाडीया वूमैन्स कालेज, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिलकत जो उमरा, एम. नं. 63/1, टी-8, प्लॉट नं. 4-5 यथाविधि तारीख 3-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1234/एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. घाट नं. 11, नोद नं. 1151-1166 पैकी है तथा जो 1161-1666 मूरत में स्थित है (और इसमें उपोक्त अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, तबसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप में व्यक्त नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोड़/बा

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री प्रवीणधना किकाभाई चौकषी, नानावड, मथिन रोड, सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री हीलाबेन नावरोजी लमकरी, 3 लमकरी रोड, मछलीपीठा सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

मिलकत जो मछलीपीठा, घाट नं. 11, नोद नं. 1659, 1660 पैकी, 1661-1666, मूरत यथाविधि तारीख 5-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मिल :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1235/एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोद नं. 1659, 1160 पैकी 1661-1666 है। तथा जो वाड नं. 11, मछली पीढ, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रवीण चद्रा किकाभाई छोकवी, नानावट मेंथिन रोड, सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री वारायाश नवरोजी लस्करी, 3: लस्करी रोड, मछलीपीढ, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मछलीपीढ, वाड नं. 11, नोद नं. 1659, 1660 पैकी 1661 और 1666, सुरत यथाविधि तारीख 5-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1236 /एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसको सं. नोद नं. 1659, 1160 पैकी 1661-1666 है। तथा जो वार्ड नं. 11, मछलीपीठ, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्तमान नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रवीण चन्द्र किकाभाई छोकेवी, नानावट मंथिन रोड, सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री नौशीर नवरांजी लस्करी, 3: लस्करी रोड, मछलीपीठ, सुरत।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मछलीपीठ, वार्ड नं. 11, नोद नं. 1659, 1660 पैकी 1661 और 1666, सुरत यथाविधि तारीख 5-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1237/एक्वी.23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 30-ए. 2+31-2, टी. पी. एन.-
6, है। तथा जो एफ. पी.-4, मजुरा, सुरत में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मेसर्स पमीर बुद्ध का भागीदारों :-

- (1) तुलसीदास माधवजी परमार,
- (2) नानजी भाई माधवजी परमार,
- (3) भगवानजी माधवजी परमार, यथा माहोला,
नानपुरा, सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री नाकोदीस श्रीभवनदास मेहता एल. बी. सनीमा
के सामने, बनार रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो माजुरा, एस. नं. 30-ए. 2+31-2, टी. पी.
एस. 6, एफ. पी. 4, सब प्लॉट 5, सुरत यथाविधि तारीख
9-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
माहुर :

प्रकृष प्राह० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1238/एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 30-ए. 2+31-2, टी. पी. एस.-6, है। तथा जो एफ. पी.-4, माजुरा, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-3-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में समाविष्ट रूप से तय नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किंवा आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियां, को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स पमीर बर्क्स का भागीदारों :—

- (1) तुलसीभाई माधवजी भाई पमीर,
- (2) नानजी भाई माधवजी भाई पमीर,
- (3) भगवानाजी भाई माधवजी भाई पमीर, नानपूरा, माया महोल्ला, सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जयाबेन जादावरम पण्डिया,

(2) नाकोभाई जादुराम पण्डिया,

(3) रमेशचंद्रा जादुराम पण्डिया, 6, गणशामनगर एल. डी. सीबीया, मानार रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिलकत जो माजुरा, एस. नं. 30-ए. 2+31-2, टी. पी. एस. 6, एफ. पी. 4, सब प्लॉट नं. 6, सुरत यथाविधि तारीख 9-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1239/एक्वी.-23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 49, बी. नं. 12, प्लॉट नं. 79-92 है।
तथा जो लिमबायत, तालुका चांग्यासी, सूत में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम की धारा 269-घ के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अर्जनवास निहालचन्द अरोरा, महा प्रभु बंगलो,
कादमपली सोसायटी रोड, निमालीयावाड, नानपुरा,
सूत। प्रितमशम निहाल चन्द अरोरा, दालीचन्द-
नगर, अमदा गट सूत।

(अन्तरक)

2. (1) मुसा दाउद, पानोली, ता-अकलशवर, जिला
बेरोडा।
- (2) युसूफ सुलेमान पटेल ता-अकलशवर जिला
बेरोडा।
- (3) युसूफ मोहम्मद हमजी, ता - अकलशवर जिला
बेरोडा।
- (4) कासम मोहम्मद, ता - अकलशवर जिला बेरोडा।
- (5) दाउद सुलेमान कोलीया, गांव हानूरान मंगराल
ता: मंगराल, जिला सूत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिन्कत जो लिमायन एस. नं. 49, वि. नं. 12, प्लॉट नं.
79-89 यथाविधि तारीख 10-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी
है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1240/एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 30-ए. 2+31-2, टी. पी. एस.-6, है। तथा जो एफ. पी.-4, मजुरा, सुरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स पमीर ब्रदर्स का भागीदारों :—

- (1) तुलसीदास माधवजी परमार,
- (2) नानजी भाई माधवजी परमार,
- (3) भगवानजी माधवजी परमार, यथा माहोला, नानपुरा, सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री वसन्तलाल कान्तीलाल सांपारीवाला,
(2) शशीकान्त कान्तीलाल सांपारीवाला, नानपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षति-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभनीयरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो माजुरा, एस. नं. 30-ए. 2+31-2, टी. पी. एस. नं. 6, एफ. पी. 4, सब प्लॉट नं. 8, यथाविधि तारीख 18-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1241/एक्वी.-23-11/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोट नं. 1952, वाड नं. 5, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-
16-366GI/81

1. (1) श्री ईसाभाई रहेमान भाई,
(2) ग़ुलामहंगम ईसाभाई,
(3) नारुधीन ईसाभाई,
(4) हासन ईसाभाई, हरिपूरा, गोकानना रोड, सूरत।
(5) यनुधीन ईसाभाई, सयिधपुरा नाराधा माहोला, सूरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री विपीनचन्द्रा बेलवानतराई, हरिपूरा, भवानीवाड, सूरत।
(2) जगदीशचन्द्रा बेलवानतराई हरिपूरा, भवानी-वाड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वाड नं. 55, नोट नं. 1952 अर्जन किया है यथावधि तारीख 26-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

माहूर :

प्ररूप आर्द. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1242/एक्सी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 1691, नर्मदानगर है तथा जो अनब, सूरत में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, मुझे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री बन्सीलाल ताकोदीस मेहता, कर्ना और एच. यु. एफ. कुबसंपास।
- (2) हारीविधया बन्सीलाल मेहता, बी. पी. रोड, बाम्बे।

(अन्तरक)

2. मैसर्स प्रीथनसी बिल्डर्स के भागीदारों:—

- (1) कोकिला कयुदचन्ना डाक्टर,
- (2) कल्पना तुषार डाक्टर, 26, निर्मल निवास, गोवालीया मानक रोड, बाम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मीलकत जो एस. नं. 1691, नर्मदानगर, अथवा लायनस, सूरत यथाविधि तारीख 31-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवेदन सं. पी. आर. नं. 1243/एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. नवा डीसा आर. एस. नं. 21+30 सी है। तथा जो एस. नं. 4017 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डीसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सगंवी संवन्तीलाल रोवाचन्द, नवा डीसा, थ्रुस्ट सोसायटी।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमूह लुसिया भानदास, सिस्टर आफ चारीटी आफ सेयिनड एन ट्रस्ट, रजिस्ट्रेशन नं. कोयरा-डी-13, नडियाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नवा डीसा आर. एस. नं. 21+30, सी. एस. नं. 4017, यथाविधि तारीख 3-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1244/एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 1/1 पंकी है। तथा जो निजामपुरा बोरोंडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोरोंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री धनसुखराम अनोपराम पारोहीत, निसामपुरा, बोरोंडा।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमूह नील तरंग को-ओ-है-मांसायटी, श्री नवीन-कुमार लालजी भाई पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो निसामपुरा, आर. एस. नं. 1/1 यथाविधी तारीख 3-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1245/एम्ब्वी.-23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 518 है। तथा जो प्रतापनगर, बरोडा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री शान्तीलाल भकीरचन्द शाह, बाससद, ता -
बरोडा।
- (2) शान्ताबेन धीरूभाई पटेल, बोरसद, ता-बोरसद,
- (3) भकीरचन्द बापूलाल शाह बोसद, ता-बोसद।
- (4) जीवनलाल बाबूलाल शाह, बोसद, ता - बोसद।
(अन्तरक)
- (2) हाजी नीसामुद्दीन फायिस मोहम्मद प्रतापनगर, बरोडा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकर जो एस. नं. 518, प्रतापनगर, बरोडा यथाविधि
मार्च 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1246/एक्वी.-23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. विभाग-सी, टिका नं. 3/1, सी. हू। तथा जो एस. नं. 10 आनंदपुरा, कोमी स्टेशन रोड, बडोदा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उल्टे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिस्सि पद्मा वसन्ता साते, मिस्सि माया अरुण जोशी 1907, सदाशीव पते, पुणे-30 (फोन-30), महाराष्ट्रा स्टेट।

(अन्तरक)

2. मेसर्स हरेमब बिल्डर्स, काठिया पोल, मूलहेकर पागा बाबाजीपारा, बरोडा-390001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्विजादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकर जो विभाग सी, टिका नं. 3/1, सी. एस. नं. 10 आनंदपुरा, कोमी स्टेशन रोड, बरोडा यथाविधि तारीख 16-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1247/एकवी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी सं. एस. नं. 532-25 प्लॉट नं. 24-25, है। तथा जो 28-29-32-33 अलकापुर शॉपिंग सेंटर, बरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित सबबों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार ज, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. नलिबीबेन अरुण कुमार शाह। देयाल बेनगलो अरुणदेया सोमाइटी, बरोडा।

(अन्तरक)

2. राजू अरविन्द और वूसरो। 75, "याणिग" आर. ए. किडवाई रोड, माढुंगा, बंबई 400019।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकर जो एस. नं. 532-25, प्लॉट 24-25-28-29-32-33 अलकापुरी शॉपिंग सेंटर, बरोडा यथाविधि तारीख 17-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11,
अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1248/एकवी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'यह अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन प्राप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. पारनाकुदी काका मोहीले नेकरो है तथा जो कारीनाव रोड-1, बेरोडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूक्ति सं. और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुसुमबेन मनुबाई पटेल और दूसरे, ठालामाल चम्पर्स, बोली, बम्बई।

(अन्तरक)

2. डी. ए. चवेलकर, गनगा विहार को-ओपरेटिव सोसाइटी, बेरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभ्युक्ती

मिलकन जो पाणीकुदी, काका मोहीले नेकरो, कारीनाव रोड, बेरोडा, यथाविधि तारीख 11-3-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

माहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1249/एचवी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. आर. एस. नं. 203-1, वाडी वियाग है। तथा
जो प्रतापनगर, बरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अना-
सूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
सूचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; धर्मात् :—

17—366GI/81

2. कर्मचियल एस्टेट का भागीदारों प्राणलाल जायसवाल,
बाबूलाल शाह, रमेश भार्ग मानवाणी, राधाकिशन
मानवाणी।

(अन्तरक)

2. चन्न्कानन्द मूलचण्णन्द शाह, नया रोड के पास,
सुवान पुरा, गोलवाड, बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मेन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एम. नं. 203-1, प्रतापनगर, वाडी
विभाग, बरोडा यथाविधि मार्च, 1981 में रजिस्ट्री की गयी
है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11,
अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1250/एक्सी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1611 (1617) जो डाबोई तालुका है तथा जो बरोडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित होना प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पुनजाभाई नागजी भाई पटेल, चुणी भाई नागजी भाई पटेल, दाबोई तालुका।

(अन्तरक)

2. प्रमोद-यूनियन वर्क सोसाइटी, वसनमलाल मुलजी भाई पटेल, डाबोई, बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 1601 (1617) डाबोई यथाविधि मार्च, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1251/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. वर्णित किया हुआ प्राय. नं. 37-जी में है। तथा जो कोटेश्वर, गांधी नगर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दोराजी बागजी
2. दानीबेन मोनाजी, मागजी का विधुव
3. जयप्रकाश प्रभादभाई
4. कामनीलाल मगुनलाल
5. सोया भाई प्रभुदास
6. नासुभाई दयाभाई
7. दूधाभाई मोगाभाई
8. हरीभाई मोतीभाई
9. पुरीबेन मोहन भाई

10. हीराबेन वृपाजी
11. बंशुभाई नाथुभाई
12. कृपाभाई के भारवाड
13. जयन्तीभाई धुलाभाई
14. रमेशभाई धुलाभाई
15. मधुभाई पुरुषोत्तम
16. मनसुखभाई माधाभाई
17. रटीलाल मणीलाल
18. भान्साबेन माधाणी
19. बिखुभाई माधाणी
20. जासीबेन वागजी
21. धुलाभाई मणीलाल
22. मनोभाई कासाभाई।

सभी कोटेश्वर, गांधीनगर के निवासी हैं।

(अन्तरक)

2. श्री पोरसभाई बी पटेल कोटेश्वर, गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घोषणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो कोटेश्वर, एस. नं. 115, 109, 119, 116, 118, 112, 104, 96, 108, 114, 99, 117, 107, 120, 113, 97, 300, 101, 111, 102, 98, 110 यथाविधी मार्च, 1981 में राजस्वी की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन् रज-11,
अहमदाबाद

तारीख 9-11-1981

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 125-2/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 1470-1 है। तथा जो सायिन, कालोल (उमरा गजरात) में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्रायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. पडेल वेंणीदास रामदास, जोनीक, ता. मेहसाना।
(अन्तरक)

2. डथरकर, भगवती फ्लोर मिलस, मनुभाई भागुभाई पडेल, नारसिंहनगर, नानपुरा चार रस्ता, अहमदाबाद-9।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सायिन गांव एस. नं. 1470-1 (उमरा गजरात, कालोल, यथाविधि तारीख 3-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1253/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 437) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और और जिस्की सं. आर. एस. नं. 180-बी नं. 112 है। तथा जो हडेवा-हनुमन्त में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महेसाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ठाकोर सेदाजी अमथजी, हडेवा हनुमन्त, ता. महेसाना।

(अन्तरक)

2. (1) पटेल हरीभाई लाखुदास
- (2) कान्तीलाल गणेशदास
- (3) पटेल माधाभाई लल्लूभाई
- (4) पटेल रामभाई देवचन्ददास
- (5) पटेल अम्बाराम जातिराम
- (6) पटेल मणिलाल शंकरदास
- (7) पटेल जेदाभाई गाराणदास
- (8) पाला वासना, ता. महेसाना।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो हडेवा हनुमन्त, ता. महेसाना आर. एस. नं. 180, बी. नं. 112, यथाविधी तारीख 19-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1254/एक्सी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. नं. 273/3, जमीन है, तथा जो सान्धाकुवा, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री राजेन्द्राकुमार रसिकलाल जाधेरी, दलपतलाल एण्ड कं. का मुख्त्यार, ज्योति बिल्डिंग, वालिया शेरी, महीधरपुर, सुरत।
(अन्तरक)

2. सेवांतीलाल कालीदास मेहता, श्री बेनासकान्था स्थानक जवासी संघ का ट्रस्टीज, महाबेव सोसाइटी, नवसारी।
(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो सान्धाकुवा आर. एस. नं. 273/3, नवसारी यथाविधि तारीख 12-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-11, अहमदाबाद

तारीख 10-11-1981
मोहर

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1256/एक्वी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. बोर्ड नं. 1, टीका नं. 92, एस. नं. 3804, आर. एस. नं. 203/102-3 है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डायमसवीभार दीनशजी बोकारी, नवसारी।

(अन्तरक)

2. (1) श्री फीरोश डी. बूहारीवाला

(2) नरीमान डी. बंधारीया

(3) तमुरास एस. तम्बोली

(4) रुस्तम डी. भावडा

जमशेदजी पेसुआनजी वेसाई

अवाबेन चोरीटी ट्रस्ट के ट्रस्टी, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 3804, आर. एस. नं. 203/1-2-3 से नवसारी में स्थित है और मार्च, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख 10-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1255/एक्वी/23-11/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 215/1, 2 और 216 टीका नं. 18, एस. नं. 32, 22 और 36 है। तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. (1) श्री सगीर-समीर मनहर
(2) अंबालाल बाबाभाई पटेल
(3) हरीहर अंबालाल पटेल
(4) वैद्य स्ट्रीट, नवसारी।

(अन्तरक)

2. शांतिलाल भंवर्नाल बारीमिया
गवर्नमेंट गेस्ट हाउस के सामने
तुलसीकुई, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकीत जो आर. एस. नं. 215/1-2, टीका नं. 18, नं. 32-33 और 36 में नवसारी में स्थित है, और 16-3-1981 को रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 10-11-1981

मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1257/एक्सी/23-11/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 48, एस. नं. 1890 है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

18-366GI/81

1. (1) सुरेश मंगनलाल मेहता
(2) रणजीत मंगनलाल मेहता के
कुलमुस्तयार
गीरीराज के सामने, नवसारी।

(अन्तरक)

2. त्रामल बाबुभाई शाह, नारण लाल हाउसींग सोसाइटी,
नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकीत जो नं. 284/2, सी. एस. नं. 48, एस. नं. 1890 से नवसारी में स्थित है और 23-3-1981 को रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख 3 10-11-1981
मोहर

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1258/एकवी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 50 सी. एस. नं. 207 है तथा जो महारानी शान्तिबेवी रोड, नवसारी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् ---

1. बुनीलाल जगजीवनदास शाह, हसमुखलाल छोटेलाल शाह, नागरवाद, नवसारी।

(अन्तरक)

2. साभाना बिल्डर्स का भागीदार, श्री सुभाष बलवन्त राय देसाई नागरवाद, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत मिलकत जो एस. नं. 50 सी. एस. नं. 207, शान्ति बेवी रोड, नवसारी यथाविधि तारीख 31-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11,
अहमदाबाद

तारीख : 10-11-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1259/एक्वी/23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मां. नं. 1601, टी.पी.एस. 4, एफ.पी. 127
है। तथा जो प्लॉट 2, 4, 5 और 6, नेशनल डेयरी, देवे बोर्ड
आनन्द में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूचि में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आनन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. रांकरभाई छोटाभाई गोहले और दूसरे, राजेदपुरा,
ता. आनन्द ।

(अन्तरक)

1. (1) अनजानाबेन असवीनभाई शाह
(2) शारदाबेन रमनलाल बाराटे
(3) दीनुभाई मंगन भाई पटेल
गांव-कामभोलाज-ता. अनन्द।
(4) शान्ताबेन जसवन्तभाई पटेल और दूसरे
दानील, ता. आनन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 1601, टी.पी.एस. नं. 4, एफ.
पी. 127, आनन्द यथाविधी मार्च, 1981 में रजिस्ट्री की
गयी है ।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 10-11-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1260/एक्वी./23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. शाप नं. 63, बीजा माले है, तथा जो रेशम-वाला मीकीट, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजगूलशन सुन्दरदास गांवा, सुन्दरलाल मखन-लाल गांवा के कुलमुख्तयार, नानपुरा, साप्पा बाजार, सुरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमल रानी अमीनीथ डारा, मंगल प्रभात फ्लेट्स, बलिचन्द नगर, अमवा गेट, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकीत जो रेशमवाला मीकीट शाप नं. 63, दूसरा माले, सुरत यथाविधि तारीख 18-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 12-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निर्देश नं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1261/अर्जन रज
23-11/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है -

और जिसकी सं. सर्वे नं. 353, 352/2 है, तथा जो काशी-
गाम, धमन में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
धमन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्बोध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मन्ना लाली, श्री मनुभाई आर. वेसाई, श्री
कालीदास चरणजी देसाई, काशीगाम, धमन।

(अन्तरक)

(2) श्री अंस. अंन. पी. पुंज, अरोफोस्टीक प्रोडक्ट्स
कंप्रमाटर 13, कनट प्लेस, नई दिल्ली-110001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेपुः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत काशीगाम में स्थित है, जिसका सर्वे नं. 351-2
और 353-1 है, तथा जो मार्च, 1981 में रजिस्ट्री की
गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 13-11-1981
माहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1262, एक्वी. 23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ब्लॉक नं. 117 है, तथा जो अम्बोली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बर्तित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री मंगलदास जीवणजी पटेल, श्री जगदीशकुमार मंगलदास, श्री अरविंदकुमार मंगलदास, श्री भरत-कुमार मंगलदास, श्री दीलीपकुमार मंगलदास, कठार (कामरुज)।

(अन्तरक)

(2) श्री आत्माभाई अंबालाल पटेल, श्रीमती लक्ष्मणीबेन भाईलाल पटेल, श्री नटवरलाल अंबालाल पटेल, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 117, से अंबोली में स्थित है, और मार्च, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 13-11-1981
सहूर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निवेदन नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1263/अर्जन रंज
23-11/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 10/1 + 11 + 590 + 13
है, तथा जो बील्लीमोरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, गनदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 2-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री जारबाई धनजी शाह, अडेमीनेस्ट्रेटर, जहांगीरजी
दाजी शाह, मलवन्धा, बोम्बे-50।

(अन्तरक)

(2) राधाकृष्ण फ्लोर राइस मिल्स के भागीदार, कमलेश
टेक्सटाइल्स, भगवती टेक्सटाइल्स, श्री वृजलाल
भीखाभाई बंगाली, बखारीया बन्दर रोड, बील्ली-
मोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकर जिसका सर्वे नं. 10/1 + 590 + 13, बील्ली-
मोरा, जिसकी दिनांक 2-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अम्बालाल पणोतम अमीन, देशा, बिल्लीमोरा ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती रामाबेन फकीरचन्द शाह, बिल्लीमोरा, ता-
गानदेवी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोपः--

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1264/एक्वी./23-11/81-
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. एस. नं. 167, 180/2, 184 है, तथा
जो वसेरा, बिल्लीमोरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, गानदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वाराः--

अनुसूची

मिलकर जो वसेरा, एस. नं. 167, 180/2, 184 यथा-
विधि तारीख 18-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबादतारीख : 13-11-1981
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों के लिए
ग्रेड-1 (अवर सचिव) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1981

सं. एफ. 25/3/80-प1(ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 12 दिसम्बर, 1981 में गृह-मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सहाय विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के ग्रेड-1 की चयन सूचियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों के मामले और नाम जोड़ने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशन में 27 अप्रैल, 1982 को एक सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों के उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र वने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परीस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (नीचे अनुबन्ध का पैरा 7 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है :

वर्ग 1

केन्द्रीय सचिवालय सेवा का ग्रेड-1 33 (अ० जा० के लिए तथा अ० ज० जा० के लिए—(1979 के लिए 22 तथा 1980 के लिए 11)।

वर्ग-2

भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग का ग्रेड-1 5 (अ० जा० के लिए 3 तथा अ० ज० जा० के लिए 2) (1980 के लिए 1 तथा 1981 के लिए 4)।

वर्ग—3

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड-1 9 (अ० जा० के लिए 6 तथा अ० ज० जा० के लिए 3) (1979 के लिए 2, 1980 के लिए 4 तथा 1981 के लिए 3)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र में उस वर्ग का स्पष्ट रूप से अवश्य उल्लेख करें जिसके लिए वे प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं।

19-356GI/31

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार संलग्न आवेदन पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करें। निर्धारित आवेदन पत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति के लिए ग्रेड-1 (अवर सचिव) सीमित विभागीय परीक्षा 1982 के लिए संलग्न निर्धारित आवेदन-पत्र पर ही प्रस्तुत करें। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जातियों के लिए ग्रेड-1 (अवर सचिव) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982 के लिए निर्धारित आवेदन पत्र से अलावा अन्य आवेदन पत्र पर प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 18 जनवरी, 1982 (18 जनवरी, 1982 से पहले ही किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 1 फरवरी, 1982) तक या उससे पहले अवश्य भिजवा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 18 जनवरी, 1982 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रहा था।

टिप्पणी (1):—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय दे हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग (आदि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (II):—उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र को स्वयं संघ लोक सेवा आयोग के काउन्टर पर जमा कराने अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

विनय भा
संयुक्त सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबन्ध-1

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवार आवेदन पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह बख्ख से कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं हो जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में विषय क्षेत्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबंध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा किन्तु यदि कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गणकता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 27 मार्च, 1982 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विशेष स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देने चाहता हो तो उसे अपनी पसन्द के क्रमानुसार दो अन्य भारतीय मिशन (जहाँ स्वयं जिस देश में है उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक क्षेत्रों के रूप में देने चाहिए। आयोग यदि जाह तो, उम्मीदवार को उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिशनों में से किसी एक में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

2. उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइंट पेन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र, अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तराष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियाँ अपाठ्य या भ्रमक होंगी तो उनके निर्वचन में होने वाले भ्रम तथा संदिग्धता के लिये उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि आयोग आवेदन पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आवि स्वीकार नहीं करेगा। इस लिए उन्हें आवेदन पत्र सही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार को अपना आवेदन पत्र सम्बद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रविष्टियों का सत्यापन करके आवेदन पत्र को अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

3. उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्र अवश्य भेजें।

- (1) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ जोकि एक आवेदन पत्र पर और

दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपकाई गयी हो। उम्मीदवार को फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की ओर स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

- (2) लगभग 11.5 से. मी. × 27.5 से. मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर अपना पता लिखा हो।

- (3) विधिवत् भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (आवेदन प्रपत्र के साथ संलग्न)।

“उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्र के साथ संलग्न उपस्थिति पत्रक पर वे अपने नाम तथा परीक्षा केन्द्र के अलावा कोई अन्य प्रविष्टि न करें”

4. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई भ्रूठा व्यंग न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

5. आवेदन पत्र दरे से प्रस्तुत किए जाने पर दरेरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन प्रपत्र को अमूक तारीख को भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि उसे पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

6. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पत्र की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आगंत पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु संपर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

7. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा यदि परीक्षा से शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

8. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा-भत्ता नहीं मिलेगा।

9. आवेदन पत्र से सम्बन्ध का व्यवहार :—आवेदन पत्र में सम्बद्ध सभी पत्र आवि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यूरा अनिवार्य रूप से दिया जाये :—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का महोना और दर्ज।
- (3) उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर अथवा अन्त तिथि आवि आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।

- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा अक्षरों में) ।
 (5) आवेदन पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता ।

नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी ।

ध्यान दें :—

- (1) जिस पत्रों आदि में यह स्वीरा नहीं होगा सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
 (2) परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीदवार से कोई पत्र/सूचना प्राप्त होती है और उसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं लिखा है, तो उस पर ध्यान

10. पत्रों में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर उसको सबसे दूर पते पर मिल जाया करे। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग की उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 9 में उल्लिखित स्वीरा के साथ यथाशीघ्र की जानी चाहिए यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है फिर भी इस विषय में वह जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 13th November 1981

No. A. 32012/1/81-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 25th Aug. 1981 the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri K. R. P. Nair, a permanent Senior Research Officer of the Office of Union Public Service Commission to officiate as officer on Special Duty (Lang.) in the Commission's office on ad-hoc basis for the period for 19-11-81 to 18-2-82 or until further orders whichever is earlier.

P. S. RANA,
Section Officer,
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 18th September 1981

No. A. 19013/2/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Natarajan, IA&AS, as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 16th September, 1981 until further orders.

The 13th November 1981

No. A. 12024/2/80-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 9-9-81, the President is pleased to appoint Smt. Prem V. P. Singh, an officer of IRS (C&CE-1970) as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from 1-11-1981, until further orders.

Y. R. GANDHI,
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 18th November 1981

No. 2K RCT 15.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Sujit Banerjee, IAS (UP-1972) as Deputy Secretary in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 12-10-1981 until further orders.

No. 2K RCT 15.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M. K. Zutshi, IRS (C&CE : 1966) as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 14th October, 1981 until further orders.

K. L. MALHOTRA,
Under Secy. (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 18th November 1981

No. A-19027/3/81-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das Gupta, Junior Scientific Officer (Photo) to officiate as Senior Scientific Officer (Photo) on ad-hoc basis in C.F.S.L./CBI with effect from 20-10-1981 to 31-12-1981 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A-19035/3/80-AD.V.—The Director/C.B.I. and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to promote Shri T. Sudersana Rao, Crime Assistant, CBI, Head Office to officiate as Office Superintendent, on purely ad-hoc basis, for a period of 45 days from 2-11-1981 to 16-12-1981 in the leave vacancy of Shri R. P. Arora, Office Supdt./Legal Division having proceeded on 45 days Earned Leave from 2-11-1981.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E),
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110022, the 21st November 1981

No. O. II-1593/81-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri N. B. Bhat, an IPS officer of Karnataka Cadre as Deputy Inspector General of Police in the C.R.P.F.

2. Shri Bhat took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF, Imphal on the forenoon of 19th November, 1981.

No. O. II-1609/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) G. Chellakannu as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 2-11-1981 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O. II-1610/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Bhaskar as General Duty Officer Grade II (Dy. S.P./Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5th November, 1981 subject to his being medically fit.

No. O. II-1611/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. E.G. Gopikrishna as General Duty Officer Grade II (Dy. S.P./Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th Nov. 1981 subject to his being medically fit.

A. K. SURI,
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 19th November 1981

No. 10/28/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Dr. B. K. Roy, Assistant Registrar General (Map) in the office of the Registrar General, India New Delhi, as Deputy Registrar General (Map) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 26th October, 1981, or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Dr. Roy will be at New Delhi.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Dr. Roy and claim to regular appointment to the post of Deputy Registrar General (Map). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without mentioning any reason therefor.

The 20th November 1981

No. 11/26/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri J. R. Vashistha, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, as Deputy Director of Census Operations, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, in the same office, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 19th October, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The President is also pleased to appoint Shri J. N. Suri, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh as Assistant Director of Census operations (Technical), on purely temporary and *ad-hoc* basis in the same office *vice* Shri J. R. Vashistha, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 19th October, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointments to the posts concerned. The services rendered by them on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the concerned grade and for eligibility for promotion to the next higher grades. The above-mentioned *ad-hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

4. The headquarters of S/Shri Vashistha and Suri will be at Chandigarh.

No. 11/38/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri M. G. Mohril, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 22nd October, 1981 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Mohril will be at Bhopal.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Mohril any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

The 21st November 1981

No. 11/42/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 30th June, 1980, the President is pleased to appoint Shri Prem Nariani, an officer belonging to Grade 'A' of the C.S.S.S. Cadre of the Ministry of Home Affairs, as Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 30th June, 1982 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Nariani will be at Bombay.

No. 11/74-80-Ad.I.—The President is pleased to terminate the services of Shri P. Gopala Krishnan Nair, a retired officer belonging to Kerala Civil Service, and at present working as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, on re-employment basis, with effect from the afternoon of the 30th September, 1981.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 13th November 1981

No. 177-A/4.—The General Manager, Currency Note Press, Nasik Road is pleased to appoint Shri V. N. Zadbuke,

Inspector Control. Currency Note Press to the post of Deputy Control Officer in the Currency Note Press on a purely *ad-hoc* basis from 2nd November, 1981 to 4th December, 1981.

S. D. IDGUNJI,
General Manager,
Currency Note Press

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 20th November 1981

No. Admn.I/8-132/81-82/348—The Accountant General-I, Andhra Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders :

| Name | Date of assumption of charge |
|------------------------|---|
| 1. M. Subba Rao-I | 22-10-1981 F.N. |
| 2. A. Appalanarasimham | On foreign service to Chukka Hydel Project, Bhutan. |
| 3. B. Ramakrishna Rao | 22-10-1981 A.N. |
| 4. C. Rama Murthy | 22-10-1981 F.N. |

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors, and also subject to the result of the Writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

R. HARIHARAN,
Sr. Dy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 18th November 1981

No. AN/I/1799/5/Vol.I.—Shri S. S. Raghavan, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 15-4-82 (his date of birth is being 15-04-1924) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 30-04-1982 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 30-04-1982 (AN) in terms of FR 56(a).

R. K. MATHUR,
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin)

New Delhi the 23rd November, 1981

No. AN-II/2606/81-I—1. The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

| Sl. No. | Name with Roster No. | Grade | Date from which transferred to pension Estt. | Organisation |
|---------|---------------------------|-------------------------|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | S/Shri | | | |
| 1. | S.V. Sundareswaran, P/160 | Pt. Accounts Officer | 31-7-81 | Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona. |
| 2. | V.R. Radhakrishnan O/264 | Offg. Accounts Officer. | 31-7-81 | Do. |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----|--------------------------------|------------------------|---------|--|
| | S/Shri | | | |
| 3. | D.S. Gokale O/213. | Offg. Accounts Officer | 31-7-78 | Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona. |
| 4. | M.K. Dabir P/176 | Pt. Accounts Officer | 31-7-81 | Controller of Defence Accounts (Officer) Poona. |
| 5. | P. Rangarajan P/54 | Do. | 31-7-81 | Do. |
| 6. | Raghubir Singh O/NYA | Offg. Accounts Officer | 31-7-81 | Controller of Defence Accounts, Western Com- mand, Meerut. |
| 7. | Krishan Lal Nagpal P/83 | Pt. Accounts Officer | 31-7-81 | Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun. |
| 8. | Jai Prakash O/NYA | Offg. Accounts Officer | 31-7-81 | Do. |
| 9. | Ganesh Das Sethi P/277 | Pt. Accounts Officer | 31-7-81 | Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut. |
| 10. | Kishori Lal Jain P/181 | Pt. Accounts Officer | 31-7-81 | Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut. |
| 11. | Gurbachan Singh Johar P/545 | Do. | 31-7-81 | Do. |
| 12. | Ajit Kumar Roy O/145 | Offg. Accounts Officer | 31-7-81 | Controller of Accounts (Factories) Calcutta. |
| 13. | M. Kandaswamy P/369 | Pt. Accounts Officer | 31-7-81 | Controller of Defence Accounts (Other Rank) South Madras. |
| 14. | Amar Singh P/249 | Do. | 31-7-81 | Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad. |
| 15. | A.K. Banerjee P/250 | Do. | 31-7-81 | Do. |
| 16. | Jagdish Rai Khanna P/290 | Do. | 30-9-81 | Do. |
| 17. | T.R. Narasimhan P/15 | Do. | 31-8-81 | Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona. |
| 18. | V.S. Kulkarni O/47 | Offg. Accounts Officer | 31-8-81 | Do. |
| 19. | D.D. Kavi P/309 | Pt. Accounts Officer | 31-8-81 | Controller of Defence Accounts (Officers), Poona. |
| 20. | V. Subramanian P/370 | Pt. Accounts Officer | 31-8-81 | Do. |
| 21. | V.S. Kohli P/214 | Do. | 31-8-81 | Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun. |
| 22. | Puran Ram Parkash O/410 | Offg. Accounts Officer | 31-8-81 | Do. |
| 23. | A.S. Nagarajan O/41 | Do. | 31-8-81 | Controller of Defence Accounts (Other Rank) South Madras. |
| 24. | C. Venkatasubbayya P/50 | Pt. Accounts Officer | 31-8-81 | Controller of Defence Accounts (Other Ranks), South Madras. |
| 25. | A.A.K. Ghorl O/NYA | Offg. Accounts Officer | 31-8-81 | Controller of Defence Accounts, Western Com- mand, Meerut Cantt. |
| 26. | Ram Nath P/210 | Pt. Accounts Officer | 31-8-81 | Controller of Defence Accounts (Navy) Bom- bay. |
| 27. | V.P. Murtekar P/380 | Do. | 31-8-81 | Do. |
| 28. | M.C. Kamalpurkar P/175 | Do. | 30-9-81 | Controller of Defence Accounts, Southern Com- mand, Poona. |
| 29. | D. Ramapathi P/90 | Do. | 30-9-81 | Do. |
| 30. | M.G. Datar O/NYA | Offg. Accounts Officer | 30-9-81 | Controller of Defence Accounts (Officers) Poona. |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----|------------------------------------|----------------------|---------|--|
| | S/Shri | | | |
| 31. | P.G. Deshmukh P/195 | Pt. Accounts Officer | 30-9-81 | Controller of Defence Accounts (Officers) Poona. |
| 32. | Dharam Pal Bhatia P/235 | Do. | 30-9-81 | Controller of Accounts (Factories) Calcutta. |
| 33. | V.S. Vaidya P/470 | Do. | 30-9-81 | Do. |
| 34. | Birendra Nath Chakraborty P/162 | Do. | 30-9-81 | Do. |

The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officer.

| Sl. No. | Name, with Roster No. | Grade | Date of death | Struck off strength of the dept. | Organisation |
|---------|--------------------------------|----------------------|---------------|----------------------------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | Shri S.K. Chakraborty P/220 | Pt. Accounts Officer | 25-5-81 | 26-5-81 (F.N.) | Controller of Accounts (Factories) Calcutta. |

A. K. GHOSH,
Dy. Controller of Genl. of Defence Accts. (Project)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD
Calcutta-700 016, the 18th November 1981

No. 43/81/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri V. I. Balakrishnan, Offg. Assistant Manager/ Subst. and Permanent Foreman retired from service with effect from 31st July, 1981(A/N).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR
(LABOUR BUREAU)

Simla, the 5th December 1981

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by four points to reach 460 (Four Hundred and Sixty) during the month of October, 1981. Converted to base : 1949=100 the index for the month of October, 1981 works out to 559 (Five Hundred and fifty nine).

S. BHARADWAJ
Director

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 21st November 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1014/73-Admn 'G'/6326.—On attaining the age of superannuation Shri J. P. Rustagi an officer of the Section Officer's grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi is permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st October, 1981.

A. N. KAUL
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay-20, the 23rd November 1981

MARKING REGULATIONS

No. 5(2)/81-CLB. II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 4(2) read with Clause 9 of the Artsilk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby specify that with effect from the first day of January, 1982, the following markings will be made by the manufacturers of artsilk yarn and cloth in the manner prescribed below :—

I. This notification shall apply to all categories of artsilk yarn or artsilk cloth except the following :—

- Packages of artsilk yarn whether in the form of hanks, cops, cones, cheeses, beams and bundles not exceeding 500 grams in weight.
- Lengths of artsilk cloth not exceeding 50 cms.
- Artsilk yarn or artsilk cloth sold to the Central Government directly by the manufacturer.
- Artsilk yarn or art silk cloth exported out of India.
- Handspun artsilk yarn.
- Artsilk cloth manufactured on handlooms.
- Artsilk cloth sold to processors for processing.
- Tapes, ropes and newars.

II. The following markings shall be made on paper labels securely pasted on each package exceeding 500 grams of artsilk yarn, whether in the form of hanks, cops, cones, cheeses, beams or bundles.

(1) *Artsilk Yarn (Spun)*

- Name and address of the manufacturer.
- Month and year of packing.
- Net weight in kilogrammes of artsilk yarn in the package.
- Count of yarn (English count).
- The words "LEA BREAKING STRENGTH" followed by the figure indicating the strength in pounds (lbs).
- In the case of spun yarn the words "ARTSILK SPUN YARN" followed by the exact percentage by weight of each of the different types of fibres in the yarn to the total weight of yarn as illustrated below :—

(i) ARTSILK SPUN YARN—POLYESTER—100%

- (ii) In the case of blended yarn, the words "BLENDED ARTSILK SPUN YARN" followed by the generic name and its exact percentage in the descending order e.g. "BLENDED ARTSILK SPUN YARN".

POLYESTER—40%

POLYNOSIC—38%

VISCOSE—22%

(2) *Artsilk Yarn (Filament)*

- (a) Name and address of the manufacturer.
(b) Month and year of packing.
(c) Net weight in kilogrammes of artsilk yarn in the package.
(d) Denier of the yarn with number of filaments and twists per metre preceded by the words "FILAMENT YARN" and the generic name such as "POLYESTER", "VISCOSE", "POLYNOSIC", "NYLON" or "ACRYLIC" etc. e.g. "POLYESTER FILAMENT YARN 40/12/600".
(e) The words "TENACITY" followed by the figure indicating tenacity in grams per denier.

Note :—In case of yarn on cone, the label containing the markings shall be pasted inside the cone and in the case of yarn on beams the label containing the prescribed markings shall be securely fastened to the beams.

III. *Artsilk Cloth*

The following markings shall be made on the face-plait of each piece of art silk cloth when packed in plaits and on the front end of the piece when packed in rolls. When the portion containing the markings is not sold last to the consumer, the said markings shall be made on both ends of the piece of artsilk cloth.

- (a) Name and address of the manufacturer.
(b) Month and year of packing.
(c) The name by which it is commonly known e.g. "SAREE", "SHIRTING" or "SUITING" etc.
(d) Length in metres and width in centimetres.
(e) The words "MADE FROM" followed by the words "SPUN X SPUN" or "FILAMENT X FILAMENT" or "SPUN X FILAMENT YARN" as the case may be.
(f) The exact composition of the artsilk cloth expressed in percentage by weight of each of the individual constituents to the total yarn content of both warp and weft put together as illustrated below :—

(i) POLYESTER—100%

- (ii) In the case of Blended Cloth, the words "BLENDED ARTSILK CLOTH" followed by the generic name of each constituent and its exact percentage by weight in the descending order e.g.

"Blended Artsilk Cloth"

POLYESTER—40%

POLYNOSIC—38%

VISCOSE—22%

- VI. (1) For the purpose of marking the generic name as specified in paragraphs II(1)(f), II(2)(d) and III-(f) herein above, only generic names e.g. Polyester, Viscose, Nylon, Polypropylene, Acrylic etc. as the case may be shall be marked as illustrated in the said paragraphs. The examples cited therein are only by way of illustration. No other words such as Cellulosic, Polyamide, Poly-olefine, Polyurethac, Dacron etc. shall be used. No markings suggestive or indicative of the percentage composition except as specified in the said paragraphs shall be made.

(2) Every marking specified in Paragraphs II and III above with respect to length, width, count/denier or weight etc. shall always be subject to the relevant limits of variations laid down in the Notification issued under Section 95 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 (43 of 1958) as amended from time to time.

- V. The markings shall be in English in capital letters or in Hindi in Devanagari script and the numerals used should be the International numerals and the letters or figures should not be less than half centimetre in height in the case of artsilk yarn and not less than one centimetre in the case of artsilk cloth.

SURESH KUMAR
Additional Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER.

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 18th November 1981

No. A-19018/528/81-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Anand Kumar as Assistant Director (Gr. I) (Electronics) at Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 17th September, 1981 until further orders.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 17th November 1981

No. A-17011/187/81-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri J. P. Sharma, permanent Examiner of Stores (Assaying) and officiating Junior Field Officer in the Office of Director of Supplies & Disposals, Bombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) in the Office of Deputy Director of Inspection (Bhilai under Jamshedpur Inspectorate w.e.f. the forenoon of 15th September, 1981 and until further orders.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 19th November 1981

No. A-1/1(737).—The President has been pleased to appoint the following Assistant Directors of Supplies (Grade II) to officiate as Assistant Directors (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 3-11-81 for a period of six months or till the UPSC nominees become available, whichever is earlier :—

1. Shri S. C. Sharma
2. Shri Manmohan Pal Singh
3. Shri S. K. Bandhu
4. Shri D. K. Tyagi
5. Shri D. S. N. Murthy
6. Shri O. C. Rustogi

2. The above officers relinquished charge of the post of Assistant Directors of Supplies (Grade II) and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 3-11-1981.

S. L. KAPOOR,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(Admn. Section A-6)

New Delhi-110001, the 20th November, 1981

No. A-31013/4/79-A6.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Assistant Director of Inspection (Metchem) in the Metallurgical/Chemical Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Group 'A' with effect from the date indicated against the name of each officer:—

| S. No. | Name | Post held | Date of confirmation | Remarks |
|--------|------------------------|--|----------------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | S/Shri | | | |
| 1. | V.B. Khanna | Assistant Director of Inspection (Met-Chem) N.I. Circle, New Delhi. | 1-4-73 | Vice Shri B.B. Banerjee confirmed as DDI (Met-Chem.) |
| 2. | H. Ananthapadmanabhulu | Deputy Director of Inspection (Met-Chem), Jamshedpur (Ret. w.e.f. 31-7-1980(AN)) | 5-2-79 | Vice Sh. M.N. Dutta Gupta (Retd.) |
| 3. | M.P. Chowdhury | Deputy Director of Inspection (Met-Chem), Burnpur. | 10-6-79 | Vice Shri K.L. Murthy (Retd.) |

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration).

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 17th November 1981

No. 7444B/A. 19012(1-Mcu/80/19A.—Shri Mahesh Chander Upadhyay is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 13th August, 1981 until further orders.

No. 7457B/A-19012(BNB)/80/19A.—Shri B. N. Bhartiya is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay minimum of pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28-9-1981, until further orders.

J. SWAMI NATH
Director General
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 17th November 1981

No. A. 19011(23)/78-Estt. A.—On the expiry of the deputation period as Mining Expert to the Government of Afghanistan, Shri O. P. Sachdeva reverted back to India on 14-11-80 after availing joining time from 10-11-80 to 14-11-80. He availed of earned leave and half pay leave from 15-11-80 to 29-9-81 and assumed the charge of the post of Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, Dehradun on the forenoon of 30-9-81.

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-11, the 5th December 1981

No. 14/12/81-M.—In exercise of the powers conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I. K. M. Srivastava, Director (Monuments) hereby direct that the centrally protected monument namely Minar of Qutbuddin situated in the Quth Archaeological area, Mehrauli of Delhi State shall not be open to public with immediate effect until further order.

K. M. SRIVASTAVA
Director (Monuments)

20—366GI/81

New Delhi-110011, the 23rd November 1981

No. 14/11/81-M.—Archaeological Survey of India No. 14/11/81-M in exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I. Jagatpati Joshi, Director (Explorations) hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Buddhist monument of Sanchi, District Raisen M.P. on 29th November 1981 and 30th November 1981 on account of the annual function of the exposition of sacred relics of the two chief disciples of Lord Buddha.

JAGAT PATI JOSHI
Director (Explorations)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th November 1981

No. 3/128/60-SII.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Jawahar Singh, Administrative Officer, External Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Senior Administrative Officer, Upgrah Doordarshan Kendra with effect from 29th October 1981.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 13th November 1981

No. 2/44/60-S II.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri H. S. Battise, Accountant, All India Radio, Aurangabad to officiate as Administrative Officer All India Radio, Jalgaon with effect from 6-11-81.

S. V. SESHADRI,
Deputy Director Administration

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st November 1981

No. A 12024/7/80-Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Arun Kumar Alok to the post of Dental Surgeon under the C.G.H.S., New Delhi, with effect from the forenoon of 20th August, 1981, on an ad-hoc basis and until further orders.

The 23rd November 1981

No. A.35014/1/81(CRI)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. R. Ahuja, Desk Officer in the Ministry of Health & F. W. to the post of Administrative Officer at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 6th October, 1981, on deputation basis, and until further orders.

T. C. JAIN,
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 23rd November 1981

No. A.19011/7/79-SI.—On attaining the age of superannuation Shri C. Vittoba, Officiating Deputy Assistant Director General (MS) Government Medical Store Depot, Madras retired from service with effect from the afternoon of 31st October, 1981.

SHIV DAYAL
Deputy Director Administration (Stores)

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER FARAKKA BARRAGE PROJECT

The 20th November 1981

No. 11269(6).—Shri Harish Chandra Roy has been appointed to the post of Vice Principal in the Farakka Barrage Project Higher Secondary School, F. B. Project, Ministry of Irrigation, Govt. of India on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 14-8-81 A.N. until further orders.

R. V. RANTHIDEVAN,
General Manager
Farakka Barrage Project.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION (DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 19th November 1981

No. A-19025/48/80-A.III.—The ad hoc appointments of the under mentioned Asstt. Marketing Officers (Group I) in this Directorate have been further extended upto 31-12-1981 or till the posts are filled up on regular basis whichever is earlier.

S/Shri

1. Y. J. Peter
2. T. S. Johny
3. N. K. Misra
4. P. Satyanarayana
5. A. K. Das
6. H. C. Vatsal
7. A. S. Sharma
8. A. R. Mitra

No. A-19023/10/81-A.III.—The ad hoc appointment of Shri E. S. Paulose to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Unjha has been extended upto 29-10-1981 (A/N).

No. A-19023/14/81-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri V. P. Singh, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Unjha in the forenoon of 30-10-1981, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Singh relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Rajkot in the afternoon of 29-10-1981.

The 21st November 1981

No. A-19025/49/78-A.III.—Consequent on his reversion from the post of Marketing Officer at Unjha, Shri P. S. Paulose has taken over charge of the post of Asstt. Marketing Officer in this Directorate at Unjha w.e.f. 30-10-81 (F/N).

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

FOREST SURVEY OF INDIA

Dehradun-248001, the 20th November 1981

No. 4-4/81-Adm.—Shri K. K. Dar, Audit Officer belonging to the Cadre of Comptroller and Auditor General of India, is hereby appointed as Assistant Director (Accounts) in Forest Survey of India, Dehradun w.e.f. the forenoon of 17th November, 1981 on deputation terms and conditions contained in this office letter No. 3-11/81-Adm. dated 24th October 1981, until further orders.

A. B. CHAUDHURI
Director.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 23rd October 1981

No. PA/79(11)/79-R-III.—On transfer from Heavy Water Projects, Bombay, Shri K. R. Balasubramaniam, Assistant Personnel Officer has assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of October 15, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 22nd October 1981

No. PPED/3(262)/78-Adm./16442.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 14, 1981 to the afternoon of November 21, 1981 vice Shri T. S. Aswal, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE,
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 21st November 1981

No. NAPP/Adm/1(162)/81-S/14513.—Consequent of his resignation having been accepted by the competent authority, Shri P. Radhakrishnan, Scientific Officer/Engineer Grade SB of the Narora Atomic Power Project, relinquished charge of his post in the grade 'SB' in this Project on the afternoon of 26-10-81.

R. K. BALI,
Administrative Officer-III

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 20th November 1981

No. DPS/21/1(2)/78-Est/22778.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Ashwinikumar Madhusudan Parelkar, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from June 9, 1981 (F/N) to November 16, 1981 (FN).

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 20th November 1981

No. NFC/PAR/1603/5681.—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex appoints Sri S. Ramanujam, Scientific Assistant(C) to officiate as Scientific Officer Grade (SB) on an initial pay of Rs. 710/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in Nuclear Fuel Complex in a temporary capacity w.e.f. 1-8-1981, until further orders.

G. G. KULKARNI,
Manager, Personnel & Adm.

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam, the November 1981

No. MAPP/18(119)/81-Rectt.—The Chief Project Engineer, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint the following officials of this Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders:

| S. No. | Name | Present grade | Grade to which appointed |
|--------|---------------|--------------------------|----------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| S/Shri | | | |
| 1. | B. Ravindran | Scientific Assistant 'C' | Scientific Officer/Engineer 'SB' |
| 2. | S. Umapathy | Do. | Do. |
| 3. | G. Meyyappan | Do. | Do. |
| 4. | D.A. Lawrence | Do. | Do. |
| 5. | G. Raghavan. | Do. | Do. |
| 6. | H. Ibrahim | Do. | Do. |
| 7. | N. Kannan | Do. | Do. |

R.P. HARAN,
Administrative Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 20th November 1981

No. ADM-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nirdosh Kumar Punj as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of October 30, 1981 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative and Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 19th November 1981

No. 05012/R1/OP/6230.—Officer-on-Special Duty. Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundiyil Thomas Thomas, a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on ad hoc basis, from October 14, 1981 (F/N) to November 13, 1981 (A/N) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer-III.

R. C. KOTIANKAR,
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO : SHAR CENTRE P & GA DIVISION

Sriharikota-524 124, the 7th November 1981

No. SCF.P&GA.Estt.1.72.—The Director, SHAR Centre is pleased to appoint Shri P. Anandakrishnan to the post of Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1981.

(Sd.) ILLEGIBLE
Head, P&GA,
for Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st October 1981

No. A32013/5/80-EA.—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Senior Aerodrome Officer on a regular basis with effect from the date mentioned against each and until further orders :—

| Sl. No. | Name | Station of posting | Date of Promotion |
|---------|------------------|-------------------------|-------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| S/Shri | | | |
| 1. | N.N. Nair | Madras | 19-12-80 |
| 2. | K.P.V. Menon | Madras | 19-12-80 |
| 3. | S.C. Joshi | Asstt. Dir. (ARA Plng.) | 18-12-80 |
| 4. | A. Krishnamurthy | Bombay | 22-12-80 |
| 5. | V.K. Rangan | Calcutta | 7-12-80 |
| 6. | D.V.K. Rao | Bombay | 6-2-81 |
| 7. | A.F. Tigga | Calcutta | 30-5-81 |
| 8. | P.K. Halder | Ranchi | 10-8-81 |
| 9. | S.K. Thakur | Srinagar | 14-10-81 |

The 13th November, 1981

No. A32013/10/80-EA.—The President has been pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointments of the following Officers to the grade of Senior Aerodrome Officer upto 31-12-1981 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

| S. No. | Name | Station |
|--------|-----------------------|----------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| S/Shri | | |
| 1. | S. Mahalingam | Madras |
| 2. | M.N.K. Menon | Madras |
| 3. | A.C. John | Calcutta |
| 4. | R. Krishnamurthy | Kumbhirgram |
| 5. | M.A. Paul | Nagpur. |
| 6. | O.P. Dhingra | Bangalore. |
| 7. | M.P. Khosla | Asstt. Dir. (Hqd). |
| 8. | K.S. Prasad | Calcutta. |
| 9. | N.D. Ghosh | Calcutta. |
| 10. | Ravi Tanka | Delhi |
| 11. | C.R. Rao | Bhubaneswar |
| 12. | R.S. Bhagwat | Calcutta |
| 13. | Kundan Lal | Aurangabad. |
| 14. | K.C. Misra | C.A.T.C. Allahabad. |
| 15. | G.B.K. Nair | Bombay |
| 16. | D.D. Sardana | Delhi |
| 17. | K.N. Venkatachallaiah | Bombay |
| 18. | S. C. Sekhri | Delhi |
| 19. | D. Ramanujam | Madras. |
| 20. | A.T. Verghese | Coimbatore. |
| 21. | K.V.S. Rao | Hyderabad |
| 22. | M.P. Sharma | Bombay |
| 23. | S.K. Banerjee | Varanasi. |
| 24. | R. Kothandaraman | Trichy |
| 25. | K.K. Saxena | Delhi |
| 26. | A.M. Thomas | Bombay |
| 27. | S.A. Ram | Imphal. |
| 28. | D.C. Kharab | Asstt. Dir. AIS Hqd. |
| 29. | K.B.K. Khanna | Bhopal |
| 30. | D.N. Dhawan | Bombay |

S. GUPTA,
Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 17th November 1981

No. A. 32014/1/81-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants to the grade of Asstt. Comm. Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each :—

| S. No. | Name | Present Stn. of posting. | Stn. to which posted | Date of taking over charge. |
|--------|---------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|-----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| S/Shri | | | | |
| 1. | K. Ganapathi | ACS, Madras | ACS, Madras | 1-10-81 (FN) |
| 2. | S. Gopalan | ACS, Madras | ACS, Madras | 1-10-81 (FN) |
| 3. | J.C.D. Silva | ACS, Madras | ACS, Madras | 2-10-81 (FN) |
| 4. | T.S. Krishnamoorthy | ACS, Bombay | ACS, Bombay | 30-9-81 (FN) |
| 5. | S.M. Kulkarni | ACS, Bombay | ACS, Bombay | 30-9-81 (FN) |
| 6. | J.R. Deshmukh | ACS, Bombay | ACS, Bombay | 30-9-81 (FN) |
| 7. | R. K. Modak | ACS, Nagpur | ACS, Nagpur | 30-9-81 (FN) |
| 8. | M.L. Verma | ACS, Safdarjung Airport, N. Delhi | ACS, Safdarjung Airport, N. Delhi. | 30-9-81 (FN) |
| 9. | Ranjeet Singh | ACS, Safdarjung Airport, New Delhi. | ACS, Safdarjung Airport, New Delhi. | 30-9-81 (FN) |
| 10. | S. Varadarajulu | ACS, Safdarjung Airport, New Delhi. | ACS, Safdarjung Airport, New Delhi. | 30-9-81(FN) |

No. A.28013/1/81-EC.—Shri Victor Chandran, Assistant Communication Officer in the office of the Director of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay

Airport, Bombay relinquished charge of his office on 30-9-81 (A/N) on retirement on attaining the age of superannuation.

The 18th November 1981

No. A 32014/1/81-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following three Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :

| S. No. | Name | Present Stn. of posting | Stn. to which transferred | Date of taking over charge. |
|--------|----------------|-------------------------|---------------------------|-----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| S/Shri | | | | |
| 1. | A. Periyaswami | ACS, Bangalore | ACS, Hyderabad | 16-10-81(FN) |
| 2. | U.P. Viswanath | ACS, Bombay | ACS, Bombay | 30-9-81 (FN) |
| 3. | K.S. Moorthy | ACS, Nagpur | ACS, Nagpur | 30-9-81 (FN) |

No. A. 32014/5/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned Technical Assistants at present working as Asstt. Tech. Officer on ad-hoc basis at the stations indicated against each to the grade of Asstt. Tech. Officer on regular basis with effect from the 1-10-81 and to post them to the same station :—

| S. No. | Name | Station of posting |
|--------|------|--------------------|
| 1 | 2 | 3 |

S/Shri

- | | | | |
|----|-------------------|--------------------------|-----------|
| 1. | B.K. Mukherjee | Aero. Comm. Stn. Gauhati | Bangalore |
| 2. | K.V. Ramachandran | Do. | |

| 1 | 2 | 3 |
|----|-------------------------|--------------------------|
| 3. | Joginder Singh Man | Aero. Comm. Stn. Lucknow |
| 4. | P.S. Dalvi | Do. Bombay |
| 5. | Surinderjeet Singh Kang | Do. Palam |
| 6. | T.K. Das Gupta | Do. Agartala |
| 7. | K.K. Ichupunani | Do. Nagpur |
| 8. | J.S. Saigal | Do. Palam |
| 9. | S.K. Biswas | Do. Mohanbari |

No. A.38015/13/81-EC.—The President is pleased to permit Shri K. S. Gopalan, Communication Officer in the office of Director of Communication, Aero. Comm. Stn, Madras Airport, Madras to retire from Govt. service under the provisions of FR56(k) with effect from 30-9-81 (A/N).

The 21st November, 1981

No. A. 32014/4/80-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

| S. No. | Name | Present Stn. of posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|--------|------------------------|----------------------------|-------------------------|----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | S/Shri | | | |
| 1. | R.S. Nagar | Aero. Comm. Stn. Delhi. | Aer. Comm. Stn., Delhi | 12-10-81 (FN) |
| 2. | J.D. Victor Jaya Singh | Aero. Comm. Stn. Calcutta. | Aero. Comm. Stn. Madras | 28-10-81 (FN) |

No. A. 38013/1/81-EC—The undermentioned two officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on 31-10-81 (AN) at stations indicated against each :—

| S. No. | Name & Designation | Station of posting |
|--------|---|--|
| | S/Shri | |
| 1. | M. Raghavan, Comm. Officer. | Aero. Comm. Stn. Madras. |
| 2. | Jagdish Singh, Asstt. Comm. Officer. | Aero. Comm. Stn., Safdarjung Airport, New Delhi |

PREM CHAND
Assistant Director (Admn.)

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 18th November 1981

No. 16/374/81-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri N. B. Kulkarni, Range Officer of the Maharashtra Forest Department as Assistant Instructor at the Central Forest Rangers College, Chandrapur on deputation terms w.e.f. the forenoon of 14th July, 1981 until further orders.

The 21st November 1981

No. 26/1/65-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, is pleased to appoint Shri Bharat Singh Bist, Research Assistant Grade I (S.G.) at the CRI & Colleges as Research Officer on *ad hoc* basis in the same office w.e.f. the forenoon of 28th October, 1981 until further orders.

RAJAT KUMAR
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS (PREV.)

Patna, the 18th November 1981

No. III(7)/2-ET/79/11669—On the recommendation of the U.P.S.C. the following candidates who have been appointed to a temporary post of Supdt., Gr. 'B' (Expert) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- vide this office letter C. No. II(3)119-ET/79/4377-79, dated 9-7-80, II(3) 119-ET/79/6771, dated 27-9-80 and II(3)-119-ET/79/8037, dated 31-10-80, joined as Supdt. Gr. 'B' (Expert) Central Excise at the places and with effect from the date and hours as

indicated below against each :—

| S. No. | Name | Place of posting | Date of assumption of charge. |
|--------|-----------------------------------|-------------------------------------|-------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | S/Shri | | |
| 1. | D.K. Sinha . | Central Excise Dvn., Jamshedpur. | 23-7-80 (A.N.) |
| 2. | Swatantra Kumar. | Central Excise Dvn., Gaya. | 5-8-80 (F.N.) |
| 3. | Kamlesh Pd. Mishra | Central Excise Dvn., Patna | 18-7-80 (F.N.) |
| 4. | Surendra Kumar Madhaorao Sonun | Central Excise Dvn. Ranchi | 15-10-80 (F.N.) |
| 5. | C.V. Subramanyam | Central Excise Dvn. Jamshedpur | 5-11-80 (F.N.) |

K. K. SRIVASTAVA,
Assistant Collector (Hqrs.)
Central Excise Patna

Madurai, the 5th November 1981

No. 3/81—The following Office Superintendents of Central Excise are appointed to officiate until further orders as Administrative Officer/Asstt. Chief Accounts Officer, Gr. 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Administrative Officer/Asstt. Chief Accounts Officer in the places and on the dates noted against each :—

| Sl. No. | Name of the officer | Place of posting | Date of assumption of charge |
|---------|---------------------|-----------------------|------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | S/Sri | | |
| 1. | K. Nambiraj | Madurai I Dn. | 23-9-81 |
| 2. | M. Rajaraman | Hqrs. Office, Madurai | 24-4-81 |

No. 4/81—The following Inspectors of Central Excise (SG) are appointed to officiate, until further orders, as Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and

on the dates noted against each :—

| Sl. No. | Name of the officer | Place of posting | Date of assumption of charge |
|---------|------------------------|----------------------------------|------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| S/Shri | | | |
| 1. | K.K. Venkatachalapathy | Hqrs. Office, Madurai. | 30-1-81 |
| 2. | M. C. Arokisamy | Sankarankoil Range | 22-1-81 |
| 3. | M. Kathan | Ariyalur Range | 20-1-81 |
| 4. | S. Ponnusamy | Preventive Group, Madurai-II Dn. | 21-1-81 |
| 5. | K. Kannaiyan | Hqrs. Office, Madurai | 19-1-81 |
| 6. | S. Shanmugam | Tuticorin Range. | 4-2-81 |
| 7. | K. Rengasamy | Ramnad | 27-1-81AN |
| 8. | D. Balasundaram | Sivakasi Range-II | 6-3-81 |
| 9. | G. Gurusamy | Tiruchendur Range | 16-3-81 |
| 10. | V. Gopalan | Thiruthangal Range-I | 26-3-81 |
| 11. | K. M. Pandian | Hqrs. Office, Madurai | 11-2-81 |
| 12. | R. Victor Dharamraj | Cus. Circle, Rameshwaram | 29-7-81 |
| 13. | S. Mahalingam | Do. | 29-7-81 |
| 14. | S.J. Franklin | Hqrs. Office, Madurai | 20-7-81 |
| 15. | A. Hussain Baig | Dindigul | 29-7-81 |
| 16. | R. Ramasamy | Ramnad | 27-7-81AN |
| 17. | S. Piramanyagam | Cus. Prev., Tuticorin. | 30-7-81 |
| 18. | R. Alagiasingam | Ettayapuram Range | 30-7-81 |
| 19. | P. Chellasamy | Hqrs. Office, Madurai. | 20-7-81AN |
| 20. | P.S. Mannarasamy | Theni Range. | 30-7-81 |
| 21. | R. Narasimhan II. | Ramnad | 12-10-81 |

R. JAYARAMAN,
Collector

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 19th November 1981

No. 2-SH-(1)/81.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director General of Shipping is pleased to appoint Shri Tarsem Kumar as Deck Passenger Welfare Officer in the Mercantile Marine Department, Madras in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1981 (F.N.) until further orders.

S. M. OCHANEY
Senior Deputy Director General of Shipping

Bombay, the 21st November 1981

No. 25-ADMN(1)/81.—On the recommendation of the U.P.S.C., the President is pleased to appoint Shri M. B. Hosamani as Assistant Director General of Shipping in the Directorate General of Shipping, Bombay in a temporary capacity with effect from 12th November, 1981 (afternoon) until further orders.

S. K. MATHUR
Deputy Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. R. L. Oberoi & Co. Private Limited*

New Delhi, the 28th October 1981

No. 2881/20257.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. R. L. Oberoi & Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Assistant Registrar of Companies
Delhi and Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Haryana Plastic Ltd.*

New Delhi, the 16th November 1981

No. H-7023/21262.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Haryana Plastex Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. B. SAXENA
Assistant Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Kaira Investments Private Limited*

Ahmedabad, the 16th November 1981

No. 2181/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kaira Investments Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Dhanad Benefit Private Limited*

Ahmedabad, the 16th November 1981

No. 2085/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dhanad Benefit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE
Assistant Registrar of Companies
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Kwik Carriers Private Limited*

Hyderabad, the 18th November 1981

No. 1454/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kwik Carriers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

M/s. Andhra Law Times Private Limited

Hyderabad, the 23rd November 1981

No. 533/TA-I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Andhra Law Times Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Hyderabad, the 23rd November 1981

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

*M/s. Sri Lakshmi Ganesh Sugar Factory (Khandasari)
Pvt. Ltd.*

Hyderabad, 23rd November 1981

No. 846/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sri Lakshmi Ganesh Sugar Factory

(Khandasari) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Aravind Solvex Private Limited*

Pondicherry-605 001, the 20th November 1981

No. 12781.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company "M/s. Aravind Solvex Private Ltd.", unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO
Registrar of Companies
Pondicherry

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/4352.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Koher Kaur wd/o Sh. Dharma
R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Hukam Singh & Co.
R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Tikri Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/3-81/4374.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Qr. No. 19, Block 60 situated at Ashok Nagar, Tehar-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—366 G1/81

- (1) Shri Chuni Lal s/o Sunder Dass R/o 60/19, Tehar II, Ashok Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Jagjit Kaur Arora w/o Daljit Singh R/o EA-117/2, Tagore Garden, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 19, Block-60, Ashok Nagar, Tehar-II New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Mahender Kumar Jain s/o Sohan Lal Jain
R/o I-73, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Tej Plastics, E-16/668-69, Bapa Nagar,
Trunk Road, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-II/81-82/3-81/4362.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Kh. No. 487 situated at Lal Dora Vill. Peera Garhi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 487 Lal Dora Vill. Peera Garhi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-11-81.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Leela Wati R/o 2113, Masjid Khajoor,
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahender Parmod Jain & others
R/o 40/6, New Rohtak Road, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7592.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 3903, Gali Shatra situated at Shardanand Marg, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in
March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3903, Gali Shatra, Shardanand Marg, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,

Dated : 6-11-81.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Vimla Kohli w/o Shri Gurdayal Singh Kohli
R/o 95, Nirankari Colony, Delhi.
(Transferor)

ICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pawan Kumar Gupta s/o Tilak Ram Gupta
R/o 156, Gujranwala Town, Part-I, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-1/81-82/3-81/7596.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 95 situated at Vill, Dhirpur, Nirankari Colony, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 95, Vill, Dhirpur, Nirankari Colony, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajinder Singh & Smt. Satwant Kaur,
B-4/8, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mohan Lal Gambhir & Subash Gambhir R/o
88-A (MIG) DDA Flats, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4350.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Agri. land situated at Vill. Masudabad, Sub-Tehsil Najafgarh,
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi
March 1981for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land Vill. Masudabad, Sub-Tehsil Najafgarh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7637.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mpl. No. 287 situated at Ward No. 8, Ajmeri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jatinder Kumar Gupta s/o L. Sh. Walyati Ram Gupta R/o 53, Panchkuyan Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Kumar, Bhagwan Sahai s/o Phool Chand Aggarwal R/o 2667, Balimaran, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 287, Ward No. 8, Ajmeri Gate, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II,
H BLOCK, VIKASH BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7636.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-50, situated at Ball Nagar Colony, Vill. Basai, Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raj Kumari D/o Sain Dass
R/o 474, Gali Bahar Wali, Darya Ganj, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri S. K. Gupta s/o L. Sh. Jugal Kishore R/o
12/4, Punjabi Bagh, New Delhi & others.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-50, Ball Nagar Colony, Vill. Basai, Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.
Seal ;

FORM ITNS—

- (1) Sant Chit & Trading Pvt. Ltd.
Regd. Office 880 East Park Road, Karol Bagh.
New Delhi & others.
(Transferor)
- (2) Shri Pawan Kumar s/o L. Kanshi Ram
D-1, D.S. Malka Gunj, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ II/SR-I/81-82/3-81/7632.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XIII/721 to 723 situated at Shivaji Road, Shish Mohal, Azad Market, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XIII/721 to 723 (Old) 1995-1996-1997
(New) Shivaji Road, Shish Mahal, Azad Market, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7622.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/19 situated at South Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—366 GI/81

(1) Shri Ram Dhari Mal s/o Sh. Shiv Chand Rai
R/o 183, D.D.A. Flat Ranjit Nagar, New Delhi & others.

(Transferor)

(2) Shri J. C. Bansal s/o Sh. Hardev Sahai & others
R/o 183, D.D.A. Flats Ranjit Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G. B. Q. No. 8/19, South Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 16-11-81,
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7602.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4633, 19A situated at Darya Ganj, Ansari Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair that the consideration for such transfer as agreed to between reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. Chand & Company Ltd., Ram Nagar, New Delhi through its Director Sh. Rajinder Kumar Gupta s/o Shyam Lal Gupta r/o 16-B/4, Asaf Ali Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Kumar Batra s/o Dewan Chand Batra r/o E-487, Greater Kailash II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4633, 19-A, Darya Ganj, Ansari Road, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ-II/SR-I/81-82/3-81/7601.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mpl. No. 4633 situated at Kh. No. 63, 19-A, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. Chand & Company Ltd., Ram Nagar, New Delhi through its Director Rajinder Kumar Gupta.

(Transferor)

- (2) Shiv Dayal Aggarwal s/o L. Mohan Lal Aggarwal r/o 4-C, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 4633 Kh. No. 63, 19-A Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAS/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7585.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 76 situated at Indra Market, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Parkash Khanna s/o Ram Bhoja Mal
R/o 19/5, Moti Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Mahender Kumar s/o Ratti Lal Patel & others
R/o 30 Nand Kishore Bldg., Main Bzr. S/Mandi,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 76, Indra Market, S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/7562.—Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 2202 situated at Bazar Sita Ram, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Saya Wati d/o Raj Jai Narayan
R/o 2208/13, Part No. 2, Bazar Sita Ram, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar s/o Kranti Parsad
R/o 2191, Kucha Akil Khan, Bazar Sita Ram, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2202, Bazar Sita Ram, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.Dated : 6-11-81.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/7487.—Whereas
1. VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5413, situated at Kasabpura Road, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chuni Lal s/o Sunder Dass,
r/o 7050, Gali Masjid Wali,
Pul Bangsh, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Asha Rani w/o Rammohan,
r/o 2-C Ram Nagar,
Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5413, Kasabpura Road, Sadar Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 6-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/7477.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 43, situated at Mansrover Garden, Village Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Indira Arora w/o Chaman Lal Arora,
through her CA Sh. Y.P. Puri. (Transferor)
- (2) Shri Inder Pal Singh, s/o
Gurcharan Singh, R/o
J-5/165 Rajouri Garden,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 43, Mansrover Garden, Village Bassai Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4357.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Village Bapraula, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Girdhari s/o Hathi,
r/o VPO Bapraula, Delhi
GA Phakaria s/o Sh. Nihal,
r/o VPO Bapraula,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh s/o
Risal Singh,
r/o VPO Bapraula,
Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Village Bapraula, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,

I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4355.—Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6/1,

situated at Village Samey Pur Block-A, Part-I, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—366 GI/81

- (1) Shri. Ramji Dass s/o
Shri Tehal Singh Bhutani and others,
r/o 1465 Para Mohalla Illaqa, No. 3
Rohtak (Haryana).

(Transferor)

- (2) Smt. Vidya Wati w/o Chotte Lal and others
f/o 123 Vir Nagar, Jain Colony,
G.T. Road, Karnal,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6/1 Village Samey Pur Block-A, Part-I, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/4347.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 326, situated at Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at or March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dalel Singh s/o Shri Hira Singh,
r/o VPO Sahibabad Daulat Pur,
Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ashish Gupta Benefit Trust,
950 Kucha Pati Ram,
Bazar Sita Ram,
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 326 Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Dated : 6-11-81
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Daler Singh,
s/o Shri Hira Singh,
S/o VPO Sahibabad Daulat Pur,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Kapil Khandelwal Benefit Trust,
950, Kucha Pati Ram,
Bazar Sita Ram,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. JAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4345.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 326, situated at Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Kh. No. 326, Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

THE SCHEDULE

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/7629.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7786, situated at Chamelian Road, Bara Hindu Rao, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Nath Khamka, s/o
L. Atma Ram Khamka,
r/o 4428, Ganesh Bazar, Cloth Market,
Fatehpuri, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nirmla Jain, w/o
Bhagwat Pd. Jain,
r/o Gali Jain Mandir,
Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 7786, Chamelian Road, Bara Hindu Rao, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/4316.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8/68, situated at Punjabi Bagh, Village Madipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushp Lata Handa wd/o
Soni Nath Handa,
R/o 258, Joshi Road, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Nau Nihal Singh Sahni,
s/o Avtar Singh Sahni,
R/o A-88, Q Vishal Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Road No. 68, Punjabi Bagh, Village Madipur, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4319.—Whereas J, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

WZ-603 on plot No. 21, situated at Kh. No. 602 Fateh Nagar, Block-A, Village, Tihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Siri Ram, s/o
Lala Mohan Mal, R/o
20-B/91-B, Tilak Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Surjit Kaur Lamba,
w/o L. Amrik Singh Lamba,
R/o K-36, Fateh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. WZ-603 on plot No. 21, Fateh Nagar, Block-A, Village Tihar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 6-11-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/81-82/3-81/4328.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

41/41, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nanaksar Ashram,
Sirhar, Distt. Ludhiana (Pb) & others. (Transferor)
- (2) M/s. O. P. Jindal, Charitable Trust,
Hisar, Haryana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 41/41, Punjabi Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 18-11-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/7532.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2238, situated at Shora Kothi S/Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vidhya Wanti
wd/o, Mulakh Raj of 2238, Shora Kothi,
S/Mandi Delhi. (Transferor)
(2) Smt. Raj Bala w/o Chamanlal Gupta, and
Others 29/3, Shakti Nagar,
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2238 Shora Kothi S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 166-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/7499.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2662, Ward VI, situated at Baradari Sher Afghan Khan, Ballimaran, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—366 GI/81

- (1) Shri Manzoor Elahi, s/o
L. Sheikh Mehar Elahi & Mst. Habib Jahan,
w/o Manzoor Elahi,
R/o 2446, Baradari Balimaran,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Suresh Kumar Jain, s/o
Jagdish Pershad Jain,
R/o 1734, Nai Basi, Naya Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2662, Ward VI Baradari Sher Afghan Khan, Ballimaran, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 16-11-1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/3-81/7489.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2238 situated at Shora Kothi S/Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushil Kumari Bagga,
w/o Shri Sita Ram Bagga,
r/o 105 Banarsi Dass Estate,
Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Vimla Verma wd/o Shri Satdev Verma,
r/o 105, Banarsi Dass Estate,
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 105, Banarsi Dass Estate, Timarpur Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 16-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-1/81-82/3-81/4287.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Killa No. 19 & 22 Village Mouza Mirzapur, Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hoshiar Singh s/o Bhartu,
R/o Village, Palam,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. G. S. Builders & Associate C-50,
N.D.S.E. Part II,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land Killa No. 19 & 22, Village Mouza Mirzapur, Palam, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
II-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 16-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. I/3-81/7525.—Whereas,
I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H-51,

situated at Northern City Scheme, Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Suman Sehgal, w/o
K. N. Sehgal & others,
r/o 23-A Ringh Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Khanna, w/o
Madan Lal Khanna, r/o
4/53, Roop Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 51 Northern City Scheme, Roop Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kamla Wanti,
w/o Roshan Lal Rawal,
R/o No. 1-30A Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s India Overseas Exports,
R/o 19 Amrit Kaur Market,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. I/SR. I/7480.—Whereas,
I, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-30A, situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1-30A Kirti Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKASH BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/3-81/7520.—Whereas,
I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 4, situated at Green House, Roshanara Extension Scheme, S/Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Sharda G. Arneja,
w/o L. Gobind Ram Arneja,
r/o H-21, Maharani Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Sharbati Devi, w/o
Satyanarain and others, r/o
19/4, Shakti Nagar, Green House,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Block No. 19, Green House, Roshanara Extension Scheme, S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
II-Block, VIKASH BHAVAN,
I.P. Estate, New Delhi.

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I

'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7502.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 27 situated at Rd. No. 10, Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Guruwachan Kaur Chhabra W/o Shri V. S. Chhabra.
R/o A-48A/1, Naraina Vihar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chand Garg S/o Late Shri Shamboo Dayal Garg,
R/o 15/26 Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 27 on Road No. 10, Punjabi Bagh, Village Bassai Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhawan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal :

FORM I.T.N.S.———

- (1) Shri Ramchander S/o Shri Abhey Ram & other,
R/o Vill. Singhola Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Grbachan Singh So Shri Mehar Singh and
others,
R/o D-90, Ashok Vihar, Phase No. 1, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ.II/SR-I/81-82/3-81/4304.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Agri. land situated at Vill. Singhola, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
on March 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Village Singhola, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

- (1) Shri Amar Nath Khemka S/o Shri Atma Ram Khemka,
R/o 4428 Ganesh Bazar, Cloth Market, Fatehpuri, Delhi.
- (2) Shri Sant Lal S/o Shri Bishambar Dayal Gupta,
R/o 8756 Model Basti, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7631.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7786, situated at Chamellian Road, Bara Hindu Rao, Ward No. 14, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—366 GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

No. 7786 Chamellian Road, Bara Hindu Rao, Ward No. 14, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7589.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2813, situated at Ward No. VI Gali Peepal Mahadev, Hauz Qazi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lata Rani W/o Shri Shashi Kumar Singh,
R/o 2813 Peepal Mahadev Hauz Qazi, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Shankuntala Saxena W/o Shri Niranjana Swarn Saxena,
R/o 2813, Peepal Mahadev, Hauz Qazi, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 2813 Ward No. VI Gali Peepal Mahadev, Hauz Qazi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhawan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7589.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-6/20 situated at Rana Partap Bagh, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Devi W/o Shri Daya Ram Gupta,
R/o C-6/20, Rana Partap Bagh, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri O. P. Dutta S/o Shri Govind Sahai Dutta and others.
R/o H. No. 18, Rd. No. 13, Punjabi Bagh Extn. Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. C-6/20, Rana Partap Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhawan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7576.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. H-55 situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harjit Singh Kalsi S/o Shri Bir Singh Kalsi,
R/o J-6/147, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Chitranjan Kathuria S/o Shri S. P. Kathuria,
R/o H-55, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. H-55, Rajouri Garden, Vill. Bassai, Darapur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhawan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 0/11/1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7482.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 127 situated at Block 'C' Vir Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dipty Lal Jain,
H. No. 142 Phase No. I, Ashok Vihar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Subhash Chand Jain and others,
R/o 4614, Pahari Dhiraj, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 127, Block 'C' Vir Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7569.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 121 situated at Old Gupta Colony, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Devka Rani W/o Shri O. P. Verma,
R/o No. 121, Old Gupta Colony, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri C. S. Panwar S/o Shri Raghubir Singh,
R/o E-6, C. C. Colony, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 121, Old Gupta Colony, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Tej Bhan S/o Shri Tola Ram
R/o Punjab Basti, S/Mandi, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Rani Bajaj W/o Shri Sat Pal Bajaj,
R/o No. XII, 5671, Chandrawal, S/Mandi, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/7488.—Whereas, I, **VIMAL VASHISHT**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5671, situated at Chandrawal, S/Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 5671, Ward No. XII Chandrawal, S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Smt. Shila Wanti W/o Shri Raghukul Bhushan,
R/o C-1/150, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash and Pawan Kumar S/o Shri Ram
Avtar Jindal,
R/o 79-A, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

H BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7581.—Whereas, I,
VIMAL VASHISHT,

under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9, situated at Block E, Vill. Bharola, Adarash Nagar Colony, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, Block E, Vill. Bharola, Adarash Nagar Colony, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7516.—Whereas, I,
VIMAL VASHISHT,being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 5836 situated at Basti Harphool Singh Sadar Thana Road,
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on March 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

26—366 GI/81

- (1) Shri Chaman Lal Pandit S/o Late Shri Har Pd.
Pandit,
R/o 3205/2, Quzi Wara, Ambala City. (Transferor)
- (2) Smt. Kiran Devi Gupta W/o Shri Ghasi Ram,
R/o 5663/20, Basti Harphool Singh Sadar Thana
Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5836, Basti Harphool Singh Sadar Thana
Road, Delhi.SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New DelhiDate : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/3-81/4298.—Whereas, I,
VIMAL VASHISHT,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Agri. land situated at Vill. Masoodabad, Najafgarh, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on March 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Anthony Desouza S/o Shri Peter Desouza,
R/o A-39, Chitranjan Park, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri T. S. Bagga S/o Shri S. Kartar Singh Bagga,
R/o 9/6522, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Masoodabad, Najafgarh, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/81-82/3-81/4297.—Whereas,
I, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Masoodabad, Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Veronica Desouza W/o Shri Anthony Desouza
R/o A-39, Chitranjan Park, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri G. S. Sagoo S/o Shri Sham Singh
R/o C-4A/65-B Janakpuri, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Masoodabad, Najafgarh, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhawan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gyarsi Devi W/o Shri Nihal Chand and other,
S/o Shri Nihal Chand
C/o 1820-A, Bhagirath Place, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntla Devi W/o Shri Ishwar Nath and
others,
R/o 2111, Dhohi Wara Kinari Bazar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7519.—Whereas, I,
VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 1680 situated at Kucha Jat Mal, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
on March 1981

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

THE SCHEDULE

1680, Kucha Jat Mal, Delhi.

VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Gopal Rai S/o Smt. Miro Bai,
R/o 1913, Petwan Ka Rasta, Chaura Rasta, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Hoshiar Singh S/o Shri Jawala Prasad, and
others,
R/o 41/16, Ashok Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7605.—Whereas, I,
VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 408 to 410 situated at Kucha Brij Nath, Chandni Chowk,
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(1908) in the office of the Registering Officer at
on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Property No. 408 to 410, Kucha Braj Nath, Chandni Ch.
Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhawan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7630,—Whereas J. VIMAL VASHISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 7786 situated at Chamelian Road, Bara Hindu Rao, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Nath Khemka S/o L. Atma Ram Khemka,
R/o 4428, Ganesh Bazar, Cloth Market, Fatehpuri, Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Kamal Hosiery (Industry),
5 Kamal Kuti, Jhhabbu Mal Colony, Model Basti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 7786, Chamelian Road, Bara Hindu Rao, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7620.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B-483 situated at Majlis Park, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Niwas Khosla & Sons
R/o B-483, Majlis Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jag Rani W/o Shri Sham Lal and others,
R/o E-13, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-483, Majlis Park, New Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/81-82/3-81/7627.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **and/or**

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Niwas Khosla and others, HUF
1/260, DDA Flats, Naraina, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Leela Vati Goel,
20/4, Old Market, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 Rd. No. 33, Punjabi Bagh, New Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6/11/1981
Seal : .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE II
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/81-82/3-81/7509.—Whereas, I, VIMAL VASHISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. Nos. 2145 to 2117 situated at Chah Indara, H. C. Sen, Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—366 GI/81

- (1) Shri Sunil Mohan of D-316, Defence Colony, Delhi and others.

(Transferor)

- (2) Shri Anoop Kumar Aggarwal,
R/o 2003 Kt. Lachhu Singh Delhi and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. Nos. 2115 to 2117 Chah Indara, H. C. Sen Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASHISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
H-Block, Vikas Bhawan
I.P. Estate, New Delhi

Date : 6-11-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/7625.—Whereas I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

BQ 15/20, situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Alias Nanki Devi Smt. Nanki Bai, wd/o
Lekh Raj, R/o
15/20, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Vishwa Mitra s/o Shri Mulkh Raj Bahl,
& others, r/o
43/16 East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B.Q. 15/20, East Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
II-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi

Date : 16-11-1981

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/81-82/7643.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 840 to 844 situated at Kt. Mahesh Dass Ward No. V, Nai Sarak, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raj Rani w/o Har Narain Khanna,
r/o 820, Nai Sarak,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Surinder Narain Khanna,
Arvind Narain Khanna,
ss/o Har Narain Khanna,
r/o 820, Nai Sarak,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 840 to 844 Katra Mahesh Dass, Ward No. V, Nai Sarak, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhawan,
I.P. Estate, New Delhi

Date : 12-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/2994.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H-31, NDSE-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shayam Charan Kala Karta
(Shayama Charan Kala HUF),
3-Improvement Trust Flats, Havlock Road,
Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh,
H-31, NDSE-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. H-31, NDSE-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi

Date : 12-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3002.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-10, Kalindi Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Messers R. C. Sood & Co. (P) Ltd.,
Eros Cinema Building,
Jangpura Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Prabha, c/o
M/s Kishori Lal & Sons,
Cloth Merchants, Nai Sarak,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/16 share in Plot No. B-10, Kalindi Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3024.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-1/54, Malviya Nagar, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Raj Kumar Dogra,
s/o Shri Thakur Dass Dogra,
r/o E-469, Greater Kailash-II,
New Delhi

(Transferor)

(2) Mr. Satish Kumar Sud,
s/o late Shri Sukh Dayal Sud,
r/o No. 11, Lower Bazar,
Simla (HP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of the land & building No. B-1/54, Malviya Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhawan,
I. P. Estate, New Delhi

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3004.—Whereas I. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing G/63, situated at Nizamuddin West, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Bakshi Ram Vijay Kumar Seth, 649, Kaira Hardayal Chandni Chowk, Delhi, through its partners. (Transferor)
- (2) Shri Aman Rai, Miss Shilpika Rao and Miss Dipika Rai d/o Shri Shaikat Rai, r/o 14F, Central Ringh, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G/63, mg. 198 sq. yd. Nizamuddin West New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhawan,
I. P. Estate, New Delhi

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri B. L. Bhalla,
R/o 47. Kailash Apartment New Delhi.
(Transferor)

(2) S. Amrik Singh Walia, S. Trilochan Singh,
both R/o C-2, Rajouri Garden,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
'H' BLOCK VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/2941.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 47 Block 'C' Kailash Apt. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1150 undivided proportionate share of land in Block C, Flat No. 47, Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Road, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block, Vikas Bhawan,
L.P. Estate, New Delhi

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
'H' BLOCK VIKAS BHAVAN,
L.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3019.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing P-39, South Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—366GI/81

(1) Shri Mool Raj Anand,
s/o Sh. Ruldu Ram (deceased),
r/o G-63, Connaught Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Sahni s/o Shri O. P. Sahni,
r/o F-39, NDSE Part-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D, mg. 1007 sq. ft. on plot No. P-39, mg-683-3 sq. yd. South Extension, Part-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
H-Block, Vikas Bhavan,
L.P. Estate, New Delhi

Date : 12-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I//SR-III/3-81/2949.—Whereas, J. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 0-II/45, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dewan Singh and Mohinder Singh,
ss/o Shri Parma Nand r/o A-3/251, Janakpuri,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Ram Piari w/o Shri Bishan Das Wadhwa
r/o 2/9, Nehru Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 0-II/45, area 200 sq. yard, Lajpat Nagar, New Delhi

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I
New Delhi

Date : 12-11-81
Seal

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-II/4-81/131.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S-61, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Mrs. Nina Malhotra w/o Shri Raj Malhotra through her G.P.A. Mr. Raj Malhotra, r/o V/1938, Naughara, Kinari Bazar, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Aditya Pandit s/o Shri C. S. Pandit, r/o F-32, Green Park, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-61, Greater Kailash-II, admeasuring 300 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 12-11-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Brij Lal r/o Qr. No. A-1/145,
Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surender Singh Sethi r/o A-1/145,
Lajpat Nagar
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Aeq. 1/SR-III/3-81/2961.—Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. A-1/145, situated at Lajpat Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at
Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. A-1/145, area 100 sq. yd., Lajpat Nagar, New
Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi

Date : 18-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dhani Ram s/o Johri Mal,
r/o N-12, Green Park Extn.,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma Gupta w/o S. K. Gupta,
r/o 1818, Chuna Mandi, Paharganj,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3026.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FF of Prop. No. G-56, situated at Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of property No. G-56, measuring 180 sq. yd., Green Park, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-11-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. I AC/Acq. I/SR-III/3-81/2951.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I-1/73, situated at Lajpat Nagar I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Kumar & Prem Prakash,
r/o 1657, Pratap Gate,
Kaital, Haryana. (Transferor)
- (2) Smt. Surekha Batra,
r/o I-1/73, Lajpat Nagar,
Smt. Lajwanti Chawla r/o B-2/100, Safdarjang
Encl., New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. I-1/173, Lajpat Nagar I, New Delhi measuring 100 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/2952.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. Land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

(1) S. Shri Nihal Singh, Rohtas Singh, Om Parkash s/o Arjun Singh and Smt. Kamlo Devi wd/o Chhotu Ram r/o Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Radhey Shyam Banswal s/o Shri Sohan Lal Brij Bhushan, Ghanshyam Dass and others r/o 6/64, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr land area 17 bighas and 18 biswas M. No. 27, Killa No. 17/1 (2-8) Sharak, 16/2 (3-16), Garab; 24/2 (2-8), Shaak and M. No. 54, Killa Nos. 4 (4-16) 7(4-10) Vill. Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3043.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 56, Block G, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dhani Ram s/o Johri Mal,
r/o N-12, Green Park Extn.,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Mrs. Uma Gupta w/o S. K. Gupta,
r/o 1818, Chuna Mandi, Paharganj,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Barsati floor of a 2½ storeyed building on plot No. 56 Block No. G measuring 180 sq. yd., Green Park, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Re. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3034.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 102, K-15, situated at Green Park Extn., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—366GI/81

- (1) Sh. Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates,
12-Regal Building, Parliament Street,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Hemlata Goel c/o Shri Hem Chand Jain,
Near State Bank of India,
Baraut (UP).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in building at K-15, Green Park Extn. New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, J. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3035.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 101 K-15, situated at Green Park Extn, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates,
12-Regal Building, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ramvati, K-15/101,
Green Park Extn.,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 in building at K-15, Green Park Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi.

Date : 18-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3032.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 202, K-15, situated at Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates,
12-Regal Building, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Ranjana Handa, A-1/B,
Revenue Officers' Flats, Mayapuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 in building K-15, Green Park Extn., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-11-81
Sd :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3036.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 301, K-15, situated at Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates,
12-Regal Building, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Arora, P-17, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in building at K-15, Green Park Extension,
New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date : 18-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3033.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 201, K-15, situated at Green Park Exten., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates,
12-Regal Building, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ramesh Chander Sharma, K-15/201,
Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in building at K-15, Green Park Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi.

Date : 18-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3037,—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 302, K-15, situated at Green Park Extn., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maninder Singh c/o M/s. Pal & Associates,
12-Regal Building, Parliament Street,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sarojini Massey, C-732, Sarojini Nagar,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 in building at K-15, Green Park Extension,
New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
New Delhi.

Date: 18-11-81
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R.No. 1444.Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G.
C. GARG;being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Plot No. 2557/A situated at Waghavadi, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bhavnagar on 25-3-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Taherali Mulla Abdulali;
2. Shri Taherali Khanbhai;
3. Shri Taherali Ismailji;
4. Shri Mahmadali Kadarbhai.

(Transferor)

- (2) Shri Savajibhai Trikambhai Patel;
Shri Dharmshibhai Trikambhai Patel;
Shri Trikambhai Ghusabhai Patel;
2557/A, Waghavadi, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Bhavnagar Plot No. 2557/A
adm. 1300 sq. yds (Approx.) as fully described in sale-deed
registered with registering authority of Bhavnagar vide Regn.
No. 636 dated 25-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1445 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 34-G-5, Plot No. A-9, situated at Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 5-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gokuldas Lalji;
Shri Narendra Gopaldas Rajani;
Grain Market, Jamnagar. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Babulal;
4, Patel Colony, Jamnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Jamnagar bearing S. No. 34-G-5 Plot No. A/9, admeasuring area 362.31 sq. yds. as fully described in sale-deed duly registered with registering authority of Jamnagar vide Regn. No. 656 dated 5-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1446 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 35 situated at Village Mirzapur on Bhuj-Mandvi Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuj on 10-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Patel Dhanji Valji Bhudia;
Sukhpar-Navovas,
Tal. Bhuj, Kutch. (Transferor)
- (2) Shri Madhusudan Lakhamidas Bhadra;
Village Bitiari,
Tal. Abdasa (Kutch). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 35 paiki land situated at village Mirzapur on Bhuj-Mandvi Road, admeasuring Acre 8-00 as fully described in the sale-deed registered with the registering authority of Bhuj vide Regn. No. 597 dated 10-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHIRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1447 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M. C. No. 1216/113(2) to 1216/113(10) situated at Ghanshyam Nagar, Bhuj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 7-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Patel Lalji Hirajee,
Village—Kedaki, Tal. Bhuj. (Transferor)
- (2) 1. Sonara Daudali Sidiq;
2. Smt. Mimabai Daudali Sidiq Sonara;
Village : Kothara, Tal. Abdasa, Kutch. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Ghanshyamnagar, Bhuj bearing Mani, S. No. 1216/113 (2) to 1216/113(10) known as "Kerai Bhuvan", 278.70 sq. m. as fully described in sale-deed registered with Sub-Registrar, Bhuj vide Regn. No. 518 dated 7-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7th November, 1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1448 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 482, 489, 495, 496, 503 paiki situated at Upleta Dist., Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Upleta on 7-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Davashi Bhoja Chandravadia
by his son Shri Aahir Rama Devashi Chandravadia;
Upleta (Saurashtra).

(Transferor)

- (2) Shri Sardar Patel Coop. H. Society Ltd.
President : Shri Ratilal Jivabhai Padaria;
Upleta (Saurashtra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Property situated at Upleta city bearing S. No. 482, 489, 495, 496, 503 paiki open land as fully described in the sale-deed registered with the registering authority of Upleta vide Regn. No. 463/881 dated 7-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1449 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House property situated at Village Gadhada (Swaminarayan),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Botad on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khachar Bhanbhai Najabhai;
Navi Line, Gadhada (Swaminarayan),
Dist. Bhavnagar. (Transferor)
- (2) Shri Gopinathjee Dev Mandir Trust;
Swaminarayan Mandir,
Gadhada (Swaminarayan). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at village Gadhada (Swaminarayan) adm. area 215 sq. yds. as fully described in sale deed registered with registering authority at Botad vide Regn. No. 76/81 dated 9-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1450 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House property situated at Village Gadhada (Swaminarayan)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Botad on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Khachar Manglubhai Bhanbhai;
Navi Line—Gadhada (Swaminarayan),
Dist. Bhavnagar. (Transferor)
- (2) Shri Gopinathji Dev Mandir Trust;
Swaminarayan Mandir;
Gadhada (Swaminarayan). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Gadbada admeasuring area 173.1 sq. yds. as fully described in sale deed registered with registering authority at Botad vide Registration No. 77/81 dated 9-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1451 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I G. C. GARG:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House property situated at Gadhada (Swaminarayan) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Botad on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khachar Ramkubhai Bhanbhai;
Navi Line, Gadhada (Swaminarayan),
Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

- (2) Shri Gopinathji Dev Mandir Trust;
Swaminarayan Mandir, Gadhada (Swaminarayan),
Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at situated Gadhada Admeasuring 380.3 sq. yds. as fully described in sale deed registered with registering authority at Botad vide Regn. No. 78/81 dated 9-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Re. No. P.R. No. 1452 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

No. House property situated at Gadhada ... (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Botad on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajbanben Bhanbhai;
Navi Line, Gadhada (Swaminarayan),
Dist. Bhavnagar. (Transferor)
- (2) Shri Gopinathji Dev Mandir Trust;
Swaminarayan Mandir, Gadhada (Swaminarayan),
Dist. Bhavnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Gadhada (Swaminarayan), admeasuring area 147 sq. yds. as fully described in sale deed registered with Sub-Registrar, Botad vide Regn. No. 79/81 dated 9-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1453 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. T.P.S. 3, F.P. 543, Sub-plot No. 2 & 3 situated at Madalpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Hemendra Kantilal Patel;
'NILDHARA', Ellisbridge, Ahmedabad
2. Maheshchandra K. Patel;
3. Girishchandra K. Patel;
4. Rameshchandra K. Patel;
5. Sureshchandra K. Patel;
All same as per address of No. 1. (Transferors)
- (2) Maharana Pratap Centre Owners Association;
Secretary : Shri Rambhai Matambhai;
Gopalak Society, Wadaj, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 507 sq. yds. 507 sq. yds. 507 sq. yds. 507 sq. yds. bearing TPS. 3, F.P. No. 543, Sub-Plot No. 2 & 3 i.e. (1/6th share out of total land of 3042 sq. yds. by 5 different sale-deeds) situated at Chhadavad, Madalpur, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed Nos. 817, 818/March, 1981, 807 and 18 March 1981, 811 & 812/March, 81, 813, 814/March, 1981 and 799 & 800/11-3-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1454 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing S. No. 1130 to 1153—Jamalpur situated at Danapith, Nr. Gol Limda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—366GT/81

- (1) Shri Ahmedabad Shaher Danapith;
Juna Padvika Mahajan's Vahivatdar—
Shri Ramanlal Jannadas;
Fatehpur, Opp. Nava Vikas Gruh,
Dhumketu Road, Ahmedabad
(Transferor)
- (2) Minar Builders—through partner;
Shri Shaileshbhai Nrupendrabhai;
Andheri, Bombay.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing S. No. 1130 to 1153, Jamalpur situated at Danapith, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale-deed No. 3264/31-3-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
ILANDI DOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1455 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 495, TPS. 3, sale plot No. 1, situated at Mithakhali, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jai Bhadra Gordhandas Gajjar;
Near Nehru Bridge, Gajjar Bungalow,
Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Jai Mangal House Owners' Association;
through : Secretary : Shri Visnuprasad Narandas
Soni, Fulwadi, Navrangpura,
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing F.P. No. 495, TPS. 3, Sub-Plot No. 1, standing on land 904.61 sq. mts. situated at Mithakhali, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 2911/23-3-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1456 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 86-B-3, F.P. No. 90, paiki Sub-plot No. 3, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhanuprasad Govindlal Patel;
Patel Sanitorium, Gardhanagar,
Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Rusika Apartments Owners' Association,
Through : President Shri Hasmukhlal Ranchhodlal Mehta;
1, Tarakunj Society, Opp. Rly. Crossing,
New Wadaj, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1046 sq. yds. bearing S. No. 86/B/3, F.P. No. 90, paiki Sub-plot No. 3, situated at Dariyapur Changispur, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 2941/23-3-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1457 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 53-1, 2 paiki TPS 20 F.P. No. 60, Sub-plot No. 3 situated at Changispur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prabodh Manilal of Mithakhali, Ahmedabad. (Transferor)
(2) Laxmi Apartment Coop. Housing Society Ltd. (Proposed), through : Promoter : Shri Ranchhodhbhai Chhaganlal Patel;
9, Parasmani, Society, Ghatlodiya, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 53-1, 2 paiki of TPS. 20, F.P. No. 60, sub-plot No. 3, adm. 620 sq. yds. situated at Changispur, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 3143/30-3-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1458 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Property building situated at Station Road, Dhrangadhara, Dist. Wadhawan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhrangadhara on 16-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

33—356 GI/81

- (1) Shri Burjorji Navroji Palia & another;
Machhlipith, Wadia Street, Surat. (Transferor)
- (2) 1. Shri Ratanshi Hirji, Village Saiyra, Dist. Kutch.
2. Smt. Devkiben Ratanshi Village Saiyra, Dist. Kutch.
3. Lilavatiben Gopalbhai Village Saiyra, Dist. Kutch.
4. Ratanben Dayaram Village Saiyra, Dist Kutch.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Station Road, Dhrangadhara standing on land adm. 1432 sq. mts. duly registered by registering Officer, Dhrangadhara, vide sale-deed No. 440/16-3-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1459 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 4679, 4680, situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Saraswatiben Kantarao; widow of Sambhesirao Koli, Narayan Bhawan, Gheekanta, Ahmedabad.
2. Chanda Parmeshwari V. Rao;
8-45 Patrakar Colony, Narayanpura, Ahmedabad.
(Transferors)
- (2) 1. Ahmedhusain Mohmadhusain Mansuri & others; Pankore Naka, Ahmedabad.
2. Kapadiya Textile—Prop. A. M. Mansuri Trust; Trustee: Shri Yusuf Ahmed Husain Mansuri & others; Pankore Naka, Ahmedabad.
3. Sufiabben wife of Jafarhusain Hasanbhai, Mansuri, and others; Pankore Naka, Dhalgarwad, Ahmedabad.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing S. No. 4679 & 4680, Kalupur-3, Plot No. 5 & 6 paiki, adm. 412.2 sq. yds. 412 sq. yds. & 140 sq. mts. and 130 sq. mts. situated at Relief Road, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Nos. 3109, 3119 and 3112/27-3-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9th November, 1981.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1225 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G.
C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Nondh No. 1747, Turava Mohollo, Saiyedpura, situated at
Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 23-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) P.A. Holder of :
Narges Dara Kapadia,
Kakhtavav Naushir Lane,
Merimketan, 6/9, Mount Marry Road,
Bandra, Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Mohmad Latif Abdul Safar;
Dauji Sheri, Suthar Falia,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1747, Turava Mohollo, Saiyedpura,
Surat duly registered on 23-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1226 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG;

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1818-1819, Wd. No. 9, situated at Lal Gate, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dinaben Kavasji Laskari;
4-F, Indranil Apartment,
Bhatia Street, Nanpura, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Lavjibhai Dahyabhai Patel;
9-B, Rang Avdhut Society,
Varachha Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 1818-1819, Wd. No. 9, Lalgate, Surat duly registered on 16-3-1981 at Surat.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7th November, 1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009; the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1227 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 2794, 2795, 2796, Wd. No. 6 situated at Lal Darwaja, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
32—366GI/81

- (1) Vimlaben Nanubhai Desai; Diwalibaug, Athwa Lines, Surat. 1. Rita Mukul Desai Diwalibaug, Athwa Lines, Surat 2. Bhakti Arvindbhai Desai; 11, Mahadevnagar Society, Sagrampura, Surat.
(Transferors)
- (2) Shri Yunus Ahmed Gheewala as P.A. Holder of; 1. Abdulsamad Ismail Gheewala; Mugalisara, Patni Colony, Surat. 2. Fatma Ismail; Opp. Patni Colony, Mugalisara, Surat.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2794, 2795, 2796, Wd. No. 6, Lal Darwaja, Surat duly registered on 18-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FROM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1228 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 3404, Wd. No. 4, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Hiralal Lallubhai Sopariwala;
2. Jayshreeben widow of Shashikant Lallubhai;
3. Jitendra Shashikant;
4. Chandresh Shashikant;
5. Nilesh Shashikant;
6. Dipika Shashikant;
7. Puspaben Wd/of Natvarlal Lallubhai;
8. M. Natverlal;
9. Subhash Natverlal;
10. Satish Natverlal; Zampa Bazar, Hathi Falia, Surat.

(Transferors)

- (2) Shri Hasimbhai Saheb Abdealibhai Saheb Valiulla; Begampura, Haiderali Kasamji Street, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Wd. No. 4, Nondh No. 3404, duly registered on 17-3-1981 at Surat.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1229.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Athwa Gate area, Nondh No. 910 paiki, Plot No. 12, situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 27-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) P.A. Holder of Pramilaben Dhansukhlal Gajjar; Dr. Madhuben Dhansukhlal and Hareesh Dhansukhlal Gajjar, Gajjar Bunglow, Athwa Lines, Surat and Smt. Laxmiben Dhansukhlal Gajjar; Gajjar Bunglow, Athwa Lines, Surat.

(Transferors)

- (2) President and Secretary of; Alkesh Apartment Coop. Housing Society; Shri Vasantlal Chandulal Shah; and Shri Nitin Ratilal Shah; Dip Mangal Estate, Athwa Gate, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 910, Plot No. 12, 11 and Wd. No. 1, Athwa Gate, Surat duly registered on 27-3-81, Regn. No. 2019 and 2020.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1230 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 910, Plot No. 5, 6 Wd. No. 1, Athwa Gate, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 27-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Madhuben Dhansukhlal Gajjar; Gajjar Bunglow, Athwa Lines, Surat. Dr. Lataben Dhansukhlal Gajjar; Gajjar Bunglow, Athwa Lines, Surat.
(Transferors)
- (2) President and Secretary of Shidhachal Apartment Coop. H. Society;
1. Smt. Vasantaben Jayantilal Shah;
Dip Mangal Society, Athwa Lines, Surat.
2. Chhotalal Nagindas Shah, Gopipura, Kaji Medan, Surat.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 910, Plot No. 5, 6, Wd. No. 1, Athwa Gate, Surat duly registered at Surat on 27-6-81.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1231 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 379, Ashawinkumar Navagam FP No. 60 land situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 31-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Naranbhai Parsottambhai Patel self and Karta and Manager of H.U.F. T.B. Hospital Compound Road, Ashwinkumar, Surat. Kishorkumar Naranbhai Patel, T.B. Hospital Compound Road, Ashwinkumar, Surat. Mukeshchandra Naranbhai Patel, T.B. Hospital. Compound Road, Ashwinkumar, Surat.

(Transferors)

- (1) Chairman—Naranbhai Thakordas, Mahidharpura, Thoba Sheri, Surat. Secretary : Jawarlal Amratlal; Mahidharpura, Thoba Sheri, Surat. Committee Member : Hariibhai Valjibhai, Lal Darwaja, Moti Sheri, Surat Sarvodaya Small Industrial Coop. Service Society Ltd. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 379, TPS., Ashwinkumar Navagam, F.P. No. 60, Surat duly registered on 31-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1232 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Wd. No. 14, Plot No. 3, S. No. 32, F.P. No. 194 situated at Khatodara, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 7-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Abdul Gafar Sadiq Khatri; 114, 2nd Floor, All Umur Street, Paydhuni, Bombay-3.
(Transferor)
(2) Shri Vashrambhai Kishordas Patel; Bldg No. 41, B. No. 609, Shastrinagar, Khatodara, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Khatodara, Wd. No. 14, Plot No. 3, S. No. 32, F.P. No. 194, duly registered on 7-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1233 Acq. 23-II/8-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 63/1, Hi-8, Plot No. 4-C, situated at Umra, Surat
Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 3-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Chunilal Nathubhai Kansara; 21, Vijaywadi,
Chor Bazar, Bombay-400002.
His P.A. Holder Shri Hiralal Mulchand Kansara;
21, Vijaywadi, Chor Bazar, Bombay-400002.
(Transferors)
- (2) President and Secretary :
Umang Apartment Coop. Housing Society;
1. Shri Kirankumar Kantilal Zaveri; Prakash
Society, Athwa Lines, Surat.
2. Smt. Rashmiben Maheshchandra Vakil; Athwa
Lines, Wadia Women's College, Surat.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Umra, S. No. 63/1, Hi-8, Plot No. 4-5, duly
registered on 3-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Shri Pravinchandra Kikabhai Chokshi; Nanavat Main Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hillaben Navroji Laskari; Dr. Laskari Road, Machhalipith, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1234 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Wd. No. 11, Nondh No. 1651 to 1660 paiki 1661 to 1666 situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Machhalipith, Wd. No. 11, Nondh No. 1659, 1660 paiki, 1661 to 1666, Surat duly registered on 5-3-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1235 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1659, 1660 paiki 1661 to 1666, Wd. No. 11, situated at Machhalipith, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—366GI/81

(1) Shri Pravinchandra Kikabhai Chokshi, anavat Main Road, Surat.

(Transferors)

(2) Darayash Navroji Laskari; Dr. Laskari Road, Machhalipith, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Machhalipith, Wd. No. 11 Nondh No. 1659, 1660 paiki 1661 and 1666, Surat duly registered on 5-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1236 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 1659, 1660 paiki 1661 to 1666 situated at Machhalipith, Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pravinchandra Kikabhai Chokshi; Nanavat Main Road, Surat.
(Transferors)
(2) Shri Naushir Navroji Laskari; Dr. Laskari Road, Machhalipith, Surat.
(Transferees)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Machhalipith, Wd. No. 11 Nondh No. 1659 1660 paiki 1661 to 1666 at Surat duly registered on 5-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1237 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 30-A, 2 + 31-2, TPS 6, FP. 4, Majura, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Partners of M/s Parmar Bros.
1. Tulsidas Madhavji Parmar;
2. Nanjibhai Madhavji Parmar;
3. Bhagvanji Madhavji Parmar; Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat.
(Transferors)
- (2) Shri Thakordas Tribhovandas Mehta; Opp. L.B. Cinema, Bhatar Road, Surat.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Majura S. No. 30-A, 2 + 31-2, TPS. 6, FP. 4, D-PLOT 31 at SURAT, duly registered on 7-3-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9/11/81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1238 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 30. A.2 + 31.2 TPS 6, F.P. 4, situated at Majura, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Partners of M/s. Parmar Bros.
1. Tulsibhai Madhavjibhai Parmar;
2. Nanjibhai Madhavjibhai Parmar;
3. Bhagvanjibhai Madhavjibhai Parmar; Nanpura, Bhaya Mohalla, Surat.
(Transferors)
- (2) 1. Smt. Jayaben Jaduram Pandya;
2. Shri Thakorabhai Jaduram Pandya;
3. Shri Rameshchandra Jeduram Pandya;
6, Ghanshyamnagar, L.D. Cinema, Bhatar Road, Surat.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Majura, S. No. 30-A.2 + 31.2 TPS 6, F.P. 4, Sub-plot No. 6, at Surat duly registered on 9-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-11-81
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1239.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 49, B. No. 12, Plot No. 79 to 92 situated at Limbayat, Taluka Choryasi, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Arjandas Nihalchand Arora;
Maha Prabhu Bunglow, Kadampally Society Road,
Timaliawad, Nanpura, Surat.
Pritamdas Nihalchand Aroar,
Dalichandnagar, Athwa, Gate, Surat.

(Transferees)

(2) 1. Musa Daud Dhudhat, Panoli, Taluka Ankleshwar,
Dist. Broach.
2. Yusuf Suleman Patel do
3. Yusuf Mahmad Hataji do
4. Kasam Mohmad Mamun, do
5. Daud Suleman Kolia, Village Hathuran,
Tal. Mangrol, Dist. Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at Limayat S. No. 49, B. No. 12, Plot No. 79 to 82, duly registered on 10-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1240.Acq.23-II/81-82.—Whereas,
I, G. C. GARG,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 30 A.2 + 31-2, F.P. 4, Sub-plot 8, situated at Majura,
Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Surat on 18-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Partners of M/s. Parmar Bros.
1. Tulsidas Madhavji Parmar;
2. Nanjibhai Madhavji Parmar;
3. Bhagvanjibhai Madhavji Parmar;
Bhaya Maholli, Nanpura, Surat. (Transferees)
- (2) 1. Shri Vasantlal Kantilal Sopariwala;
2. Shri Shashikant Kantilal Sopariwala;
Nanpura, Surat. (Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Majura S. No. 30-A.2 + 31/2, F.P. 4, Sub-plot
8, duly registered on 18-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 9-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1241.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Nondh No. 1952, Wd. No. 5, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—356G1/81

(1) 1. Shri Isabhai Rehmanbhai;
2. Shri Gulamhusain Isabhai;
3. Shri Narudin Isabhai;
4. Shri Hasan Isabhai;
Haripura, Gheekanta Road, Surat.
5. Yasin Isabhai;
Saiyedpura, Turava Mohalla, Surat.
(Transferors)

(2) 1. Shri Bipinchandra Balvantrai;
Haripura, Bhavanivad, Surat.
2. Shri Jagdishchandra Balvantrai
Haripura, Bhavanivad, Surat.
(Transferee's)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 5, as described in Form No. 37-G, duly registered on 26-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 9-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, ILANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1242 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1691, Narmadnagar, situated at Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 31-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) 1. Shri Bansilal Thakordas Mehta,
Karta & HUF of family;
2. Harvidya Bansilal Mehta,
V. P. Road, Bombay. (Transferors)
- (2) Partners of M/s. Privansi Builders
1. Kokila Kumudchandra Doctor
2. Kalpana Tusher Doctor,
26, Nirmal Nivas-1,
Govalla Tank Road,
Bombay. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1691, Narmadnagar, Athwa Lines, Surat duly registered on 31-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Songhvi Sevantilal Ravchand,
Nava Deesa, Shreyas Society.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) President : Lusila Mandez,
Sister of Charity of Saint N. Trust,
Reg. No. Kaira-D-13, Nadiad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1243 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.New Deesa, R.S. No. 21+30 C.S. No. 4017,
situated at Deesa(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Deesa on 8-3-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

34—366GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at New Deesa R.S. No. 21+30, C.S. No. 4017,
duly registered on 3-3-1981.G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, AhmedabadDate : 9-11-1981
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1244 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.R.S. No. 1/1 paiki,
situated at Nizampura, Baroda(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 3-3-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in res-
pect of any income arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
foresaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Dhansukhram Anopram Purohit,
Nizampur, Baroda. (Transferor)
- (2) President of Nil Tarang Coop. H. Society,
Shri Navinkumar Laljibhai Patel,
Nizampura, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nizampura, R.S. No. 1/1, duly registered on
3-3-1981.G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, AhmedabadDate : 9-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1245 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 518, situated at Pratapnagar, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shantilal Fakirchand Shah,
Borsad, Taluka, Borsad.
2. Shantaben Dhirubhai Patel,
Borsad, Taluka, Borsad.
3. Fakirchand Bapulal Shah,
Borsad, Taluka, Borsad.
4. Jivanlal Babulal Shah,
Borsad, Taluka, Borsad.

(Transferors)

- (2) Haji Nizamudin Faiz Mohmad,
Pratapnagar, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 518, Pratapnagar, Baroda duly registered in the month of March, 1981.

G. C. GARG

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1246 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Vibhag-C, Tika No. 3/1, C.S. No. 10, Anandpura, situated at Kothi Station Road, Vadodara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 16-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Padma Vasant Sathe,
Mrs. Maya Arun Joshi,
1907, Sadashiv Peth,
Pune-30 (Poona-30),
Maharashtra State.

(Transferor)

(2) M/s. Heramb Builders,
Khadia Pole, Mulherkar Paga,
Babajipara, Baroda-390001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vibhag-C, Tika No. 3/1, C.S. No. 10 at Anandpura on Kothi Station Road, Baroda registered on 16-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-1981
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1247 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 532-25 Plot No. 24-25, 28-29, 32-33, situated at Alkapuri Shopping Centre, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Naliniben Arunkumar Shah,
Dayal Bungalow, Arunodaya Society,
Baroda.

(Transferor)

- (2) Shri Raju Arvind & others,
75, "Yajit", R.A. Kidvai Road,
Matunga, Bombay-400019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 532-25, Plot 24-25-28-29-32-33 Alkapuri Shopping Centre, Baroda registered on 17-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD**

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1248 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Parna Kuti Kaku Mohile Tekro situated at Kharinav Road, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 11-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Kusumben Manubhai Patel & others; Dalamal Chambers, Worli, Bombay.

(Transferors)

- (2) Shri D. A. Yevlekar; Ganga Vihar Coop. Housing Society, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Parnakuti, Kaka Mohile Tekro, Kharinav Road, Baroda, registered on 11-3-1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS —

(1) Partners of : Commercial Estate, Pranal Jayswal; Babulal Shah Rameshbhai Tawani; Radhakisan Tawani.

(Transferors)

(2) Chandrakant Mulchand Shah; Near New Road, Subanpura, Golwad, Baroda.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1249.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 203-1, Wadi Vibhag, situated at Pratapnagar, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 203-1, Pratapnagar Road, Wadi Vibhag, Baroda duly registered in March, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1250 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1611 (1617) at Dabhoi Taluka situated at Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Punjabhai Nagjibhai Patel; Chunibhai Nagjibhai Patel; Dabhoi Taluka
(Transferor)
- (2) President of Union Park Society; Vasantlal Muljibhai Patel, Dabhoi, Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1601 (1617) at Dabhoi duly registered in the month of March 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1251 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey numbers described in Form No. 37G situated at Koteswar, Gandhinagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar in March, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—366GI/81

- (1) 1. Dhoraji Bhagaji—Koteswar, Gandhinagar.
 2. Dhaniben Monaji Wd/of Maghaji—Koteswar, Gandhinagar.
 3. Jayprakash Prabhadbhai—Koteswar, Gandhinagar.
 4. Kantilal Magantal—Koteswar, Gandhinagar.
 5. Somabhai Prabhudas—Koteswar, Gandhinagar.
 6. Naruben Dehyabhai—Koteswar, Gandhinagar.
 7. Dudhabhai Meghabhai—Koteswar, Gandhinagar.
 8. Haribhai Motibhai—Koteswar, Gandhinagar.
 9. Puriben Mohanbhai—Koteswar, Gandhinagar.
 10. Hiraben Dhupaji—Koteswar, Gandhinagar.
 11. Bachubhai Nathubhai—Koteswar, Gandhinagar.
 12. Kupabhai K. Bhavrad—Koteswar, Gandhinagar.
 13. Jayantibhai Dhulabhai—Koteswar, Gandhinagar.
 14. Rameshbhai Dhulabhai—Koteswar, Gandhinagar.
 15. Madhubhai Purshottam—Koteswar, Gandhinagar.
 16. Mansukhbhai Madhabhai—Koteswar, Gandhinagar.
 17. Ratilal Manilal—Koteswar, Gandhinagar.
 18. Shantaben Madhaji—Koteswar, Gandhinagar.
 19. Bhikhaji Madhaji—Koteswar, Gandhinagar.
 20. Jasiben Shanaji—Koteswar, Gandhinagar.
 21. Dhulabhai Manilal—Koteswar, Gandhinagar.
 22. Manorbhai Kasabhai—Koteswar, Gandhinagar.
- (Transferors)
- (2) Shri Porazbhai B. Patel; Koteswar, Gandhinagar.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Koteswar, S. No. 115, 109, 119, 116, 118, 112, 104, 96, 108, 114, 99, 117, 107, 120, 113, 97, 300, 101, 111, 102, 98, 110 duly registered in the month of March 1981.

G. C. GARG
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1252 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1470-1, situated at Saij, Kalol (North Guj.), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 3-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Patel Venidas Ramdas; Jornak, Taluka : Mehsana. (Transferor)

(2) Director of Bhagvati Floor Mills; Manubhai Bhagubhai Patel; Narsinhnagar, Naranpura Char Rasta, Ahmedabad-9. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Saij village S. No. 1470-1, (North Gujarat, Kalol), duly registered on 3-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-11-81
Seal :

FORM ITNS—

(1) Thakor Sedhaji Amthaji; Hedva Hanumant, Tal. Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Patel Haribhai Lakhudas; Kantilal Ganeshdas; Patel Madhabhai Lallubhai; Patel Rambhai Devchanddas; Patel Ambaram Joitaram; Patel Manilal Shankerdas; Patel Jethabhai Narandas; Pala Vasna, Tal. Mehsana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1253 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 180 B. No. 112, situated at Hedava-Hanumant, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mehsana on 19-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Hedva Hanumant, Taluka Mehsana R.S. No. 180, B. No. 112 duly registered on 19-3-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 9th November 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1254 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

R.S. No. 273/3, land situated at Sandhkuva, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 12-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajendrakumar Rasiklal Zaveri, P.A. Holder of R. Dalpatlal & Co. Jyoti Building, Dalia Sheri, Mahidharapura, Surat.
(Transferor)

(2) Shri Sevantilal Kalidas Mehta, Trustee of Shri Banaskantha Sthanakvasi Jain Sangh Mahadev Society, Fuvara, Navsari.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Sandhkuva R.S. No. 273/3, Navsari duly registered on 12-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-11-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1256 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Wd. No. 1, Tika No. 92, S. No. 3804 R. S. No. 203/102-3
situated at Navsari,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on March 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Harmasdiar Dinshaji Chokari, Navsari.
(Transferor)
- (2) 1. Firoz D. Buhariwala;
2. Nariman D. Vandaria;
3. Temuras S. Tamboli,
4. Rustom D. Bhavada; Jamshedji Pesuanji Desai;
Trustees of Avaben Charity Trust, Navsari.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 3804, R.S. No. 203/1-2-3, at
duly registered in the month of March, 1981

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 10-11-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1255 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No.215/1, 2 & 216 Tika No. 18, S. No. 32, 22 & 36 situated at Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 16-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Minor Samir Manhar Guardian; Ambalal Bavabhai Patel; Harihar Ambalal Patel; Vaidya Street, Navsari.
(Transferor)
- (2) Shantilal Bhavarlal Barmiya; Opp. Govt. Guest House, Lunsikui, Navsari.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 215/1-2, 216, Tika No. 18, S. No. 32, 33 & 36 duly registered at Navsari on 16-3-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. PR. No.1257 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 48, S. No. 1890 situated at Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on 23-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Suresh Maganlal Mehta: P. A: Holder of Ranjit Maganlal Mehta; Opp. Giritrai, Navsari.
(Transferor)
- (2) Shri Vimal Babubhai Shah; Naran Lal Housing Society, Navsari.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at No. 284/2, C.S. No. 48, S. No. 1890, Navsari duly registered on 23-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 10-11-1981
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1258 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 50, C.S. No. 207 situated at Maharani Shantadevi Road, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 31-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Chunilal Jagjivandas Shah; Hasmukhlal Chhotalal Shah; Nagarvad, Navsari.
(Transferor)
- (2) Partners of Sabhana Builders; Shri Subhash Balvant-rai Desai; Nagarvad, Navsari.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 50, C.S. No. 207, Shantadevi Road, Navsari duly registered on 31-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 10-11-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1259 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority, under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1601, TP S.4, F.P. 127, Plot 2, 4, 5 & 6 situated at National Dairy Deve. Board, Anand, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on March 1981 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—366G/81

(1) Shri Shankerbhai Chhotabhai Gohel & others, Rajadpura, Tal. Anand.

(Transferor)

(2) 1. Anjanaben Aswinbhai Shah;
2. Shardaben Ramanlal Barot;
3. Dinubhai Maganbhai Patel; Village—Kham-bholaj—Tal. Anand.
4. Shantaben Jasvantbhai Patel & others; Tranol, Tal. Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1601, TP S. 4, FP 127, Anand duly registered in March 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-11-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 12th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1260 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingShop No. 63, 2nd Floor situated at Rashamwala Market,
Surat(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Surat on 18-3-1981for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Rajgulson Sunderdas Gaba P. A. Holder of
Sunderdas Makhanlal Gaba; Nampura, Zampa Bazar,
Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Bimlarani Amarnath Dara; Mangal Prabhat
Plots, Dalichand Nagar, Athwa Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Reshamwala Market, Shop No. 63, 2nd Floor,
Surat duly registered on 18-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 12-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1261 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 353, 352/2 situated at Kachigam, Daman, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Daman in March 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manchha Lally; Shri Manubhai R. Desai; Shri Kalidas Paragji Desai; Kachhigam, Daman.
(Transferor)
- (2) Shri S. N. P. Puni, Promoter of Eurocoptic Products, 13, Connaught Place, New Delhi-110001.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kachigam S. No. 351-2 and 353-1 duly registered in the month of March 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 13-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1262 acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 117 situated at Amboli, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej in March 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Mangaldas Jivanji Patel;
2. Jagdishkumar Mangaldas;
3. Arvindkumar Mangaldas;
4. Bharatkumar Mangaldas;
5. Dilipkumar Mangaldas;
Kathor (Kamrej).

(Transferor)

- (2) Dahyabhai Ambalal Patel, Ruxaniben Bhailal Patel;
Natvarlal Ambalal Patel; Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ambali S. No. 117, duly registered in March 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 13th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1263 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. No. 10/1 + 11 + 590 and + 13 situated at
Billimora,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Gandevi on 2-3-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Jarbai Dhanji Shah; Administrator Jehangirji Daji
Shah; Talvandra, Bombay-50.

(Transferor)

(2) 1. Partners of Radhakrishna Flour Rice Mills;
2. Kamlesh Textile;
3. Bhagvati Textile; Shri Vrajilal Bhikhabhai Ben-
gali; Vakharia Bander Road, Billimora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 10/1 + 11 + 590 + 13 Billimora,
duly registered on 2-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 13-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Ambalal Purshottam Amin, Deshra, Billimora,
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Ramanben Fakirchand Shah; Billimora, Tal.
Gandevi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1264 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingS. No. 167, 180/2, 184 situated at Desara, Billimora,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gandevi on 18-3-1981,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Desara, S. No. 167, 180/2, 184 duly registered
on 18-3-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II(Ahmedabad

Date : 13-11-1981
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 2669D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-81/7546.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 & bearing No. 2005 situated at Bazar Lal Kaun, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dilawar Singh s/o Sh. Kashmir Chand,
R/o 922 Street Chah, Shrin, Frash Khana, Delhi,
(Transferor)
- (2) Smt. Padma Kapoor w/o Narinder Nath
r/o C-1, Daya Nand Colony, Lajpat Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2003 & 2004, Bazar Lal Kaun, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Dated : 6-11-81.
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

GRADE-I (UNDER SECRETARY) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION FOR SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE CANDIDATES, 1982

New Delhi, the 12th December 1981

No. F.25/3/80-E.I(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for Grade-I of the Services mentioned in para 2 below against vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates will be held by the Union Public Service Commission on 27th April, 1982 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated 12th December, 1981.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 7 below).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in these Services are given below :—

Category I

Grade-I of the Central Secretariat Service. — 33(10 for SC & 23 for ST Candidates)
(22 for 1979 & 11 for 1980)

Category II

Grade-I of the General Cadre of the Indian Foreign Service Branch 'B'. — 5(3 for SC & 2 for ST Candidates)
(1 for 1980 & 4 for 1981)

Category III

Grade-I of the Railway Board Secretariat Service. — 9 (6 for SC & 3 for ST Candidates)
(2 for 1979, 4 for 1980 & 3 for 1981)

The above number is liable to alteration.

3. Candidates must indicate clearly in their applications the Category for which they are competing.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, through the attached form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011.

NOTE :—Candidates are warned that they must submit their applications on the enclosed form prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1982. Application Forms other than the one prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1982 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 18th January, 1982 (1st February, 1982 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 18th January, 1982) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 18th January, 1982.

NOTE (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the Union Public Service Commission counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

VINAY JHA

Joint Secretary

Union Public Service Commission

ANNEXURE

Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully, to see if they are eligible.

The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidate should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 27th March, 1982 will not be entertained under any circumstances.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International Form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates

will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned, who will verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) Two identical copies of recent passport size (5 cms × 7 cms approx.) photograph of the candidate one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- (ii) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.
- (iii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.

~~Candidate should note that they must not make any entries on the Attendance Sheet attached with the application form except their name and centre of examination.~~

4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

5. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

6. Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration Number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration Number has been issued to the candidates does not, *ipso-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

8. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

9. Communications Regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

10. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 9 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY REPORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

